



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 3, 2008/आषाढ़ 12, 1930

No. 236]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 3, 2008/ASADHA 12, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2008

अंतिम आदेश परिणाम

विषय : चीन जन.गण. से सेफ्ट्रैक्जोन सोडियम स्टेराइल (जिसे सेफ्ट्रैक्जोन डाईसोडियम हेमीहेट्राइड्रेड-स्टेराइल के नाम से भी जाना जाता है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

फा. सं. 14/18/2006—डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

1. यतः, मैसर्स ऑरबिन्दो फार्मा लि., हैदराबाद, आंध्र प्रदेश (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष अधिनियम और नियमावली के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सेफ्ट्रैक्जोन सोडियम स्टेराइल (जिसे सेफ्ट्रैक्जोन डाईसोडियम हेमीहेट्राइड्रेड-स्टेराइल के नाम से भी जाना जाता है) (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच करने का अनुरोध किया गया है।

2. और जबकि, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर दिनांक 4 अप्रैल, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था। जिसके द्वारा कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि लागू किया जाए तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत की गई थी।

3. प्राधिकारी ने दिनांक 7 नवंबर, 2008 की अधिसूचना द्वारा अपने प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए थे जिनमें अनंतिम उपाय लागू करने की सिफारिश की गई थी और दिनांक 30 नवंबर, 2007 की अधिसूचना सं. 117/2007-सी.शु. द्वारा केन्द्र सरकार ने संबद्ध देश संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पोटनरोधी शुल्क लागू किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनुरोध पर केन्द्र सरकार ने इस जांच के पूरा होने की समयावधि को निम्नमावली के नियम-17 के अनुसार 3 जुलाई, 2008 तक बढ़ा दिया था।

क. प्रक्रिया :

4. प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास समेत इस जांच से संबंधित सभी हितबद्ध पक्षकारों, संबद्ध देश से सहयोगी निर्यातकों, घरेलू उद्योग और इस जांच में भाग लेने वाले आयातकों को दिनांक 7 नवंबर, 2007 को प्रारंभिक जांच परिणाम की प्रतियां भेजी जिसमें उनसे प्रारंभिक जांच परिणाम की अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।
- (ii) प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों को रिकार्ड में रखा गया है और प्राधिकारी ने इस प्रकटन विवरण में उठाए गए मुद्दों की जांच की है।
- (iii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रख कर उपलब्ध कराया था।
- (iv) संक्षिप्तता के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों और प्रारंभिक जांच परिणामों से पहले उठाए गए मुद्दों और उनके समाधान को इस प्रकटन विवरण में दोहराया नहीं गया है।
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को उनके विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 7 जनवरी, 2008 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की थी। सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पक्षकारों द्वारा किए गए मौखिक अनुरोधों को, जिन्हें लिखित रूप में पुनः प्रस्तुत किया गया है, इस जांच के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड में रखा गया है।
- (vi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में गोपनीयता के दावों की जांच की है। वह सूचना जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है अथवा जिसे हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर उसके अगोपनीय सारांश के साथ उपलब्ध कराया गया है, को गोपनीय माना गया है। इस प्रकटन में *** चिन्ह याचिकाकर्ताओं द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है।

- (vii) यह जांच दिनांक 1.10.2005 से शुरू होकर 30.9.2006 अर्थात् जांच अवधि की अवधि में की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2002-03, 2003-04, 2004-05, 2005-06 और जांच अवधि शामिल है।
- (viii) प्राधिकारी ने दिनांक 19 जून, 2008 के प्रकटन विवरण द्वारा मामले के अनिवार्य तथ्यों को प्रकट किया था। निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण हेतु अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं और इन्हें रिकॉर्ड में रखा और जहां तक संबंधित पक्षकारों ने इन्हें सही ठहराया था, इनका समाधान किया गया है:-
1. मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कंपनी, चीन
 2. मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन
 3. मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरून फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन
 4. झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि., चीन

ख.1 जांच हेतु हितबद्ध पक्षकार

5. प्राधिकारी के रिकॉर्डों के अनुसार निम्नलिखित पक्षकारों ने इस जांच हेतु हितबद्ध पक्षकारों के रूप में अपनी जानकारी दी है।

(क) संबद्ध देश के प्रतिवादी निर्यातक

6. चीन जन.गण. से निम्नलिखित उत्पादकों तथा निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर और इस मामले में बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

1. मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कंपनी, चीन
2. मै. हरबिन फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि., चीन
3. मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन
4. मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरून फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन
5. झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि., चीन
6. मै. लिवजोन सिंटफार्म कं.लि. (उत्पादक), चीन मै. लिझु फामाफस्यूटिकल ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक)

7. उपर्युक्त के अलावा, एक अन्य उत्पादक/निर्यातक संयोजन अर्थात् मै. गुआनझाऊ बेयूनसांन फार्मास्यूटिकल कंपनी लि. ने प्रस्तुति की निर्धारित तारीख के बाद प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है। तथापि, इन प्रतिवादियों ने यह अनुरोध किया है कि इन्होंने पूर्व में भारत समेत किसी देश को संबद्ध वस्तु का कभी भी निर्यात नहीं किया है। उन्होंने हाल ही में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात हेतु निर्यात लाइसेंस प्राप्त किया है और इसलिए वह प्राधिकारी से अपने लिए पृथक मार्जिन के निर्धारण का अनुरोध करते हैं। चूंकि उपर्युक्त प्रतिवादियों ने जांच अवधि के दौरान वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी उनका पाटन मार्जिन निर्धारित करने में समर्थ नहीं होंगे। तथापि, प्रतिवादी उचित

समय पर नियमावली के संगत प्रावधानों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा हेतु प्राधिकारी को आवेदन करने के लिए मुक्त हैं ।

ख. आयातक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकार

8. मै. नेक्टर लाइफ साईस लि. और मै. प्रोस्पर चेनल इम्पेक्स लि. ने हितबद्ध पक्षकारों के रूप में अपनी जानकारी देने और 7 जनवरी को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हिस्सा लेने के लिए पत्र प्रस्तुत किए हैं । तथापि, इन पक्षकारों ने जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के रूप में कोई उत्तर अथवा टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की थी ।

9. किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने प्राधिकारी के समक्ष इस जांच के संबंध में कोई अनुरोध अथवा सूचना प्रस्तुत नहीं की है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

10. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम स्टेराइल है जिसे सेफ्ट्रिएक्जोन डाईसोडियम हेमीहेट्राइड्रेट-स्टेराइल (सी18एच16एन8एनए2ओ7एस331/2एच2ओ) के नाम से भी जाना जाता है । यह पेरेन्टरल सेफालोस्पोरीन प्रतिजैविक की तीसरी पीढ़ी है । "सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम स्टेराइल" अधिकांशतः एक सक्रिय भेषज अवयव (एपीआई) है जिसका प्रयोग इंद्राविनस अथवा इंटासक्यूलर प्रकार्य हेतु इंजेक्शन भरने के किया जाता है । इस उत्पाद का उपयोग मुख्यतः लोअर रेस्पायरेक्ट्री इन्फेक्शन ट्रेक्ट इन्फेक्शन, त्वचा एवं त्वचा संरचना के इन्फेक्शन पैल्विक इन्फ्लेमेट्री रोग, इन्ट्रा एब्डोमिनल इन्फेक्शन, सामान्य गोनोरिया इन्फेक्शन और शल्य चिकित्सा प्रोफीलेक्सीज जैसे रोगों हेतु किया जाता है । सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम स्टेराइल के उत्पादन हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री 7-एसीए (7-अमीनो सेफालोस्पोरीनिक अम्ल) है जिसका उत्पादन सेफालोस्पोरीन-सी के खमीरीकरण द्वारा किया जाता है ।

11. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई खास मुद्दा नहीं उठाया गया है । आवेदक द्वारा प्रस्तुत उत्पादन और आयात संबंधी आंकड़ों की जांच से यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन से आयातित सेफ्ट्रिएक्जोन के बीच कोई अंतर नहीं है अतः प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद की यथोक्त रूप से पुष्टि करते हैं ।

12. इस उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के सीमाशुल्क शीर्ष 2941 और 2942 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है । संगत 8 अंकीय वर्गीकरण 2941.9090 और 2942.0090 हैं तथापि, यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है ।

घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति:

घ.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

13. चीन से निर्यातकों ने अपने पृथक अनुरोधों में घरेलू उद्योग के रूप में आवेदकों के दर्जे और आवेदन दायर करने की उनकी योग्यता को विवादित ठहराया है। इन हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का सारांश निम्नानुसार है :-

घ.1.1 मै. फ्यूजियान फुकंग्गा फार्मास्यूटिकल कंपनी, चीन जन.गण. कंपनी लि.

14. उपर्युक्त निर्यातक ने अपने अनुरोध में यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को यह निर्णय लेने से पहले कि क्या आवेदक स्थिती संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करते हैं, योग्यता संबंधी मुद्दे की विस्तार से जांच करनी चाहिए। यह भी तर्क दिया गया है कि याचिका के अनुसार 4 अन्य घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक ने संबंधित उत्पाद का आयात किया था। यह पता नहीं है कि किस आधार पर अन्य 3 को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना गया था। यह ज्ञात नहीं है कि क्या प्राधिकारी ने याचिका दायर करने की आवेदकों की योग्यता के निर्धारण हेतु उत्पादन क्षमता वास्तविक उत्पादन मात्राओं आदि पर विचार किया है। यह भी अनुरोध किया गया है कि केवल इस बात पर कि उत्पादक एक ईओयू है, कोई यह नहीं कह सकता है कि उसे घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र से स्वतः ही बाहर कर देना चाहिए।

घ.1.2 मै. झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज के विचार

15. उपर्युक्त निर्यातक ने अपने अनुरोध में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया था कि शुल्क लागू करने के लिए शुरूआती याचिका केवल अरबिन्दो फार्मा द्वारा दायर की गई थी जो अपने आप को "सत्यापित घरेलू उत्पादक" के रूप में प्रदर्शित कर रहे थे। घरेलू उद्योग ने संबंधित वस्तुओं के अन्य उत्पादकों या ऐसे हितबद्ध पक्षकारों के केवल नाम को किस दायरे में शामिल करने के लिए प्राधिकारी से कोई अनुरोध नहीं किया था। चूंकि पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम-11 के अंतर्गत यथानिर्धारित क्षति के निर्धारण हेतु बाजार में अन्य उत्पादक मौजूद हैं, इसलिए नियम 2(घ) के पाठ के अंतर्गत घरेलू उद्योग में "दो अथवा उससे अधिक प्रतिस्पर्धी बाजारों को शामिल करते हुए" माना जाना चाहिए। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसार यह बताया गया है कि केवल मै. नेक्टर लाइफ साईस और मै. कोपरान लि. ने ईमेल द्वारा उत्तर दिया है जिसमें उनकी उत्पादन क्षमता और बिक्रियों की जानकारी दी गई है जबकि प्राधिकारी ने अन्य उत्पादकों के संबंध में सूचना की जांच सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के अनुसार की है। तथापि, ऐसी सूचना निर्यातक को उपलब्ध अथवा आवेदक द्वारा उसकी अपनी याचिका में इंगित नहीं की गई है। इस निर्यातक द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यह नियम 2(ख) का घोर उल्लंघन है जिसमें यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग में समग्र रूप से घरेलू उत्पादक शामिल होने चाहिए जिनका उक्त उत्पाद का समग्र उत्पादन हो।

16. इसके अलावा, यह तर्क दिया गया है कि अन्य उत्पादकों को "घरेलू उद्योग" के दायरे से याचिकाकर्ता द्वारा बाहर रखा गया है क्योंकि वे समान उत्पाद अथवा अनंतिम मध्यवर्ती वस्तु का आयात कर रहे हैं। यह तर्क दिया गया है कि किसी विनिर्माता को केवल तभी बाहर रखा जाएगा यदि आयातक के साथ उसका प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंधों और यह विश्वास करने अथवा संदेह करने हेतु कारण हो कि ऐसे संबंध का प्रभाव इस प्रकार का है कि उत्पादक को इससे असंबंधित उत्पादकों की तुलना में अलग स्थिति रखने में मदद मिलेगी। तथापि, अन्य उत्पादकों को ऐसा कोई मौका नहीं मिला था, जिनके आयातक होने का आरोप लगाया गया है। यह एक भली-भांति ज्ञात तथ्य है कि उक्त उत्पाद का विनिर्माण करने वाली अधिकांश कंपनियां निर्यात करने की इच्छुक होती हैं और इसके लिए कार्य करती हैं। निर्यात उत्पाद हासिल करने की अपनी प्रक्रिया में वे उक्त उत्पाद अथवा उसके अनंतिम उत्पाद का आयात कर सकती हैं। वह सूचना जिसमें इस बात का ब्यौरा दिया गया है कि अन्य घरेलू पक्षकारों को इस जांच से क्यों बाहर रखा जाना चाहिए, को नियम 2(ख) के स्पष्टीकरण खंड की अपेक्षा के अनुसार उचित नहीं ठहराया गया है। यह भी तर्क दिया गया है कि विपक्षी हितबद्ध पक्षकार के रूप में निर्यातक ने विनिर्माता और आयातक के बीच प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध सिद्ध करने के लिए कोई स्पष्ट आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं।

घ.1.3 में लिवजोन सिनफार्म कं.के विचार

17. इस निर्यातक ने अपने अनुरोध में यह तर्क दिया है कि याचिका में दिए गए ज्ञात उत्पादकों के अलावा बल्क ड्रग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा यथा प्रकाशित देश में संबद्ध सामग्री के तीन अन्य उत्पादक मौजूद हैं। यह भी अनुरोध किया गया था कि अन्य विनिर्माताओं के संबंध में आवेदक द्वारा सूचना प्रस्तुत नहीं की गई थी और घरेलू उद्योग की स्थिति अनुमानों के आधार पर निर्धारित की गई थी और ने कि वास्तविक संख्याओं के आधार पर। अतः जांच की शुरुआत त्रुटिपूर्ण है क्योंकि घरेलू उद्योग ने देश में संबद्ध सामग्री के कुल उत्पादन के बारे में पूरी सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और न ही उसने संबद्ध सामग्री के सभी विनिर्माताओं के पूरे ब्यौरे ही उपलब्ध कराए हैं।

घ.1.4 में सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कंपनी लि.के विचार

18. उपर्युक्त निर्यातक ने अपने अनुरोध में यह तर्क दिया है कि यह याचिका केवल एक उत्पादक द्वारा "घरेलू उद्योग" के रूप में दायर की गई है और ऐसा दावा त्रुटिपूर्ण है और याचिका की शुरुआत कानून और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जानी चाहिए। उन्होंने भारत में संबद्ध वस्तु के अन्य 4 ज्ञात उत्पादकों को बाहर रखने पर भी इस आधार पर आपत्ति जताई है कि उनमें से एक ईओयू है और अन्य संबद्ध सामग्री अथवा अनंतिम मध्यवर्ती वस्तु का आयात कर रहे हैं और तदनुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का हिस्सा बनने के हकदार नहीं हैं।

19. यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ता स्वयं आयातक हैं और उनके द्वारा उनकी याचिका में यह सूचना छिपाई गई है जबकि आवेदन के प्रारूप में ऐसे आयातों की जानकारी

देना विशिष्ट रूप से अपेक्षित है। यह तर्क दिया गया है कि जांच अवधि के दौरान आयात संबंधी आंकड़ों के अगोपनीय अंश से स्पष्ट रूप से यह प्रदर्शित होता है कि उन्होंने स्वयं अनंतिम मध्यवर्ती वस्तु की बड़ी मात्राओं का आयात किया है जबकि अब यह तर्क दिया जा सकता है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा किया गया आयात महत्वपूर्ण नहीं है और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने स्वविवेक से इन आयातों को माफ कर सकते हैं; स्पष्टतः इस बात पर कोई विवाद नहीं हो सकता है कि याचिकाकर्ता द्वारा इस तथ्य का पूरी तरह खुलासा किया जाना चाहिए। चूंकि उन्होंने संबद्ध वस्तु के अन्य विनिर्माताओं को इस आधार पर जांच से बाहर रखा है कि वे अनंतिम कच्ची सामग्रियों का आयात कर रहे थे।

20. इस पक्षकार द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं को माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष यह भी प्रकट करना चाहिए कि क्या वे किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित थे। यह बात अब प्रकाश में आई है कि याचिकाकर्ता वस्तुतः विनिर्माता मै. सांक्शी विकिडा फार्मास्यूटिकल लि. से संबंधित हैं, जो 7-एसीए तथा सीएसएस का विनिर्माण करते हैं। याचिकाकर्ता और मै. विकिडा का याचिकाकर्ता की चीन स्थित अधीनस्थ कंपनी में स्पष्ट रूप से साझा अध्यक्ष है। यह एक निर्धारित तथ्य है कि याचिकाकर्ताओं की चीन में उपस्थिति है और यह उपस्थिति एक पूर्ण स्वामित्व वाली अधीनस्थ कंपनी अर्थात् अरबिंदो (डेटोंग) बायोफार्मा कंपनी लि. के जरिए है जिस बात को याचिका में जानबूझकर छिपाया गया है, यद्यपि यह सूचना और उनका दीर्घावधिक आपूर्ति करार एक अन्य विनियामक प्राधिकरण अर्थात् सिक्योरिटीज एक्सचेंज कमीशन ("एसईसी") के अमरीका के सरकारी विभाग के समक्ष प्रकट किया गया है।

21. यह भी तर्क दिया गया है कि जांच शुरुआत के बाद प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के अन्य संघटकों से सूचना प्राप्त हुई थी और इस प्रकार उन्होंने इस मामले की गलत ढंग से शुरुआत की है। इस निर्यातक ने अपने प्रकटन के बाद के अनुरोधों में अपने अधिकांश तर्कों को दोहराया है।

घ.1.5 घरेलू उद्योग के विचार

22. घरेलू उद्योग मै. अरविंदो फर्मा से उनके आयातों और संबद्ध वस्तु के चीनी उत्पादकों तथा चीन में उसकी अपनी अधीनस्थ कंपनी के संबंध में वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। आवेदक ने यह स्पष्ट किया है कि अरविंदो फार्मा अथवा उनसे संबद्धता अथवा कोई वास्ता रखने वाली किसी अन्य कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद, सेप्टिरेक्जोन सोडियम स्टेराइल का आयात नहीं किया है। तथापि, यह स्पष्ट किया गया था कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान कच्ची सामग्री, सेप्टिरेक्जोन सोडियम (नॉन स्टेरायल) की 9300 कि.ग्रा. मात्रा का आयात किया था। घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि नियम 2(ख) के अनुसार स्थिति के निर्धारण हेतु जो बाद संगत है, वह यह है कि क्या आवेदकों अथवा उनके संबद्धों ने कथित पाटित विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है और न कि उसकी कच्ची सामग्रियों का। यह भी तर्क दिया गया है कि याचिका में प्रकटन में विचाराधीन उत्पादों के आयातों के

संबंध में जानकारी दी जानी अपेक्षित थी और कच्ची सामग्रियों के आयात के बारे में बताना अपेक्षित नहीं था ।

23. इसके अलावा, यह स्पष्ट किया गया है कि अरविंदो फार्मा अथवा इस कंपनी के साथ कोई संबद्धता या संबंध रखने वाली कोई अन्य कंपनी चीन में ऐसे किसी संबद्ध वस्तु के विनिर्माता अथवा उसके किसी संबद्ध से संबंधित नहीं है जो चीन में संबद्ध वस्तु अथवा उसके मध्यवर्ती उत्पाद का उत्पादन करता है । यद्यपि उनकी दो चीनी संबद्ध कंपनियां हैं, तथापि ये कंपनियां संबद्ध वस्तु अथवा अनंतिम उत्पाद अथवा विचाराधीन उत्पाद की किसी अन्य मध्यवर्ती वस्तु के उत्पादन में शामिल नहीं हैं । न तो वे किसी चीनी कंपनी के साथ किसी दीर्घावधिक आपूर्ति संविदा में शामिल हैं और न ही वे विचाराधीन उत्पाद अथवा उसके किसी अनंतिम उत्पाद के संबंध में अपनी स्वयं की चीनी अधीनस्थ कंपनी के साथ शामिल हैं । यह स्पष्ट किया गया है कि उनकी एक चीनी अधीनस्थ कंपनी 6 एपीए और पेन-जी सल्फोक्साइड के उत्पादन में लगी हुई है । दूसरी अधीनस्थ कंपनी केवल एक व्यापारिक कंपनी है । अरविंदो इन चीनी अधीनस्थ कंपनियों से इन उत्पादों का आयात कर रहे हैं । तथापि, इन उत्पादों का प्रयोग सेप्टिफेक्जोन सोडियम स्टेरायल के उत्पादन में नहीं किया जाता है ।

घ.1.6 प्राधिकारी द्वारा जांच

24. यह आवेदन मै. अरविंदो फार्मा लि., हैदराबाद, आंध्र प्रदेश द्वारा दायर किया गया है और आवेदक भारत में संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादकों में से एक है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने अपने आवेदन में यह इंगित किया था कि भारत में संबद्ध वस्तु के 4 अन्य उत्पादक अर्थात् मै. ओरचिड केमिकल्स, चेन्नई; मै. ल्यूपिन लैब, म.प्र., मै. नेक्टर लाइफ साईंस, चंडीगढ़ और मै. कोपरान लि., मुंबई हैं । प्राधिकारी को यह भी सूचित किया गया था कि मै. ओरचिड केमिकल्स एक 100% ईओयू है और उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात किया है । घरेलू उद्योग द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि अन्य घरेलू उत्पादक मै. ल्यूपिन, मै. नेक्टर लाइफ साईंसेज और मै. कोपरान लि. संबद्ध या उसकी अनंतिम मध्यवर्ती वस्तु का आयात कर रहे हैं और इसलिए वे नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग नहीं समझे जा सकते हैं ।

25. जांच की शुरुआत से पहले प्राधिकारी ने आवेदक घरेलू उद्योग की योग्यता के निर्धारण हेतु इस संबंध में उपर्युक्त ज्ञात घरेलू उत्पादकों से और सूचना मांगी थी । तथापि, मै. नेक्टर लाइफ साईंस, जिन्होंने ई-मेल द्वारा उत्तर प्रस्तुत किया था, के अलावा उपर्युक्त घरेलू उत्पादकों में से किसी ने भी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की थी । अपने उत्तर में मै. नेक्टर लाइफ साईंस ने 60 मी.टन क्षमता बताई थी, जिसके साथ जांच अवधि के दौरान लगभग 50 मी.टन का उत्पादन और संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां दर्शायी गई थी । तत्पश्चात मै. कोपरान ने भी अपने उत्पादन और बिक्री संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए हैं जो जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लगभग 14 मी.टन के उत्पादन प्रदर्शित करते हैं ।

26. जांच की शुरुआत से पहले प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के अन्य ज्ञात घरेलू उत्पादकों की क्षमताओं और उत्पादन के संबंध में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना की भी जांच की थी। ओरचिड केमिकल्स की वेबसाइट इस उत्पाद को विदेशी बाजारों हेतु एक सक्रिय भेषज अवयव (एपीआई) के रूप में सूचीबद्ध करती है। अतः उनके पास घरेलू बाजार में बिक्री हेतु कोई खास उत्पादन प्रतीत होता है और इसलिए वे घरेलू उद्योग के हिस्से के रूप में शामिल किए जाने के पात्र नहीं हैं।

27. इस उत्पाद के अन्य ज्ञात उत्पादकों की वेबसाइटों की भी उनकी क्षमताओं और उत्पादन संबंधी सूचना हेतु जांच की गई थी। यह नोटिस किया जाता है कि इस उत्पाद को उन कंपनियों के बड़ी संख्या में समान उत्पादों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और वेबसाइटों में इन उत्पादों की क्षमताओं और उत्पादन के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। संबद्ध वस्तु के सौदावार आयात आंकड़ों की जांच से पता चलता है कि मै. ल्युपिन लैब ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की दो खेपों का आयात किया है।

28. तथापि, नेक्टरलाइफ साईसेंज और कोपरान की बताई गई क्षमता और उत्पादन तथा संबद्ध वस्तु के अन्य ज्ञात उत्पादकों की अनुमानित क्षमता और उत्पादन पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में रिकार्ड किया था कि आवेदक के पास देश में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है। अतः प्राधिकारी ने माना था कि इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक मै. अरविंदों फार्मा लि. के पास नियम 5(3) के अनुसार अपेक्षित योग्यता है और वे नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग हैं।

29. हितबद्ध पक्षकारों ने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद के अपने अनुरोधों में आवेदन दायर करने हेतु आवेदकों की योग्यता का मुद्दा और उपरोक्त नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग के रूप में उनके दर्जे का मुद्दा उठाया है।

30. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि बल्क ड्रग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (भारत) द्वारा प्रकाशित बल्क ड्रग इंडस्ट्री एट ए ग्लांस 2006 में बताए गए अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य उत्पादक हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सर्वप्रथम उपर्युक्त उत्पाद वर्गीकरण विचाराधीन उत्पाद अर्थात् "सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम (स्टेराइल)" के लिए नहीं है जिसमें गैर-स्टेराइल उत्पाद शामिल नहीं है। तथापि, "सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम" उत्पाद के अंतर्गत उक्त रिपोर्ट में नामित सभी तीन अन्य उत्पादकों के उत्पाद प्रोफाइल की जांच की गई है परंतु उपर्युक्त उत्पादकों में से कोई भी वह स्टेराइल मद उत्पादित नहीं करता प्रतीत होता है जो विचाराधीन उत्पाद है। अतः इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क सही नहीं हैं।

31. जहां तक अन्य ज्ञात उत्पादकों को अयोग्य ठहराए जाने के मुद्दे का संबंध है, यह एक स्पष्ट जांच परिणाम है कि मैसर्स ओरचिड केमिकल्स जो एक 100% पीओयू है, ने इस उत्पाद को विदेशी बाजारों हेतु सक्रिय भेषज अवयव (एपीआई) के रूप में सूचीबद्ध किया है और उनके पास घरेलू बाजार में बिक्री हेतु कोई खास उत्पादन नहीं था। अतः यह कंपनी

घरेलू उद्योग के हिस्से के रूप में शामिल किए जाने हेतु पात्र नहीं है। संबद्ध वस्तु के सौदावार आंकड़ों की जांच से पता चला है कि मै. ल्यूपिन लेब ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की भारी मात्राओं का आयात किया था और इसलिए वे घरेलू उद्योग के क्षेत्र में शामिल किए जाने के हकदार नहीं हैं।

32. अन्य दो घरेलू उत्पादकों, अर्थात् मै. नेक्टर लाइफ साईस और मै. कोपरान द्वारा संबद्ध वस्तु के आयातों का कोई साक्ष्य नहीं है। प्राधिकारी ने इन उत्पादकों द्वारा अनंतिम उत्पादों के आयात पर विचार नहीं किया है, जैसा कि उन्हें बाहर रखे जाने के लिए आवेदकों द्वारा तर्क दिया गया था। इन दो उत्पादकों ने अपने उत्पादन संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए हैं, जिन पर आवेदकों की योग्यता के निर्धारण हेतु विचार किया गया है। तीन पात्र इकाइयों अर्थात् मै. अरविंदो फार्मा, मै. नेक्टर लाइफ साईसेस और मै. कोपरान के उत्पादन पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने नोट किया कि आवेदक मै. अरविंदो फार्मा के पास संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा है और इसलिए उनके पास प्राधिकारी के समक्ष आवेदन दायर करने संबंधी योग्यता थी और उक्त कंपनी इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग है।

33. जहां तक आवेदकों द्वारा किए गए आयातों और चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक के साथ उनके संबंध तथा दीर्घावधिक संबंध और उपर्युक्त तथ्यों को छिपाए जाने के मुद्दों का संबंध है, प्राधिकारी के नोटिस में ये नए मुद्दे प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद लाए गए हैं और इनकी जांच की गई है। आवेदकों से इन मुद्दों पर स्पष्टीकरण देने के लिए भी कहा गया था। आवेदक ने अपने दिनांक 24 अप्रैल, 2008 के पत्र द्वारा यह स्पष्ट किया है कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। उनकी चीनी अधीनस्थ कंपनी के संबंध में भी सूचना उपलब्ध कराई गई है, जैसा कि ऊपर रिकॉर्ड किया गया है।

34. उठाए गए मुद्दों की जांच से यह पता चलता है कि आवेदक मै. अरविंदो फार्मा ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया था, परंतु जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा कच्ची सामग्री सेफिट्रैक्जोन सोडियम (गैर-स्टेराइल) की कतिपय मात्राओं का आयात किया गया था। सेफिट्रैक्जोन सोडियम (गैर-स्टेराइल) एक मध्यवर्ती उत्पाद है जिसे सेफिट्रैक्जोन सोडियम (स्टेराइल), जो विचाराधीन उत्पाद हैं, में परिवर्तित किए जाने के लिए आगे प्रसंस्करण और कीटनाशीकरण किया जाना अपेक्षित होता है। अतः इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्क उचित नहीं हैं। प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में मै. डाउनरेज ने याचिकाकर्ता कंपनी और चीन में उनके कच्ची सामग्री आपूर्तिकर्ता के बीच संबंध और उनकी चीनी अधीनस्थ कंपनियों द्वारा 7-एसीए की आपूर्ति हेतु दीर्घावधिक संविदाओं के बारे में कतिपय अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की है। तथापि, अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन के बाद प्रस्तुत ये सूचना न तो सत्यापित की जा सकती है और न ही इनका आवेदन दायर करने संबंधी आवेदक की योग्यता से कोई वास्तविक संबंध है क्योंकि ये संपूर्ण मुद्दा कच्ची सामग्री की आपूर्ति से संबंधित है और न कि अंतिम उत्पाद की। यदि आवेदक घरेलू उद्योग में चीन में अपनी अधीनस्थ कंपनी से प्रमुख कच्ची सामग्री का आयात एक पक्षपाती कीमत पर किया होता तो उससे केवल उसका क्षति मार्जिन ही कम होगा और इसलिए वह अन्य पक्षकारों के हितों से

समझीता नहीं करेगी । अतः प्राधिकारी आवेदकों और घरेलू उद्योग की स्थिति संबंधी अपने जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

क निर्धारित न्यूनतम सीमाएं:

35. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राधिकारी द्वारा प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों और अन्य द्वितीयक स्रोतों तथा संबद्ध देश से सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात निर्धारित न्यूनतम स्तर से अधिक हैं ।

घ. अन्य अनुरोध एवं उठाए गए मुद्दे

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के संबद्ध वस्तु के उत्पादकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं तथापि, भारत में किसी उपभोक्ता अथवा आयातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही किसी पक्षकार ने वर्तमान जांच से संगत कोई सूचना उपलब्ध कराई है ।

घ.1 गोपनीयता

37. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय याचिका त्रुटिपूर्ण रही है और अगोपनीय अंश में सामान्य मूल्य की गणना संबंधी साक्ष्य अधूरे हैं और हितबद्ध पक्षकार चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए प्रयुक्त साक्ष्यों के साथ अपनाई गई पद्धति के कारण संबद्ध वस्तु के आयातों के पाटन के आरोपों पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं । आवेदन प्रफोर्मा के भाग-VI के अंतर्गत प्रदत्त निर्यात कीमत और लागत निर्धारण संबंधी आंकड़ों की गणना हेतु विचारित समायोजनों को आवेदकों द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है । यह तर्क दिया गया है कि गोपनीयता प्रदान किया जाना स्वतः नहीं है और निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात को अवश्य ध्यान में लेना चाहिए कि क्या गोपनीयता का दावा सही ढंग से किया गया है । यदि आवेदक ऐसी सूचना को प्रकट करने की इच्छा नहीं रखते हैं, जिस पर गोपनीयता का दावा किया जा सकता है तो ऐसे आंकड़ों और ऐसी समस्त सूचना को अस्वीकार किया जाना चाहिए ।

38. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में तर्क दिया है कि निर्यातकों ने अपने अनुरोधों में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है । यहां तक की संबंधित पक्षकारों और कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के नाम, संगठनात्मक संरचना, व्यावसायिक लाइसेंस आदि की सूचना की जानकारी भी गोपनीय रखी गई है ।

39. अन्य पक्षों के गोपनीयता के दावों के संबंध में पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि अलग-अलग पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच उन्हें प्रस्तुत करने के समय की गई है और पक्षकारों से अन्य पक्षकारों के लिए पर्याप्त

अगोपनीय प्रकटन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था । किए गए अनुरोधों के आधार पर वह सूचना जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है, अर्थात् लागत एवं बिक्री संबंधी सूचना और अन्य सूचना जो वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील है और जिसे ऐसी सूचना प्रदान करने वाले किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय तरीके से प्रस्तुत किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है । किसी भी सूचना को स्वचालित तरीके से अथवा ध्यान न देते हुए जैसा कि पक्षकारों ने तर्क दिया है, गोपनीय नहीं माना गया है । अगोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना अथवा पक्षकारों द्वारा यथा प्रस्तुत गोपनीय सूचना को सूचीबद्ध और सारांश की गई सूचना सार्वजनिक फाइल में रखी गई है ।

छ. प्राटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1 बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

40. प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने पाटरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार, उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त मान्यता के खंडन के अधीन चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खंडन किया है । तथापि, संबद्ध देश से प्रतिवादी निर्यातकों को मुद्दे की विस्तृत जांच को लंबित रखते हुए प्रारंभिक जांच परिणाम में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया था । बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों के संबंध में निर्यातकों, तथा घरेलू उद्योग की टिप्पणियों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

41. चीन में निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों पर टिप्पणी करते हुए घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर देने वाली किसी भी चीनी कंपनी को निम्नलिखित कारणों से बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालित समझा जाना संभव नहीं है :-

- प्रतिवादी कंपनियों अथवा उनकी प्रधान/धारक कंपनियों में राज्य का अत्यधिक स्वामित्व है अथवा ये पर्याप्त रूप से राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा शासित एवं नियंत्रित की जाती हैं अथवा इनकी स्थापना राज्य के स्वामित्व वाले संयंत्र की खरीद के जरिए की गई है । दो कंपनियों (सुझोऊ डाउनरेज और झुहाई युनाइटेड लेबोर्ट्रीज) को छोड़कर सभी अन्य कंपनियां राज्य द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व अथवा नियंत्रित की जाती हैं ।
- सभी प्रतिवादी कंपनियां आर एम तथा सुविधाओं को पर्याप्त मात्रा में राज्य की स्वामित्व वाली खरीदती हैं और/अथवा राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों के जरिए बेचती हैं ।

- यह तर्क दिया गया है कि राज्य के स्वामित्व/नियंत्रण वाली उन कंपनियों का चीन में उत्पादन का 75% से अधिक हिस्सा बनता है। अतः वह कंपनियां जो कथित रूप से राज्य के स्वामित्व वाली नहीं हैं, बाजार में कीमतों पर नियंत्रण नहीं रख सकती हैं। बाजार में कीमतें उन कंपनियों द्वारा शासित होती हैं, जिनके पास उत्पादन का प्रमुख हिस्सा होता है। इस प्रकार चीन के बाजार में कीमतों को राज्य के हस्तक्षेप से मुक्त नहीं कहा जा सकता है।
- यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु अपेक्षित प्रमुख निविष्टि 7-एसीए है और प्रतिवादी कंपनियों में से अधिकांश अपना स्वयं का एसीए उत्पादित करती हैं या गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों के अंतर्गत प्रचालित अन्य उत्पादकों से 7-एसीए की खरीद करती हैं। 7-एसीए को कच्चा सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम प्राप्त करने के लिए प्रसंस्कृत किया जाता है जिसे संबद्ध वस्तु प्राप्त करने के लिए स्टरलाइज्ड किया जाता है। यह तर्क दिया गया है कि 7 एसीए के उत्पादन हेतु अपेक्षित निविष्टियों की कीमतें और 7एसीए अथवा कच्चा सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम की अंतरण कीमत बाजार मूल्यों को प्रदर्शित नहीं करती है, अतः प्रतिवादी निर्यात बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के हकदार नहीं हैं।
- 7-एसीए के उत्पादन की लागत में जल एवं विद्युत जैसी सुविधाओं का लगभग 25-35% हिस्सा बनता है। मक्का 7 एसीए के उत्पादन हेतु अपेक्षित प्रमुख कच्ची सामग्री है। इन निविष्टियों की लैखांकन लागत 7 एसीए की उत्पादन लागत का 70-85% है। चीनी बाजार में इन निविष्टियों की कीमतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित नहीं करती हैं।
- यह तर्क दिया गया है कि मक्का, कोयला और बिजली चीन में राज्य के नियंत्रण के अधीन है और इन्हें चीन की शामिल करने संबंधी संधि में राज्य की कीमत निर्धारण अथवा निर्यात नियंत्रण (मक्का) के अधीन उत्पादों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- घरेलू उद्योग यह तर्क देता है कि सभी प्रतिवादी कंपनियों के संयंत्र कुछ समय पहले चीन की सरकार के अधीन थे। या तो ये कंपनियां राज्य के स्वामित्व वाली/नियंत्रित हैं अथवा इन कंपनियों ने ऐसी अन्य सत्ताओं से संयंत्र हासिल किए हैं जो राज्य के स्वामित्वाधीन/नियंत्रित थीं। इस तरह के मामले में वह मूल्य जिस पर ये संयंत्र प्राप्त किए गए तथा खरीद की प्रक्रिया अत्यधिक महत्व रखती है। अतः प्रतिवादी कंपनियों को ऐसे प्लांट की खरीद के संबंध में पूरी सूचना देनी चाहिए और यह अवश्य सिद्ध किया जाना चाहिए कि इन संयंत्रों को उचित बाजार मूल्य पर खरीदा गया है।
- विचाराधीन उत्पाद एक अत्यधिक पूंजी प्रधान उद्योग है। अतः प्रतिवादी कंपनियों द्वारा किए गए निवेश के अनुसार उनके द्वारा प्राप्त किए गए विशेष लाभ वह दर जिस पर ऋण प्राप्त किए गए से यह पता चलेगा कि इन कंपनियों की वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के कारण विकृत है

और निवेशों के संबंध में ऐसी फर्मों के निर्णय आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतकों के उत्तर में और इस संबंध में राज्य के किसी खास हस्तक्षेप के बिना नहीं लिए जाते हैं ।

- चीन की विनिमय दर चीन की सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है और उसे कृत्रिम स्तरों पर रखा जाता है । जिसे 30% से अधिक कम मूल्य पर रखा जाता है । इससे चीनी कंपनियां उत्पाद का अपेक्षाकृत कम कीमत पर निर्यात करने में सक्षम हो जाती हैं । अतः प्रतिवादी चीनी कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार हेतु पात्र नहीं हैं ।
- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि प्रतिवादी चीनी कंपनियां भुगतान की जा रही अत्यधिक वेट छूटों के कारण अनेक कारणों से बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की हकदार नहीं हैं । केवल इतना नहीं कि यह वेट छूटें चीन के निर्यातकों के लिए समर्थन का काम करती हैं बल्कि इनसे घरेलू बिक्री कीमत पर प्रभाव पड़ता है ।
- यह कि ये सभी कंपनियां एसीजैड में स्थित हैं और इन्हें एसीजैड में स्थित सामान्य रूप से सभी कंपनियों के लिए उपलब्ध कतिपय लाभ मिल रहे हैं जिनमें आयात शुल्कों के बिना निविष्टियों और पूंजीगत वस्तुओं का आयात और अन्य कर लाभ/ कर अवकाश/अधिमानी कर दरें शामिल हैं ।
- यह तर्क दिया गया है कि अनेक लेखांकन मानक जो अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अंतर्गत अनिवार्य हैं, का पालन चीन की जीएएपी के अंतर्गत नहीं किया जाता है । अतः प्रतिवादी कंपनियों के लेखांकन रिकॉर्डों पर भरोसा नहीं किया जा सकता ।
- इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि अमरीका के डीओसी ने चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे की समीक्षा हेतु एक अनुरोध के उत्तर में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चीन के दर्जे के बारे में एक विस्तृत अध्ययन किया है । इस समीक्षा का यह निष्कर्ष है कि मौलिक अपेक्षाएं अधूरी हैं । यह पाया गया था कि चीन में बाजार ताकतें अभी पर्याप्त रूप से इतनी विकसित नहीं हुई हैं कि पाटन विश्लेषणों के प्रयोजनार्थ चीन में लागत एवं कीमत का प्रयोग किया जा सके । तदनुसार डीओसी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि पाटन विश्लेषणों के प्रयोजनार्थ चीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था बना हुआ है ।

छ.3 प्रतिवादी निर्यातकों के विचार

42. चीन के प्रतिवादी निर्यातकों में प्रारंभिक जांच परिणामों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उन्हें प्रदत्त गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अनंतिम व्यवहार को विवादित ठहराया है और अपने दावों के समर्थन में कतिपय वास्तविक अनुरोध किए हैं । प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के उनके दावे की प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार जांच की गई है :

(क) मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कंपनी, चीन

43. मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कंपनी (फुकंगा) ने संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में इस मामले में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी का उत्तर प्रस्तुत किया है। इस कंपनी की जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की पर्याप्त घरेलू बिक्रियां रही हैं। प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने यह माना था कि फ्यूजियान ने उक्त सत्ता में राज्य की हिस्सेदारी के सुधार के अंतर्गत फुझोऊ एंटीबायोटिक ग्रुप कंपनी लि. की निवल संपत्ति को नकद में खरीदा था। स्वामित्व और नियंत्रण से संबंधित मुद्दों की जांच, और लागत तथा कीमतों पर इसके प्रभाव तथा उसका सत्यापन होने तक प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया।

44. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद की अपनी टिप्पणियों में निर्यातक ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को सत्यापन होने तक निर्यातक के दावों को स्वीकार करना चाहिए और यदि यह उचित नहीं पाए जाते हैं तो वे अंतिम जांच परिणामों में अपने निर्णय को बदल सकते हैं। ऐसी नीति अपनाना सहयोग की मंशा के अनुरूप होगा। किसी मामले में दो दृष्टिकोणों से कंपनी में राज्य की भूमिका की जांच की जानी चाहिए अर्थात् उसकी प्रभुसत्ता संबंधी कार्यों के प्रचालन में राज्य की भूमिका और निवेशक के रूप में राज्य की भूमिका। जब तक राज्य की भूमिका निवेशक के रूप में सीमित होती है, तो उसका अर्थ राज्य का हस्तक्षेप नहीं होगा। केवल तब जबकि राज्य की भूमिका प्रभुसत्ता संबंधी कार्यों में प्रचालित होती है, कोई यह कह सकता है कि कंपनी में राज्य का हस्तक्षेप है। लाइसेंसिंग, उत्पादन नियंत्रण, कोटा नियंत्रण, उत्पादन की मात्रा अथवा बिक्री की मात्रा सभी उद्यमों में प्रशासनिक कीमत निर्धारण प्रवृत्तियां चाहे वो राज्य के स्वामित्व वाली हों अथवा नहीं आदि राज्य के हस्तक्षेप का उदाहरण हो सकते हैं। इस मामले में कंपनी अथवा इस उत्पाद का विनिर्माण करने वाले उद्योग के कार्यों में राज्य द्वारा ऐसा कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है। प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में फुकंगा ने यह दोहराया है कि जब तक राज्य की भूमिका एक निवेशक तक सीमित रहती है, तो इसे राज्य का हस्तक्षेप नहीं कहा जाएगा। इसके अलावा फुकंगा राज्य के प्रत्यक्ष स्वामित्व में नहीं है। इसका मालिक सीआईटीआईसी है जो एक वित्तीय संस्थान है जो सरकारी स्वामित्व वाली निधियों का निवेश नहीं करता है बल्कि बाजार से उठाई गई निधियों का निवेश करता है। केवल यह मान्यता कि सीआईटीआईसी न्यास के जरिए फुकंगा में राज्य का भारी नियंत्रणात्मक प्रभाव है जो कि बिना किसी सकारात्मक साक्ष्य के है, उसे अस्वीकार किया जाना चाहिए और ऐसी कोई मान्यता अनावश्यक है।

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी के एमईटी दावे की जांच से यह पता चलता है कि इस कंपनी की स्थापना शुरुआत में 1958 में फुझोऊ एंटीबायोटिक ग्रुप कंपनी के नाम और प्रकार से राज्य के स्वामित्व के अधीन की गई थी। बाद में इस कंपनी को 13 जून, 2002 को फ्यूजियान प्रोविन्स इकोनॉमिक रिफॉर्म्स कमेटी के अनुमोदन के अंतर्गत 2002 में मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कं. लि. में परिवर्तित किया गया था। नई कंपनी सीआईटीआईसी ट्रस्ट और इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. द्वारा संवर्द्धित थी जिसमें अन्य संवर्द्धकों के

साथ *** आरएमबी की कुल पंजीकृत पूंजी के लगभग ***% की धारिता थी । यह कंपनी जुलाई, 2002 में स्थापित हुई थी और इसने उक्त सत्ता में राज्य की हिस्सेदारी के सुधार के अंतर्गत स्थानीय सरकार द्वारा धारित फुझोऊ एंटीबायोटिक ग्रुप कंपनी की निवल संपत्ति को नकद में खरीदा था । सीआईटीआईसी ट्रस्ट एवं इन्वेस्टमेंट कंपनी 100% राज्य के स्वामित्व वाला निवेश संस्थान है । तथापि, कंपनी के पूर्ववर्ती कर्मचारियों और सीआईटीआईसी ट्रस्ट के बीच हुए एक करार के अनुसार सीआईटीआईसी, कंपनी के 1105 कर्मचारियों के संग्रहित निवेश का प्रतिनिधित्व करती है । कंपनी के बोर्ड के 15 सदस्यों में से 9 सीआईटीआईसी से हैं और ये सभी कंपनी के कर्मचारी हैं ।

46. अंतरण दस्तावेज और परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्टों के अनुसार राज्य के स्वामित्व वाली फुझोऊ एंटीबायोटिक ग्रुप कंपनी की निवल परिसंपत्तियों का मूल्य *** आरएमबी और निवल दायित्व *** आरएमबी थे । अतः निवल अंतरण मूल्य केवल *** आरएमबी था जिसे कंपनी की परिसंपत्तियां हासिल करने के लिए सरकार को चुका दिया गया था ।

47. उपर्युक्त जांच से पता चलता है कि यद्यपि कंपनी की प्रमुख हिस्सेदारी एक एकत्रित उद्यम के रूप में कर्मचारियों के पास बताई गई है तथापि, सीआईटीआईसी ट्रस्ट के जरिए कंपनी पर राज्य का महत्वपूर्ण नियंत्रक प्रभाव है । निर्यातकों के यह तर्क कि लाइसेंसिंग उत्पादन नियंत्रण, कोटा नियंत्रण, उत्पादन मात्रा अथवा बिक्री की मात्रा, प्रशासनिक कीमत निर्धारण पद्धतियों के जरिए प्रभुसत्तात्मक कार्यों के प्रचालन में राज्य की भूमिका को अलग रखा जाना चाहिए और इसे राज्य की भूमिका को निवेशक के रूप में माने जाने से पृथक माना जाना चाहिए, सही नहीं है । वर्तमान मामले में राज्य में निवेशों को सुकर बनाया है और राज्य के एक अंग से दूसरे अंग को परिसंपत्तियों का अंतरण किया है । अंतरण के समय कंपनी की निवल परिसंपत्तियों और दायित्वों का मूल्य और कंपनी को प्राप्त करने के लिए चुकाई गई निवल कीमत से स्थानीय सरकार द्वारा धारित पूर्ववर्ती सत्ता से हस्तांतरण में काफी विकृतियां प्रदर्शित होती हैं । अतः यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि कंपनी बाजार चालक सिद्धांतों पर कार्य कर रही है और उसके वाणिज्यिक निर्णय राज्य के हस्तक्षेप द्वारा महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं होते हैं । प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में निर्यातक ने केवल अपने इन तर्कों को दोहराया है कि राज्य की प्रभुसत्तात्मक भूमिका को किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जे के निर्धारण में निवेशक के रूप में उसकी भूमिका से अलग रखा जाना चाहिए । पूर्वोक्त पैराग्राफों में इस मुद्दे का पहले ही समाधान किया गया है । अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि इस निर्यातक को नियमों के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं प्रदान किया जा सकता है ।

(ख) मै. हार्बिन फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. चीन

48. मै. हार्बिन फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. चीन ने मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. चीन, जिसने प्रश्नावली का पृथक उत्तर भी प्रस्तुत किया है, द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के निर्यातक के रूप में एमईटी उत्तर के साथ प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है । यह कंपनी चीन में अनेक भेषज उत्पादों की विनिर्माता भी है । तथापि, कंपनी ने यह अनुरोध किया है कि

उसने जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्रियां नहीं की थी। इस निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और एमईटी दावों की प्रारंभिक जांच के आधार पर इस निर्यातक के संबंध में प्रारंभिक निर्धारण किए गए थे। प्रारंभिक निर्धारण जारी किए जाने के बाद इस निर्यातक ने दिनांक 24 अप्रैल, 2008 को ई-मेल द्वारा यह सूचित किया था कि हरबिन डाउनरेज का केवल एक एजेंट है और उसने उनके परिसर में जांच को स्वीकार नहीं करने का निर्णय लिया था। उन्होंने यह भी मत प्रकट किया था कि हरबिन इस निर्णय द्वारा उत्पन्न किसी भी दायित्व को स्वीकार करने के लिए तैयार थी।

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के नियम 6(8) में यह व्यवस्था है कि यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सूचना देने से मना करता है अथवा अन्यथा तर्कसंगत अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उनके पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम रिकार्ड कर सकते हैं और ऐसी परिस्थितियों के अंतर्गत केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

50. मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के दौरान यह नोटिस किया गया था कि डाउनरेज ने जांच अवधि के दौरान हरबिन को भारी मात्रा में घरेलू बिक्रियां की थीं। तथापि, डाउनरेज द्वारा इस बात की पुष्टि की गई थी कि उन्होंने संबद्ध वस्तु के विनिर्माता के रूप में कोई अनिवार्य दस्तावेज जारी नहीं किया है, जैसा कि निर्यातों के लिए अपेक्षित है। अतः ऐसी वस्तुओं को डाउनरेज द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के रूप में हरबिन द्वारा निर्यातित नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हरबिन द्वारा दायर किए गए निर्यात के नमूना दस्तावेजों में वस्तुओं की हरबिन द्वारा विनिर्मित होने की घोषणा की गई है। यद्यपि, उसके बाद उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि निर्यात दस्तावेज में की गई घोषणा गलत थी और वस्तुओं का उत्पादन वास्तविक रूप से डाउनरेज द्वारा किया गया था। इस निर्यातक द्वारा विरोधाभासी सूचना और मौके पर जांच हेतु हरबिन के इन्कार के मद्देनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि यह निर्यातक असहयोगी है और इसने गुमराह करने वाली सूचना प्रस्तुत की है। अतः इस पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। तदनुसार इस निर्यातक को असहयोगी घोषित किया गया है और इनके द्वारा किए गए अनुरोध अस्वीकार किए गए हैं।

(ग) मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. चीन

51. मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटीकल ग्रुप कं. लि. चीन जन.गण. (डाउनरेज) ने भारत को संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी दावे संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है। इस निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और एमईटी के दावों तथा उनके द्वारा बाद में किए गए अनुरोधों की प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राधिकारी ने उन्हें अंतिम रूप से प्रारंभिक निर्धारणों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालन करता हुआ माना है। तथापि, अपने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद के अनुरोधों में निर्यातक ने उपर्युक्त निर्धारण को विवादित ठहराया है।

52. यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने इस निर्यातक के विरुद्ध प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाया है क्योंकि कंपनी का नाम प्रादेशिक प्रशासन के समान है, इस तथ्य के कारण यह मानते हुए कि इसका स्वामित्व प्रादेशिक प्रशासन के पास होगा, जबकि यह स्पष्ट किया गया था कि सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल प्लांट एसएसपीपी ने वर्ष 2001 में अपने सभी शेयर से सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कं.लि.को हस्तांतरित कर दिए थे। जहां तक विदेशी पूंजी निवेशित और प्रौद्योगिकी प्रधान कंपनी के रूप में कंपनी को मिलने वाले अधिमानी कर लाभों का संबंध है, यह तर्क दिया गया है कि कर संबंधी लाभ केवल कानून के अनुसार दिए गए थे, जैसे कि सभी चीनी कंपनियों पर लागू हैं। इससे ऐसे लाभों को प्राप्त करने वाली कंपनियां निश्चित रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियां नहीं बन जाती हैं।

53. यह अनुरोध किया गया है कि डाउनरेज की स्थापना वर्ष 1995 में सिनो-विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम के रूप में सुझोऊ फार्मास्यूटिकल प्लांट (एसएसपीपी) (***) अम.डॉ.) और जिनली फार्मास्यूटिकल आई एंड ई कं.लि., हांगकांग (***) अम.डॉ.) से निवेशों द्वारा की गई थी। डाउनरेज का मूल नाम सुझोऊ फॉर ईस्ट फार्मास्यूटिकल कंपनी लि. था। इस नाम को सुझोऊ फॉरन इकोनॉमिक एंड ट्रेड कमीशन के अनुमोदन पर 21 अक्टूबर, 1996 को बदलकर सुझोऊ डॉंगरुई फार्मास्यूटिकल कंपनी लि. किया गया था। 28 अप्रैल, 1997 को डाउनरेज का अंग्रेजी नाम बदलकर सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कंपनी लि. किया गया था।

54. यह तर्क दिया गया है कि एसएसपीपी एक संग्रहित उद्यम है, जिसकी स्थापना 4 मार्च, 1994 को हुई थी। एसएसपीपी का व्यावसायिक कार्यक्षेत्र बल्क ड्रग, टेबलेट ड्रग, इंजेक्शन हेतु पाउडर और कैप्सूल ड्रग का विनिर्माण करना और उसे बेचना था। एसएसपीपी ने नकद के रूप में संयुक्त उद्यम में अपना पूंजीगत अंशदान दिया था और एसएसपीपी के इस पूंजीगत अंशदान में राज्य के स्वामित्व वाली कोई परिसंपत्तियां शामिल नहीं थीं।

55. वर्ष 1995 से 1998 तक डाउनरेज ने अपनी पूंजीकृत पूंजी में 3 गुना वृद्धि की है परंतु एसएसपीपी का पूंजीगत अंशदान अपरिवर्तित रहा है। तथापि, जिनली का पूंजीगत अंशदान *** अम. डॉ. से बढ़कर *** अम. डॉ. हो गया है। 19 नवंबर, 1999 को एसएसपीपी का पूंजीगत अंशदान कुल पूंजीकृत पूंजी (***) अम. डॉ.) का केवल ***% रहा था। 26 सितंबर, 2001 को एसएसपीपी ने अपने सभी शेयर (***) अम. डॉ.) जिनली और डाउनरेज को हस्तांतरित कर दिए और वह एक पूर्णतः विदेशी स्वामित्व वाला उद्यम बन गया जो जिनली द्वारा निवेशित था। उसके बाद से सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कं. लि. से संबंधित एसएसपीपी का कोई अधिकार अथवा दायित्व नहीं रहा।

56. यह तर्क दिया गया है कि डाउनरेज (1995) के संस्था के नियम के अध्याय 4 के अनुसार निदेशक बोर्ड शक्ति का प्रमुख अंग है और कंपनी के सभी वास्तविक मामलों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है। डाउनरेज के बोर्ड में केवल एक निदेशक जिया जियानपिंग

को एसएसपीपी द्वारा नियुक्त किया गया है। अतः एसएसपीपी डाउनरेज के प्रचालन और प्रबंधन पर पर्याप्त नियंत्रण रखने में वास्तविक रूप से असमर्थ है।

57. कंपनी के अनुरोधों के अनुसार जिनली फार्मास्यूटीकल आई एंड ई कंपनी लि. एक निजी कंपनी है जिसे 28 फरवरी, 1986 को हांगकांग में स्थापित किया गया था। जिनली के शेयरधारक दो प्रकृत व्यक्ति हैं। डाउनरेज के प्रमुख इक्विटी भागीदार के रूप में जिनली ने *** अम. डॉ. का अपना पूंजीगत अंशदान किया है जो कुल पंजीकृत पूंजी (*** अम. डॉ.) का *** % बनता है। बोर्ड के चार डायरेक्टर जिनमें बोर्ड का अध्यक्ष शामिल है, को जिनली द्वारा नियुक्त किया जाता था। अतः जिनली डाउनरेज का वास्तविक नियंत्रक था। उसका डाउनरेज के प्रचालन और प्रबंधन पर पर्याप्त नियंत्रण है और वह कंपनी के सभी वास्तविक मामलों पर निर्णय लेती है।

58. उपर्युक्त मुद्दों और कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है। डाउनरेज द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटीकल कं. लि. (डाउनरेज) की स्थापना दिनांक 8 दिसंबर, 1995 को सुझोऊ फॉर ईस्ट फार्मास्यूटीकल कं. लि. के नाम और प्रकार से एक सिनो विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। इस संयुक्त उद्यम के पक्षकार सुझोऊ सिक्स्थ फार्मास्यूटीकल प्लांट (एसएसपीपी) और मै. जिनली फार्मास्यूटीकल आई एंड ई कं. लि., हांगकांग थे। एसएसपीपी सुझोऊ प्रदेश में एक संग्रहित स्वामित्व वाला उद्यम था जो भेषज उत्पादों के उत्पादन और बिक्री में शामिल था। इस सत्ता को *** अम. डॉ. की कुल पंजीकृत पूंजी के तहत संयुक्त उद्यम में अपनी इक्विटी के रूप में *** अम. डॉ. का अंशदान देना होता था। मै. जिनली (सिंगली) फार्मास्यूटीकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि., हांगकांग इस संयुक्त उद्यम का दूसरा पक्षकार था और यह कंपनी चीन से कच्ची सामग्री का आयात करने के लिए 1986 में हांगकांग में पंजीकृत एक व्यापारिक कंपनी थी। सिनली को चीनी मूल के दो प्रकृत व्यक्तियों द्वारा हांगकांग में स्थापित किया गया बताया गया है। एसएसपीपी ने पंजीकृत पूंजी में अपना अंशदान नकद द्वारा किया था। कंपनी का नाम और पंजीकृत पूंजी अनेक बार परिवर्तित हुई है। यद्यपि, एसएसपीपी का अंशदान अपरिवर्तित रहा है।

59. वर्ष 2001 में एसएसपीपी ने डाउनरेज में अपने सभी शेयरों को जिनली और डाउनरेज को हस्तांतरित कर दिया और वह जिनली द्वारा निवेशित एक पूर्णतः विदेशी स्वामित्व वाला उद्यम बन गया। तत्पश्चात अक्टूबर, 2001 में जिनली द्वारा धारित शेयरों को मै. डाउनरेज इंटरनेशनल कं. लि., जो ब्रिटिश वर्जिन आयरलैंड में पंजीकृत एक कंपनी है, जून, 2001 में हस्तांतरित किया गया था। जिनली और डाउनरेज इंटरनेशनल के निदेशक/मालिक एक ही हैं और उनके बीच केवल एक शेयर हस्तांतरण करार हुआ है।

60. तथापि, उसके बाद वर्ष 2002 में मै. डाउनरेज फार्मास्यूटीकल (होलडिंग) कंपनी के नाम से एक अन्य कंपनी स्थापित की गई थी और इसे डाउनरेज ग्रुप हेतु एक धारक कंपनियों के रूप में केमेन आईलैंड में पंजीकृत कराया गया था और वर्ष 2003 में यह धारक कंपनी हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध की गई थी। आईपीओ पेशकश दस्तावेजों के अनुसार

यह कंपनी अतः समूह की सभी कंपनियों को नियंत्रित करती है और प्रतिवादी निर्यातक के ***% शेयर धारण करती है ।

61. अतः इस कंपनी में राज्य की कोई धारिता नहीं है । यद्यपि, शुरुआत में चीन में एक सामूहिक स्वामित्व वाले उद्यम ने स्पष्ट रूप से कतिपय कर लाभ प्राप्त करने के लिए एक सिनो विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में इस कंपनी की स्थापना करने हेतु कतिपय पूंजीगत अंशदान किया था । तथापि, निर्यातक ने तर्क दिया है कि ये ऐसे कर लाभ सभी सिनो विदेशी संयुक्त उद्यमों के लिए उपलब्ध हैं और इस कंपनी के लिए विशिष्ट नहीं हैं । कंपनी ने लीज, पट्टा किराया भुगतान के आधार पर दीर्घावधिक पट्टे पर राज्य से भूमि प्राप्त की है और उसके बाद इस कंपनी द्वारा भवन और अन्य सुविधाएं बनाई गई हैं ।

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस कंपनी की मूल कंपनी की दो अन्य अधीनस्थ कंपनियां हैं जो प्रतिवादी निर्यातक के साथ एक प्रसंस्करण करारा के अंतर्गत सेफ्टिजोन सोडियम क्लूड हेतु 7-एसीए का प्रसंस्करण करती हैं । चीन में 7-एसीए के अन्य प्रमुख उत्पादकों से डाउनरेज द्वारा 7-एसीए की भारी मात्राएं खरीदी जा रही हैं जो इस जांच के अधीन हैं और जिन्हें बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार प्रदान नहीं किया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि 7-एसीए संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का एक अत्यधिक प्रमुख हिस्सा बनता है और इसलिए इसकी कीमत में किसी विकृति से प्रतिवादी निर्यातक की लागत और कीमत संरचना पर प्रभाव पड़ता है जिनसे वास्तविक बाजार स्थितियां प्रदर्शित नहीं होती हैं । चूंकि प्रमुख कच्ची सामग्री, जिसका उत्पादन और घरेलू बाजार में बिक्री गैर-बाजारोन्मुखी स्थितियों में की जा रही है, इसलिए उसी बाजार में आयात कीमत उचित कीमत प्रवृत्तियों को प्रदर्शित नहीं कर सकती है । अतः निर्यातक के यह तर्क कि प्राधिकारी को चीन में आयात कीमत को एक भरोसेमंद बेंच मार्क कीमत के रूप में स्वीकार करना चाहिए था, व्यवहार्य प्रतीत नहीं होता है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि बिजली जैसी सुविधाएं इस उत्पाद की लागत में उनकी हिस्सेदारी के अनुसार एक प्रमुख निविष्टि बनती है । ऐसी सुविधाएं राज्य के सुविधा प्रदाताओं द्वारा आपूर्ति की जाती हैं । शामिल होने के करार के अनुसार सुविधाओं की कीमतें अब भी राज्य के दिशा निर्देशित कीमत प्रणाली के अधीन हैं और इसलिए ऐसी सुविधाओं की कीमत इन निविष्टियों की बाजार कीमत को प्रदर्शित करते हुए प्रतीत नहीं होती है । यद्यपि, कीमत निर्धारण का तंत्र इस स्थान में सभी उद्योगों के लिए एक समान हो सकता है ।

63. प्राधिकारी का यह विचार है कि बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी आकलन उसमें शामिल सत्ता का एक समग्र आकलन होता है जिसमें अनेक पहलू शामिल होते हैं और यह एक एकल मापदंड का अलग से मूल्यांकन नहीं होता है, जिससे उस सत्ता के दर्जे का निर्णायक संकेत प्राप्त किया जा सके । पूर्वोक्त आकलन से यह पता चलता है कि चीन में संबद्ध वस्तु की लागत और कीमतें उसके घरेलू और निर्यात बाजार में वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री हेतु प्रतिवादी निर्यातक द्वारा प्रयुक्त कच्ची सामग्रियों और सुविधाओं के क्षेत्रों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों की मौजूदगी के कारण विकृत हैं । अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि उसके घरेलू बाजार में उपर्युक्त निर्यातक की लागत एवं कीमतें चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विश्वसनीय नहीं हो सकती हैं ।

(घ) मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरुन फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन

64. मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरुन फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन ने एक उत्पादक और भारत में संबद्ध वस्तु के निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी दावे संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है। इस निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और एमईटी दावों तथा उनके द्वारा किए गए बाद के अनुरोधों की प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राधिकारी ने उन्हें प्रारंभिक निर्धारणों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत प्रचालनरत माना है। तथापि, इस प्रतिवादी निर्यातक ने प्रारंभिक जांच परिणामों पर कोई खास टिप्पणी नहीं की है।

65. इस निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोधों के अनुसार मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरुन फार्मास्यूटिकल कंपनी लि. एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसकी स्थापना (1) मै. शीजियाझुआंग फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि. (**% शीजियाझुआंग राज्य स्वामित्वाधीन परिसंपत्ति प्रशासन आयोग द्वारा धारित); (2) मै. चायना फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि.; (इस कंपनी के **% शेयर मै. शीजियाझुआंग फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि. के पास हैं); (3) मै. टियानलुन इन्वेस्टमेंट कंपनी लि. (मै. चायना फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि. द्वारा **% धारित) के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी।

66. अतः शीजियाझुआंग फार्मास्यूटिकल ग्रुप कंपनी लि., जो एक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है (शीजियाझुआंग राज्य स्वामित्वाधीन परिसंपत्ति प्रशासन आयोग के नियंत्रण के अधीन) प्रतिवादी कंपनी के सभी 3 शेयरधारकों को इन कंपनियों में अपनी क्रॉस धारिता के जरिए नियंत्रित करती है। यद्यपि, अन्य दो शेयरधारक हांगकांग में शामिल किए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि मूल कंपनी ने चीन के कर कानूनों के अंतर्गत विदेशी संयुक्त उद्यमों के लाभ उपलब्ध करने की दृष्टि से चीन में सिनोफॉरेन संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए हांगकांग में निवेश कंपनियां खोली हैं।

67. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार इस कंपनी ने हेबेई की प्रादेशिक सरकार और वाणिज्य मंत्रालय के निर्देशों के अंतर्गत राज्य के स्वामित्व वाले अनेक उद्यमों का अपने में विलय किया है। इस कंपनी द्वारा विलय की गई इन राज्य के स्वामित्व वाली सत्ताओं के विलय की पद्धति और परिसंपत्तियों तथा दायित्वों के मूल्यांकन संबंधी सूचना भी उपलब्ध नहीं है। कंपनी के संयंत्र और मशीनरी लगभग पूर्णतः घिस चुकी है जिससे पूर्ववर्ती राज्य के स्वामित्व वाली सत्ताओं से पुराने संयंत्रों को खरीदे जाने का संकेत मिलता है। कंपनी एक प्रमुख कच्ची सामग्री और सुविधाओं को राज्य के स्वामित्व वाली अन्य सत्ताओं से खरीदती है।

68. उपर्युक्त जांच से पता चलता है कि प्रतिवादी कंपनी पर राज्य की पर्याप्त धारिता और राज्य का नियंत्रण है और निर्यातक की लागत एवं कीमतें निर्यातक के कार्यकलापों पर इस प्रकार के राज्य के नियंत्रण द्वारा प्रभावित होती हैं। निर्यातक ने प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में इस मुद्दे पर कोई तर्क नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि इस

कंपनी को उसकी घरेलू बिक्रियों के आधार पर उसके सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है ।

(ड) झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि., चीन

69. मै. झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि., चीन ने एक उत्पादक और भारत में संबद्ध वस्तु के निर्यातक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी दावे संबंधी उत्तर प्रस्तुत किया है । इस निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और एमईटी दावों तथा उनके द्वारा किए गए बाद के अनुरोधों की प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से उन्हें प्रारंभिक निर्धारणों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत प्रचालनरत माना है । तथापि, इस इस निर्यातक ने प्रारंभिक अनुरोधों के बाद के अपने अनुरोधों में उपर्युक्त निर्धारण को विवादित ठहराया है ।

70. इस कंपनी द्वारा यह तर्क दिया गया है कि वे एक विदेशी संयुक्त उद्यम हैं और विदेशी संयुक्त उद्यमों को कुछेक पाटनरोधी जांचों में माननीय प्राधिकारी द्वारा तथा ईयू द्वारा एमईटी प्रदान किए जाने के पर्याप्त मामले हैं क्योंकि विदेशी संयुक्त उद्यमों को अंतर्राष्ट्रीय एमईटी मानकों के अनुसार प्रबंधित और प्रचालित किया जाता है । यह तर्क दिया गया है कि लागत और कीमतों पर किसी खास विकृति, यदि कोई हो का आकलन पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था से आई विकृतियों के संदर्भ में किया जाना है और इस संबंध में इसी संबंधित संबद्ध उत्पादों की कीमतों पर किसी अत्यधिक विकृतिकारी प्रभाव हेतु इससे पहले के पांच वर्ष से अधिक के हस्तांतरण प्रभाव पर विचार नहीं करता है । प्रारंभिक अनुरोधों के बाद कंपनी ने यह तर्क दिया है कि न तो कंपनी के मूल स्वामित्व से संबंधित मुद्दों और न ही रूपांतरण की पद्धति इस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किए जाने में बाधा बनती है । निर्यातक ने प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में इन तर्कों को दोहराया है और आगे यह तर्क दिया है कि कंपनी का प्रबंधन नियंत्रण और अधिकांश स्वामित्व अंततः सभी स्तरों पर एक फैमिली ट्रस्ट के पास है जिसे थाइलैंड में जन्मे और पले-बढ़े एक व्यक्ति द्वारा स्थापित किया गया था तथा यह ग्रुप दशकों से हांगकांग से प्रबंधित होता आया है जहां धारक कंपनी हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है । यद्यपि धारक संरचना और परिवार में कुछेक परिवर्तन हुए हैं परंतु अंततः ये अधिकार इस समूह और पारिवारिक ट्रस्ट में सभी समय निहित रहे हैं । यद्यपि मध्यवर्ती धारक संरचना में समय-समय पर थोड़े-बहुत बदलाव हुए हैं । कंपनी ने लगातार लाभ अर्जित किए हैं और लाभांश चुकाए हैं । जैसा कि जांच अवधि के दौरान सत्यापित किया गया है । स्थानीय राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी केवल एक छोटा शेयर धारक था और यह काफी समय पहले समाप्त हो चुका है । इस प्रकार अधिकांश शेयर और नियंत्रण प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से एक विशिष्ट समूह या परिवार के पास रहा है, इसलिए वर्षों पहले समय-समय पर धारक संरचना हेतु कोई बदलाव मूल्यांकन के मुद्दे के लिए महत्वपूर्ण नहीं है ।

71. इस कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच की गई है । ऐसा प्रतीत होता है कि मै. झुहाई यूनाइटेड फार्मास्युटीकल फैक्ट्री कंपनी लि.(जो प्रतिवादी कंपनी अर्थात

यूनाइटेड लेबोरेट्रीज कंपनी लि. की पूर्ववर्ती कंपनी है) के नाम और प्रकार से एक सत्ता दो शेयर धारकों अर्थात् (1) मै. झुहाई मेडिसिन कंपनी (***%) और मै. हांगकांग यूनाइटेड लेबोरेट्रीज (***%) के साथ *** मिलियन आरएमबी की कुल पंजीकृत पूंजी सहित वर्ष 1993 में एक सीमित दायित्व वाली कंपनी के रूप में निगमित की गई थी। मै. हांगकांग यूनाइटेड लेबोरेट्रीज की स्थापना हांगकांग में 1964 में किसी समय हांगकांग यूनाइटेड फार्मास्युटीकल फैक्ट्री के रूप में की गई थी और यह एक व्यक्ति के स्वामित्वाधीन है। मै. झुहाई मेडिसिन कंपनी झुहाई की प्रादेशिक सरकार के अधीन एक राज्य के स्वामित्व वाली सत्ता थी तथापि, वर्ष 1996 की पूंजीगत सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार झुहाई मेडिसिन कंपनी ने 1996 में ही अपनी शेयर पूंजी का अंशदान किया था। कंपनी की पंजीकृत पूंजी मै. झुहाई मेडिसिन कंपनी के पूंजीगत अंशदान को बढ़ाए बिना *** मिलियन तक बढ़ाई गई थी।

72. वर्ष 1996 में मै. हांगकांग यूनाइटेड लेबोरेट्रीज के शेयर मै. हांगकांग बीयर वर्ड लिमिटेड को हस्तांतरित किए गए थे। ऐसा प्रतीत होता है कि वर्ष 1999 में कंपनी का स्वरूप सिनो विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम से सिनो फॉरन सहकारी संयुक्त उद्यम के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था क्योंकि चीन के भागीदार का पूंजीगत अंशदान कंपनी की पंजीकृत पूंजी में वृद्धि के कारण काफी कम हो गया था। कंपनी द्वारा प्रस्तुत समझौता ज्ञापन के अनुसार यह पता चलता है कि वर्ष 2001 में कंपनी ने एक इनिशिएटर करार के जरिए स्वयं को एक संयुक्त स्टॉक कंपनी के रूप में परिवर्तित कर लिया था और इनिशिएटर ने ऋणों तथा अन्य दायित्वों के साथ इस कंपनी का अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी के बाद के अनुरोधों से पता चलता है कि मई, 2001 में आंतरिक कार्पोरेट अभिशासन में सुधार करने और नए भागीदारों को लाने के प्रयोजनार्थ कंपनी ने सिनो विदेशी सहकारी संयुक्त उद्यम से अपने स्वरूप को सिनो विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया था और चार नए भागीदारों ने कंपनी में प्रवेश किया था। इस पुनर्गठन के परिणामस्वरूप बीयर वर्ड के शेयर ***% से घटकर ***% रह गए और मै. केंगझाइल मेडिसिन लि. ने शेयरों के ***% हिस्से को खरीद लिया। तथापि, मै. बीयर वर्ल्ड सभी अन्य तीन शेयर धारकों के ***% शेयरधारण करते हैं। तथापि, शेयरों के अंतरण के विभिन्न स्तरों पर कंपनी के शेयरों का कोई मूल्यांकन किया गया प्रतीत होता है।

73. हांगकांग बीयर वर्ल्ड लि., यूनाइटेड लेबोरेट्रीज (हांगकांग) ग्रुप द्वारा संवर्धित एक कंपनी है जो ब्रिटिश वर्जिन आईलैंड में पंजीकृत एक धारक कंपनी द्वारा ***% हिस्से तक धारित है जिसे इसके पश्चात् एक अन्य कंपनी अर्थात् मै. यूनाइटेड लेबोरेट्रीज इंटरनेशनल (होल्डिंग) लि. जो केमैन आइलैंड में पंजीकृत है, द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यूनाइटेड लेबोरेट्रीज इंटरनेशनल होलडिंग लि. की रिपोर्ट के अनुसार अंततः सभी निवेश संवर्धक के एक पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा किए गए हैं।

74. वर्ष 2001 के इनिशिएटर्स ज्ञापन की जांच से यह पता चलता है कि मै. झुहाई यूनाइटेड फार्मास्युटीकल फैक्ट्री कं. लि. के *** मूल शेयरधारक थे और ऊपर संदर्भित इनिशिएटर करार के जरिए जून, 2001 में इसे झुहाई यूनाइटेड लेबोरेट्रीज कंपनी लि. के रूप में परिवर्तित किया गया था। करार के अनुसार इनिशिएटर्स ने पूर्ववर्ती कंपनी के ऋणों का

अधिग्रहण किया है। तथापि, पूर्ववर्ती कंपनी की परिसंपत्तियों और दायित्वों तथा ऋणों का कोई मूल्यांकन अथवा इनिशिएटर्स करार के जरिए नई कंपनी द्वारा इसे अधिग्रहित किए जाने से पहले कंपनी के शेयरों का कोई मूल्यांकन नहीं किया गया है। कंपनी द्वारा यह तर्क दिया गया है कि परिसंपत्तियों और दायित्वों का कोई खास हस्तांतरण नहीं हुआ था और प्रत्येक शेयर धारक द्वारा धारित शेयर परिवर्तित नहीं किए गए हैं जो इनिशिएटर्स करार के विपरीत हैं।

75. कंपनी घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री नहीं करती है। घरेलू बाजार में बिक्रियां उसकी संबंधित कंपनी मै. झुहाई लेबांग युनाइटेड लेबोरेट्रीज द्वारा की जाती हैं जो केवल घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु का उत्पादन और बिक्रियां भी करती है। परंतु, घरेलू बिक्रियां हेतु उत्पादन सुविधाएं झुहाई युनाइटेड लेबोरेट्रीज से किराए पर ली गई हैं। तथापि, संबद्ध वस्तु हेतु कंपनी की दो अन्य घरेलू कंपनियों अर्थात् संघाई हुआकांग मेडिसिन लि. और केंगसियन (झोंगसान) मेडिसिन लि. के साथ प्रसंस्करण संबंधी व्यवस्थाएं हैं। इन व्यवस्थाओं के अनुसार ये दोनों पक्षकार एक निर्धारित वसूली अनुपात और प्रसंस्करण शुल्क पर प्रसंस्करण हेतु युनाइटेड को कच्ची सामग्रियों की आपूर्ति करते हैं। तथापि, यह स्पष्ट नहीं है कि किस स्तर पर और कैसे वसूली अनुपात निर्धारित किया जाता है और प्रसंस्करण शुल्क किस तरह तय किया गया है। यह भी प्रतीत होता है कि उसकी संबंधित कंपनी मै. झुहाई लेबांग युनाइटेड लेबोरेट्रीज द्वारा प्रसंस्कृत उत्पाद का कुछ हिस्सा उपर्युक्त प्रसंस्करण करार के अंतर्गत इन दो कंपनियों को आपूर्ति किया गया है। अतः इस कंपनी के घरेलू प्रचालन और व्यवस्थाएं पूर्णतः बाजारोन्मुखी प्रचालन को न्यायोचित ठहराने हेतु बिल्कुल स्पष्ट नहीं है।

76. प्रतिवादी कंपनी अपनी संबंधित कंपनी मै. युनाइटेड लैब (चैडू) लि. और मै. सीजाझुआंग फार्मा ग्रुप हेबेई झुगरु फार्मास्यूटिकल कं. लि. से 7 एसीए खरीदती है। सुविधाओं को राज्य सुविधा प्रदाताओं से प्राप्त किया जाता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सीजाझुआंग फार्मा ग्रुप हेबेई झुगरु फार्मास्यूटिकल कं. लि. एक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी है और इसे इस मामले में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया गया है। प्रमुख कच्ची सामग्री का अन्य आपूर्तिकर्ता एक घनिष्ठ रूप से संबंधित पक्षकार है और उनके बीच का कीमत तंत्र इस संबंध से प्रभावित भी होता है।

77. प्रकटन के बाद के अपने अनुरोधों में इस निर्यातक ने इस मुद्दे पर अपने पूर्ववर्ती तर्कों को दोहराया है। उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि प्रतिवादी कंपनी की लागत एवं कीमतें खरीद और कच्ची सामग्रियों के प्रसंस्करण तथा सुविधाओं की दृष्टि से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के कारण अत्यधिक विकृत हैं और इसलिए इन पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विश्वास नहीं किया जा सकता है।

(घ) मै. लिवजोन सिंथफार्म कं. लि. चीन (उत्पादक), तथा मै. लिझु फार्मास्यूटिकल ट्रेडिंग कं. लि. चीन (निर्यातक)

78. मै. लिवजोन सिंथफार्म कं. लि. चीन (लिवजोन) ने चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक के रूप में प्रश्नावली का उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया

है। मै. लिङ्गु फार्मास्यूटिकल ट्रेडिंग कं. लि. चीन (लीङ्गु) जो लिवजोन की एक संबंधित व्यापारिक कंपनी है, ने प्रश्नावली और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का एक पृथक उत्तर प्रस्तुत किया है जो लिवजोन के उत्तर का संपूरक है। इस निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर और एमईटी दावों तथा उनके द्वारा किए गए बाद के अनुरोधों की प्रारंभिक जांच के आधार पर प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से उन्हें प्रारंभिक निर्धारणों के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालनरत माना है। तथापि, प्रारंभिक अनुरोधों के बाद के अपने अनुरोधों में निर्यातक ने उपर्युक्त निर्धारण को विवादित ठहराया है।

79. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद के अपने अनुरोधों में निर्यातक ने तर्क दिया है कि नियमावली में निर्धारित चार मापदंडों पर विचार करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात पर अवश्य विचार करना चाहिए कि क्या "राज्य का पर्याप्त हस्तक्षेप" पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करता है और पूर्ववर्ती गैर-बाजारोन्मुखी प्रणाली से "काफी विकृतियां" आई हैं। यह तर्क दिया गया है कि इन शब्दों का संलग्न जांच में अत्यधिक महत्व है और इसलिए इन तत्त्वों की केवल एक झलक का प्रयोग कंपनी को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानने के लिए नहीं किया जा सकता है।

80. कंपनी द्वारा यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को पहले से उपलब्ध कराई गई सूचना से यह पता चलेगा कि लिवजोन ग्रुप के 10 सबसे बड़े शेयर धारकों जो प्रतिवादी कंपनी में कुल शेयरों का ***% धारण करते हैं, के बीच राज्य के स्वामित्व वाले शेयर होल्डर द्वारा धारित शेयरों का हिस्सा केवल ***% है जो डब्ल्यूटीओ नियमावली के संदर्भ में नगण्य स्तर से कम है तथा "राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप" अथवा घरेलू नियमावली के अनुबंध-1, अनुच्छेद 8(3) के अर्थ के भीतर "महत्वपूर्ण विकृति" से कम है। इसके अलावा संस्था के नियमों से यह स्पष्ट है कि शेयर धारक निजी स्वामित्व वाली कंपनियां हैं और यह कंपनी के दैनिक कार्यकलापों में किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं करती हैं। कोई हस्तक्षेप जो स्वामित्व तथा नियंत्रण, रूपांतरण की पद्धति और परिसंपत्तियों तथा दायित्वों के मूल्यांकन के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दा बनता है तथा जो कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत कार्यरत कंपनी के समतुल्य बनाता है, इस मामले के तथ्यों के विपरीत है। दूसरी ओर, कंपनी के सभी व्यवसायिक निर्णय निदेशक बोर्ड द्वारा किए जाते हैं जो शेयरधारकों द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। कंपनी में राज्य का कोई स्वामित्व नहीं है। भूमि और भवन प्रचलित बाजार कीमतों पर खुले बाजार से अधिग्रहित/खरीदे गए हैं। अतः यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा लिवजोन को बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।

81. इस निर्यातक के दावों और तर्कों की जांच की गई है। प्रतिवादी उत्पादनकर्ता कंपनी मै. लिवजोन सिंथफार्म फार्मास्यूटिकल फैक्ट्री की स्थापना मै. लिवजोन फार्मास्यूटिकल ग्रुप इंक की संबद्ध कंपनी के रूप में वर्ष 1993 में एक चीनी-विदेशी संयुक्त उद्यम कंपनी झुहाई के रूप में की गई थी।

82. मूल कंपनी मै. लिवजोन फार्मास्यूटिकल ग्रुप इंक की स्थापना 4 उद्यमों अर्थात् मै. युनाइटेड फार्मास्यूटिकल कंपनी ***%; मै. गुआंगडु मेडिसिन मैनुफैक्चरिंग कं. (***%); मै.

झुहाई ट्रस्ट एंड कंसल्टिंग कार्पोरेशन (***%); और मै. मकाऊ सदरन केन्टन ट्रेडिंग कंपनी (***%) के निवेश द्वारा नए उद्यम कानून के अंतर्गत चीनी-संयुक्त उद्यम के रूप में वर्ष 1985 में की गई थी। प्रथम तीन कंपनियां राज्य के स्वामित्व वाली थी। वर्ष 1993 में यह समूह सार्वजनिक लि. कंपनी बन गया जिसके चार राज्य प्रवर्तक और तीन निजी/विदेशी प्रवर्तक थे।

83. तत्पश्चात् इस समूह और प्रतिवादी कंपनी की शेयरधारिता की संरचना में कई बार परिवर्तन हुआ है और लिवजोन ग्रुप की कुछ सहायक कंपनियों ने इस कंपनी में पर्याप्त शेयर ले लिए हैं जिससे इस कंपनी समूह द्वारा शेयर धारिता में धीरे-धीरे कमी आ गई है। वर्ष 2003 में लिवजोन सिंथफार्म फर्मास्युटीकल फैक्ट्री लिझू (हांगकांग) की संशोधित शेयरधारिता के साथ लिवजोन सिंथफार्म कं. लि. (झुहाई एफटीजैड) बन गई जो इस समूह की एक सहायक कंपनी (***%) और जो इस समूह (***%); तथा लिवजोन समूह (***%) की एक सहायक कंपनी भी है। अतः व्यावहारिक रूप में यह कंपनी अलग-अलग प्रतिधारिता के जरिए इस समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली एक कंपनी बनी हुई है।

84. इस कंपनी समूह के स्वामित्व की स्थिति की जांच से यह पता चलता है कि वर्ष 1998 तक राज्य के स्वामित्व वाले या सामूहिक स्वामित्व वाले चार उद्यमों के पास इस कंपनी में पर्याप्त शेयर (लगभग ***%) हैं जबकि चायना एवरब्राइट ग्रुप तथा चायना एवरब्राइट फर्मास्युटीकल कंपनी (राज्य स्वामित्व वाली) के पास क्रमशः ***% और ***% शेयर हैं। वर्ष 2002 तक इस समूह में राज्य का स्वामित्व घटकर ***% हो गया था और बाद में राज्य के शेयर वर्ष 2002 में एक न्यास को अंतरित कर दिए गए थे। इन शेयरों के एक अन्य बड़े भाग (***%) की धारिता मै. ज्वाइन केयर फर्मास्युटीकल ग्रुप इंडस्ट्री कंपनी के पास है जिसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। यह ऐसा प्रतीत होता है कि एवर ब्राइट ग्रुप और उसकी विभिन्न सहायक कंपनियों के जरिए इस कंपनी में राज्य की धारिता ज्वाइन केयर ग्रुप को अंतरित कर दी गई है और कंपनी में राज्य की पर्याप्त धारिता इन प्रतिधारिताओं के जरिए रही है।

85. व्यापार कंपनी मै. लिझू फर्मास्युटीकल ट्रेडिंग कंपनी लि. द्वारा उत्पादनकर्ता कंपनी अर्थात् लिवजोन फर्मास्युटीकल ग्रुप इंक और लिवजोन (ग्रुप फर्मास्युटीकल फैक्ट्री) में एक ही शेयरधारक के साथ भागीदारी की जाती है और वस्तुतः यह समस्त व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए निर्यात प्रलेखन हेतु जिम्मेवार उत्पादनकर्ता कंपनी के एक आंतरिक विभाग के रूप में कार्य करती है। निर्यात आय और वैट की वापसी व्यापार कंपनी द्वारा प्राप्त की जाती है और उसे उत्पादक को हस्तांतरित कर दिया जाता है। इन कंपनियों के बीच कोई औपचारिक व्यवस्था नहीं है और यह एक ही स्टाफ के साथ भागीदारी करती हैं और ये कंपनियां घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं।

86. लिवजोन द्वारा संबद्ध वस्तु का उत्पादन 7-एसीए चरण से किया जाता है और तीनों अलग-अलग उत्पादकों से खरीद की जाती है जिनमें से एक की जांच इस जांच में की जा रही है जो प्रत्यक्षतः गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही है। अन्य आपूर्तिकर्ताओं की स्थिति का सत्यापन नहीं किया जा सका। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 7-एसीए में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत का एक बड़ा अनुपात निहित होता है और इस

प्रकार इस कीमत में किसी बिक्री से प्रतिवादी निर्यातक की लागत और कीमत संरचना पर प्रभाव पड़ता है जिससे सही बाजारी स्थिति का पता नहीं चलता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विद्युत जैसी उपयोगिताएँ इस उत्पाद की लागत में उसके हिस्से के संबंध में एक प्रमुख निविष्टि होती हैं। इन उपयोगिताओं की आपूर्ति राज्य उपयोगिता प्रदाताओं द्वारा की जाती है। पट्टे संबंधी करार के अनुसार उपयोगिता कीमतें अभी भी राज्य मार्गदर्शन कीमत प्रणाली के अंतर्गत आती हैं और इसलिए ऐसी उपयोगिताओं की कीमत इन निविष्टियों की बाजार कीमत में प्रदर्शित की गई प्रतीत नहीं होती है।

87. उपर्युक्त जांच से यह स्पष्ट हो जाता है कि विनिर्माता कंपनी की स्थापना एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी जिसकी अधिकांश शेयरधारिता राज्य के पास थी और राज्य के शेयर को कई प्रतिधारिताओं के जरिए धीरे-धीरे विनिवेशित कर दिया गया है। तथापि, इस कंपनी समूह के जरिए प्रतिवादी कंपनी में राज्य की अभी भी पर्याप्त धारिता है। कंपनी में राज्य धारिता के विनिवेश की प्रक्रिया पारदर्शी प्रतीत नहीं होती है और ऐसे विनिवेश के समय इसका पालन किसी बोली प्रक्रिया या परिसंपत्तियों तथा देनदारियों के मूल्यांकन करके नहीं किया गया है जिससे परिसंपत्ति के मूल्य और तदनुसूची विनिर्माण लागत पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों सहित विभिन्न कंपनियों में जटिल प्रतिधारिता के कारण यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कंपनी के वाणिज्यिक कार्यकलापों के निर्णय लेने की प्रक्रिया में राज्य का पर्याप्त हस्तक्षेप नहीं होता है। इन कच्ची सामग्रियों तथा उपयोगिताओं के प्रमुख विनिर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं में राज्य के स्वामित्व की भागीदारी द्वारा मुख्य कच्ची सामग्री 7-एसीए की कीमत भी प्रभावित होती है। इस निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी प्रकटन विवरण के संबंध में कोई टिप्पणी दायर नहीं की है। अतः उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी का मत यह है कि इस उत्पादक/निर्यातक की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भरोसा नहीं किया जा सकता है।

छ.2 सामान्य मूल्य का निर्धारण

88. पूर्ववर्ती खंड में रिकॉर्ड किए गए अनुसार चीन जन.गण. के प्रतिवादी निर्यातकों की लागत और कीमत पर गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति से अत्यधिक प्रभाव पड़ा है और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 6 के अनुसार नहीं किया जा सकता। अतः प्राधिकारी चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु उक्त अनुबंध के पैरा-7 का उल्लेख करते हैं।

89. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंधित है कि:

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभका समुचित मार्जिन भी

शामिल किया जाएगा । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समय दिया जाएगा ।

90. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में यह दर्ज किया था कि किसी समुचित तीसरे देश में संबद्ध वस्तु की लागत और कीमत के संबंध में किसी भरोसेमंद आंकड़ों के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमों में उपलब्ध तीसरे विकल्प के आधार पर किया गया था जिसमें समान उत्पाद के लिए समुचित लाभ मार्जिन शामिल करने हेतु आवश्यकतानुसार विधिवत समायोजित भारत में वास्तव में संदत्त या संदेय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार को अपनाने का प्रावधान है । तदनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन (क) साइक्लोएसिड (थियोट्रियाजिनान) के उत्पादन से लेकर ऐसी कच्ची सामग्रियों की उपलब्ध अंतर्राष्ट्रीय कीमत की सीमा तक मूल कच्ची सामग्री की समस्त प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत; (ख) खपत मानदंड, परिवर्तन लागत और घरेलू उद्योग के एसजीए व्यय; तथा एक उचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया गया था ।

91. किसी भी हितबद्ध पार्टी ने स्थिति विशेष में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु तीसरे विकल्प को अपनाने पर आपत्ति नहीं की है । तथापि, हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ने उपांतिम उत्पाद का पर्याप्त मात्रा में आयात किया है और प्राधिकारी को ऐसे उत्पाद की कीमत पर विचार करना चाहिए था । यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को अंगीकृत कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के स्रोतों का खुलासा करना चाहिए था और उन्हें सहयोगी निर्यातकों के खपत मानदंडों को स्वीकार करना चाहिए था क्योंकि खपत मानदंडों का उन देशों की बाजार अर्थव्यवस्था या गैर बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति से कोई संबंध नहीं होता है जिनमें कंपनियां स्थित होती हैं । यह भी तर्क दिया गया है कि उस पद्धति के प्रकटन जिसमें प्राधिकारी द्वारा परिवर्तन लागत और एसजीए व्यय को अपनाया गया है, से निर्यातकों को अपने हितों की पर्याप्त रखा करने में मदद मिलेगी ।

92. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक निर्यातक को छोड़कर सभी सहयोगी निर्यातक 7-एसीए चरण से संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रहे हैं और सैप्ट्रियाक्सन कूड (अविसंक्रमण) का उत्पादन मध्यवर्ती उत्पाद के रूप में किया जाता है जिसका उपयोग संबद्ध वस्तु के उत्पादन में किया जाता है । प्राधिकारी की जानकारी में यह बात भी लाई गई है कि घरेलू उद्योग ने मूलभूत चरण से अविसंक्रमण सामग्री के अपने उत्पादन के अलावा आगे के प्रसंस्करण हेतु कुछ मात्रा में सैप्ट्रियाक्सन कूड (अविसंक्रमण) का आयात भी किया है । अतः सैप्ट्रियाक्सन कूड (अविसंक्रमण) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत की भी जांच की गई थी तथापि, आयात केवल चीन से हुए हैं जिन पर पूर्व में की गई जांच के अनुसार लागत और कीमतों की

विकृति द्वारा प्रभाव पड़ा है। अतः सामान्य मूल्य के परिकलन हेतु प्रारंभिक जांच परिणामों में अपनाई गई कार्य प्रणाली की पुष्टि करने का प्रस्ताव है। इस परिकलन के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में सूचित 7-एसीए की भारित औसत आयात कीमत को आंकड़ा आधार की समीक्षा करने के बाद अपनाया गया है। इस प्रयोजनार्थ परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एसजीए व्यय के साथ उपर्युक्त प्रयोजन हेतु संबंध देश में सहयोगी निर्यातकों के औसत खपत मानदंडों को अपनाया गया है ताकि सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सके। ***% के उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद परिकलित सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :

कच्ची सामग्री की लागत प्रति किग्रा.:	*** रूपए
परिवर्तन लागत एवं पैकिंग प्रति किग्रा.:	*** रूपए
एसजीए व्यय तथा वित्त लागत प्रति किग्रा.:	*** रूपए
बनाने एवं बेचने की लागत:	*** रूपए
लाभ मार्जिन प्रति किग्रा. ***% की दर से :	*** रूपए
परिकलित सामान्य मूल्य प्रति किग्रा.	*** रूपए
45.41 रूपए की विनिमय दर से	*** अम.डॉ.

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त निर्धारण के संबंध में न तो घरेलू उद्योग ने और न ही निर्यातकों ने कोई विशिष्ट मुद्दा उठाया है। अतः प्राधिकारी उपर्युक्त निर्धारण की पुष्टि करते हैं। तथापि, सामान्य मूल्य की सूचना में कुछेक लिपिकीय त्रुटियाँ थीं और इन्हें प्रकटन विवरण में पाटन मार्जिन में देखा गया है। तदनुसार इस जांच परिणाम के संगत खंडों में पाटन मार्जिन में सुधार कर दिया गया है।

छ.3 निर्यात कीमत

94. प्रारंभिक जांच के पश्चात अपने अनुरोधों में चीन के निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि व्यय के कुछेक घटकों के लिए किए गए समायोजन अपेक्षित नहीं थे क्योंकि उन्हें समेकित परिवहन व्यय में शामिल किया गया है। एक निर्यातक ने यह भी तर्क दिया है कि 4% का वेट समायोजन अपेक्षित नहीं था क्योंकि निर्यातक निर्यात कीमत एक एफओबी मूल्य पर लागू दर से वेट की वापसी लेने के हकदार हैं जबकि वेट का भुगतान निविष्टि के मूल्य पर किया जाता है। जब तक निर्यात उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त निविष्टि की खरीद पर संदत्त वेट की राशि की तुलना में प्रदत्त वापसी की वास्तविक राशि में कोई कमी न हो, तब तक वेट वापसी की दरों में अंतर हेतु कोई समायोजन नहीं किया जाता है।

95. फुकांगा ने आगे यह तर्क दिया है कि जब निर्यात चीन में किसी असंबद्ध व्यापार कंपनी को किए जाते हैं तो उत्पादक एक घरेलू बिक्री बीजक जारी करता है जिसमें वह लागू वेट को प्रभारित करता है। चीन के कानून के अंतर्गत जो व्यापारी घरेलू बाजार में खरीद करता है और उसका निर्यात चीन से बाहर करता है, वह वस्तु की खरीद मूल्य पर लागू दरों से वेट की वापसी प्राप्त करेगा। यदि खरीद पर लागू वेट की दर एवं निर्यातों पर लागू वेट की

वापसी दर में कोई अंतर होता है तो उसे व्यापारी के एसजीए व्यय में शामिल किया जाएगा । तथापि, असंबद्ध आपूर्तिकर्ता की कारखाना निर्यात कीमत पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा । फुकंगा ने प्रकटन पश्चात अपने अनुरोधों में भी अपने तर्कों को दोहराया है ।

96. तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के दौरान सत्यापित निर्यातकों के वैट संबंधी विवरणों से यह पता चलता है कि वैट का भुगतान 17% की दर से और वापसी एफओबी मूल्य के 13% के दर से प्राप्त की गई है और एक को छोड़कर समस्त निर्यातकों ने 4% वैट का निर्यात कीमत में समायोजन करते हुए निर्यात ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं । अतः निर्यातक के इस तर्क को स्वीकार्य नहीं पाया गया है । जहां तक अन्य समायोजनों का संबंध है, भारत को की गई निर्यात बिक्रियों के मामले में प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया है और वास्तविक सत्यापित आंकड़ों का उपयोग सहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत के अंतिम निर्धारण हेतु निम्नानुसार किया गया है :

(क) मै. फ्यूजियान फुकंगा फार्मास्यूटिकल कंपनी, चीन

97. इस निर्यातक ने आरंभ में जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी.टन संबद्ध वस्तु के निर्यात की सूचना दी थी जिसमें से *** मी.टन का निर्यात प्रत्यक्ष रूप से और शेष के बारे में भारत को निर्यात हेतु चीन में एक व्यापार कंपनी को बिक्री के रूप में सूचित किया गया था । तथापि, सत्यापन के दौरान निर्यातक ने इस बात की पुष्टि की थी कि इस वस्तु का भारत को निर्यात संबंधित व्यापारी द्वारा नहीं किया गया है और उत्पादक ने उन्हें निर्यात के अपेक्षित दस्तावेज जारी नहीं किए हैं । अतः इस वस्तु की निर्यातक द्वारा वास्तव में घरेलू बिक्री की गई है । भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ रूप में की जाती है । प्रभारों, ऋण व्यय, सीमाशुल्क, दलाली प्रभारों, बैंक प्रभारों में से अंतर्देशीय भाड़े, हवाई भाड़े और भारत हेतु बीमा के लिए प्रत्यक्ष बिक्री व्यय को घटा दिया गया है ताकि कारखाना निर्यात कीमत निकाली जा सके । इस कंपनी की बीजक मूल्य पर 2.5% के कमीशन के साथ भारत में अपनी वस्तु की बिक्री हेतु मै. स्पान जेन लि., हांगकांग के साथ एक अनन्य विपणन व्यवस्था है । तथापि, चूंकि कारोबार जांच अवधि के दौरान नया था, इसलिए जांच अवधि के दौरान सौदों के लिए वास्तव में किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया था । अतः इस घटक के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है ।

98. डिब्बा बंद स्थिति में निर्यात कीमत की तुलना डिब्बाबंद स्थिति में उत्पाद के परिकलित सामान्य मूल्य के साथ की जा रही है । अतः निर्यात कीमत में से पैकिंग लागत नहीं घटाई गई है । निर्यातक ने 17% की दर से वैट का भुगतान किया है और एफओबी मूल्य के 13% की दर से वापसी प्राप्त की है । अतः इस निर्यातक की निवल कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए सीआईएफ मूल्य में से एफओबी मूल्य के 4% की दर से समायोजन किया गया है ।

उत्पादक/ निर्यातक	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	कुल प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अम.डॉ.	वेट समायोजन अम.डॉ.	प्राप्त निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./ किग्रा.
फ्यूजियान फुकांगा	****	****	****	****	****	****

(ख) मै. सुझोऊ डाउनरेज फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन

99. इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन नियमों के अनुसार किया गया था। इस उत्पादक निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। निर्यातक की घरेलू बिक्री से मै. हरबिन फार्मा को बेची गई पर्याप्त मात्रा का पता चलता है जिसने भारत को कुछ निर्यातों की सूचना दी है। अतः निर्यातक से कहा गया था कि वह हरबिन फार्मा के जरिए भारत को ऐसे निर्यातों के ब्यौरे उपलब्ध कराए। तथापि, निर्यातक ने स्पष्ट किया कि हरबिन को की गई उसकी बिक्री घरेलू बिक्री है और उसने विनिर्माता को कोई अनिवार्य दस्तावेज कभी भी जारी नहीं किया है जो कि हरबिन को संबद्ध वस्तु के निर्यात हेतु अपेक्षित होता है। हरबिन द्वारा इन दस्तावेजों के बिना भारत को डाउनरेज द्वारा विनिर्मित वस्तु का निर्यात नहीं किया जा सकता है। अतः हरबिन द्वारा निर्यातित वस्तु उनके सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार डाउनरेज द्वारा विनिर्मित उत्पाद नहीं है और वे ऐसे निर्यातों की कोई जिम्मेवारी नहीं लेते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हरबिन इस जांच से अलग हो गया है। हरबिन ने निर्यात दस्तावेजों में इस वस्तु को अपना खुद का उत्पाद घोषित किया था और बाद में यह दावा किया था कि इस वस्तु का विनिर्माण डाउनरेज ने और निर्यात उन्होंने किया था। वस्तुतः ऐसा प्रतीत होता है कि हरबिन ने अन्य निर्यातकों के उत्तरों के अनुसार कई उत्पादकों से इस वस्तु की घरेलू रूप से प्राप्ति की है अतः इस संबंध में डाउनरेज का स्पष्टीकरण आश्वस्तकारी प्रतीत होता है।

100. भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ रूप में की जाती हैं। प्रत्यक्ष बिक्री व्यय और विदेशी भाड़े तथा बीमा, ऋण व्यय और बैंक प्रभारों के लिए अन्य प्रभारों का समायोजन भी कंपनी के प्रभारों से किया गया था। परिवहन लागत बिल में समस्त विविध व्यय अर्थात् दस्तावेज शुल्क; सीमाशुल्क; दलाली शुल्क; हवाई अड्डा सेवा शुल्क; ईंधन अतिरिक्त शुल्क, वायु परिवहन प्रभार; सुरक्षा शुल्क, अंतर्देशीय परिवहन लागत आदि शामिल होते हैं। निर्यातक ने प्रदत्त वेट और प्राप्त वापसी के लिए समायोजन किए हैं। तदनुसार एफओबी पर वेट में 4% के अंतर को बीजक कीमत में से समायोजित किया गया है ताकि कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकाली जा सके। जांच अवधि के दौरान किए गए निर्यातों के लिए किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है और इसलिए इस हेतु अलग से कोई समायोजन अपेक्षित नहीं है। तदनुसार प्राधिकारी ने उपर्युक्त निर्यातक की निर्यात कीमत का निम्नानुसार निर्धारण किया है :

उत्पादक/ निर्यातक	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	कुल प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अम.डॉ.	वेट समायोजन अम.डॉ.	प्राप्त निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./ किग्रा.
सुझोज़ डाउनरेज	****	****	****	****	****	****

(ग) मै. शीजियाझुआंग फार्म ग्रुप हेबेई झोंगरुन फार्मास्यूटिकल कंपनी लि., चीन

101. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के केवल दो पोतलदान (*** किग्रा.) किए हैं। यद्यपि, कीमतों में सामान्य गिरावट आई है, तथापि अप्रैल और सितंबर, 2006 में इस निर्यातक द्वारा किए गए दोनों सौदों के बीच कीमत में अत्यधिक अंतर है। एक वितरक को किया गया पहला सौदा अत्यधिक उच्च कीमत पर हुआ है और कोई कमीशन नहीं दर्शाया गया है जबकि एक अंतिम प्रयोक्ता को किया गया दूसरा सौदा अत्यंत कम कीमत पर किया गया है जिसमें *** अम.डा. प्रति किग्रा. की दर से कमीशन का प्रावधान है। अतः उचित तुलना हेतु पहले सौदे के लिए *** अम.डा. प्रति किग्रा. की दर से कमीशन हेतु समायोजन भी किया गया है। प्रकटन पश्चात अपने अनुरोधों में निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि प्रथम सौदे में से ऐसा समायोजन अपेक्षित नहीं है क्योंकि इस सौदे पर किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने केवल दो सौदे किए हैं और इनके बीच कीमत में पर्याप्त अंतर है। उचित तुलना हेतु इस कंपनी का कोई कीमत रुझान नहीं निकाला जा सका। पहला सौदा एक वितरक को कोई छूट या कमीशन दर्शाए बिना उच्च कीमत पर किया गया है जबकि दूसरा सौदा अत्यंत कम कीमत पर एक अंतिम प्रयोक्ता को किया गया है और इसमें कमीशन भी शामिल है। अतः उचित कीमत तुलना के प्रयोजनार्थ दूसरे सौदे के आधार पर प्रथम सौदे के लिए दिए गए कमीशन का समायोजन न्यायोचित है।

102. अंतरदेशीय परिवहन, हैंडलिंग व्यय, विदेशी परिवहन एवं बीमा व्यय, ऋण लागत तथा बैंक प्रभारों के लिए प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का समायोजन सीआईएफ निर्यात कीमत में से किया गया है। एफओबी मूल्य के 4% की दर से संदत्त वेट के अंतर हेतु भी समायोजन किया गया है। अन्य विविध व्यय परिवहन प्रभारों में शामिल किए गए हैं और इस प्रकार इन्हें अलग से कम नहीं किया गया है। चूंकि तुलना डिब्बा बंद स्थिति में की जा रही है, अतः पैकिंग व्यय हेतु कोई समायोजन अपेक्षित नहीं है। तदनुसार प्राधिकारी ने उपर्युक्त निर्यातक की निर्यात कीमत का निम्नानुसार निर्धारण किया है :

उत्पादक/ निर्यातक	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	कुल प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अम.डॉ.	वैट समायोजन अम.डॉ.	प्राप्त निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./ किग्रा.
हेबेई झोंगरुन	****	****	****	****	****	****

(घ) झुहाई यूनाइटेड लेबोरेटरीज कं. लि., चीन

103. इस निर्यातक के निर्यात आंकड़ों का सत्यापन किया गया था और यह देखा गया था कि इस उत्पादक निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। एफओबी आधार पर कुछ सौदों को छोड़कर अधिकांश निर्यात सौदे सीआईएफ रूप में किए गए हैं। निर्यात सीधे अंतिम प्रयोक्ताओं और वितरकों को किए गए हैं। जांच अवधि के दौरान निर्यातक ने इन बिक्रियों पर किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया है। विदेशी भाड़े और बीमा, ऋण प्रभारों तथा बैंक प्रभारों के लिए प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया था। अंतरदेशीय भाड़े और हैंडलिंग प्रभार तथा सीमाशुल्क दलाली जैसे समस्त विविध व्यय को विदेशी भाड़ा बिल में शामिल किया गया है और इस प्रकार इनका अलग से समायोजन नहीं किया गया है। निर्यातों के एफओबी मूल्य पर 4% की दर से संदत्त वैट के अंतर के लिए समायोजन भी किए गए हैं ताकि निम्नानुसार निवल कारखाना निर्यात कीमत निकाली जा सके :

उत्पादक/ निर्यातक	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	कुल प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अम.डॉ.	वैट समायोजन अम.डॉ.	प्राप्त निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./ किग्रा.
झुहाई यूनाइटेड	****	****	****	****	****	****

(ङ) मै. लिवजोन सिटफार्म कं.लि. चीन (उत्पादक), और मै. लिझु फार्माफस्यूटिकल ट्रेडिंग कं. लि., चीन (निर्यातक)

104. मै. लिवजोन सिटफार्म कं.लि. संबद्ध वस्तु की विनिर्माता हैं और भारत के लिए इस वस्तु का बीजक उसकी संबद्ध व्यापार कंपनी मै. लिझु ट्रेडिंग कं.लि. के जरिए तैयार किया जाता है। लिझु ट्रेडिंग द्वारा प्रलेखन संबंधी समस्त कार्य किए जाते हैं और समस्त व्यावहारिक प्रयोजनों के लिए वह लिवजोन के व्यापार विभाग के रूप में कार्य करती है। वैट राशि सहित लिझु के संबंध में लिवजोन द्वारा वैट बीजक जारी किए जाते हैं और इसके बदले लिझु द्वारा भारतीय ग्राहकों के संबंध में बीजक जारी किए जाते हैं और वैट वापसी प्राप्त की जाती है।

105. इस उत्पादक-निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन किया गया था। इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। निर्यात सीआईएफ के रूप में किए गए हैं। समुद्री भाड़े, बीमा और बैंक प्रभारों के प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का समायोजन किया गया है। निर्यातक ने यह दावा किया गया है कि फैक्ट्री से हांगकांग पत्तन तक जहां से वस्तु का परिवहन किया गया है, परिवहन प्रभारों और हैंडलिंग प्रभारों को भी परिवहन बिल में शामिल किया गया है। तथापि, भाड़ा बिलों की जांच से यह पता चलता है कि अधिकांश भाड़ा बिलों में लदान पत्तन से भारत में उतराई पत्तन तक केवल हवाई भाड़ा प्रदर्शित किया गया है। अतः फैक्ट्री से लेकर निर्यात पत्तन तक परिवहन के लिए उचित समायोजन जांच किए गए एक नमूना परिवहन बिल के आधार पर किया गया है जिससे संयंत्र से लेकर पत्तन तक पृथक भाड़े का पता चलता है और एक अन्य भाड़ा बिल के आधार पर भी किया गया है जिससे विविध व्यय/हैंडलिंग प्रभारों का पता चलता है। तदनुसार अंतर्देशीय परिवहन के लिए *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. और हैंडलिंग प्रभारों के लिए *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. का समायोजन निर्यात कीमत में से किया गया है।

106. जहां तक ऋण व्यय का संबंध है, निर्यातक ने यह दावा किया है कि अंतरा-समूह सौदों के लिए उनकी आंतरिक ब्याज दर *** % है। तथापि, बैंक दर के अनुसार उक्त अवधि के लिए औसत बैंक दर *** % है जिसे सभी अन्य निर्यातकों ने अपनाया है और जिसे इस निर्यातक के लिए भी अपनाया गया है और ऋण व्यय को कारखाना निर्यात कीमत को निकालने के लिए घटा दिया गया है। निर्यातक ने निर्यातों पर संदत्त वेट और प्राप्त वापसी एवं 4% वेट को छोड़कर सकल बीजक मूल्य की राशि उपलब्ध कराई है। अतः वेट के अंतर के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना स्तर पर निर्धारण किया गया है। तदनुसार कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :

उत्पादक/निर्यातक	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	कुल प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अम.डॉ.	वेट समायोजन अम.डॉ.	प्राप्त निवल मूल्य अम.डॉ.	निवल निर्यात कीमत अम.डॉ./किग्रा.
लिवजोन सिटफार्म/लिड्डु ट्रेडिंग	****	****	****	****	****	****

(छ.) चीन के अन्य सभी निर्यातक

107. चीन जन.गण. के समस्त अन्य असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत का निर्धारण सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और उपलब्ध तथ्यों के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री व्यय हेतु विधिवत समायोजित सहयोगी निर्यातकों की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है जिसका निर्धारण कारखाना निर्यात कीमत के संबंध में किया गया है। तदनुसार समस्त असहयोगी निर्यातकों की कारखाना निर्यात कीमत *** अम.डॉ. प्रति कि.ग्रा. निर्धारित की गई है।

छ.4 पाटन मार्जिन

108. उपर्युक्तानुसार परिकलित कारखाना सामान्य मूल्य और कारखाना स्तर पर इस प्रकार से निर्धारित निर्यात कीमत की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की गई है। सामान्य मूल्य की सूचना में आई लिपिकीय त्रुटि और पाटन मार्जिन में तदनुरूपी त्रुटि को सुधारने के बाद संबद्ध देश के निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है :

उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
		अम.डा./ किग्रा.	अम.डा./ किग्रा.	अम.डा./ किग्रा.	
फ्यूजियान फुकांगा	फ्यूजियान फुकांगा	****	****	****	59.52%
सुझाऊ डाउनरेज	सुझाऊ डाउनरेज	****	****	****	57.62%
हिबेई झुआंगरुन	हिबेई झुआंगरुन	****	****	****	57.86%
झुहाई युनाइटेड	झुहाई युनाइटेड	****	****	****	61.59%
लिवजोन सिथफार्म	लिझु ट्रिडिंग	****	****	****	57.67%
अन्य सभी	अन्य सभी	****	****	****	103.45%

ज. क्षति निर्धारण

ज.1 हितबद्ध पार्टियों के विचार

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद अपने अनुरोधों में प्रतिवादी निर्यातकों में घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के बारे में कुछेक मुद्दे उठाए हैं। हितबद्ध पार्टियों के तर्कों को संक्षेप में नीचे दिया गया है।

110. हितबद्ध पार्टियों ने दावा किया है कि कथित रूप से पाटन के कारण घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है। स्थापित क्षमता में आधार वर्ष अर्थात् 2003-04 से लेकर प्रत्येक वर्ष लगातार वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप जांच अवधि तक 67% की समग्र वृद्धि हुई है। समग्र उत्पादन में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है। क्षमता उपयोग में गिरावट समग्र स्थापित क्षमता में वृद्धि के कारण आई है। नियंत्रित उत्पादन के कारणों में से एक कारण लंबित लाइसेंसों का हो सकता है कि जिन्हें घरेलू उद्योग द्वारा अमरीका और अन्य यूरोपीय बाजारों से प्राप्त करना था। यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को मात्रा एवं कीमत संबंधी दोनों प्रकार विश्लेषण करते समय संगत आंकड़ों का उपयोग करना चाहिए।

111. जहां तक घरेलू उद्योग की बिक्री लागत का संबंध है, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना होता है कि क्या 7-एसीए जिसका घरेलू उद्योग आयात करती है, जैसी कच्ची सामग्री की निविष्टि का आयात बाजार कीमत पर हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग की सहायक कंपनियों में से एक कंपनी चीन जन.गण. में इस उत्पाद का विनिर्माण करती है। इसके

अलावा, घरेलू उद्योग द्वारा किए गए उपांतिम मध्यवर्ती उत्पाद के आयातों के मुद्दे की भी जांच करने की जरूरत है। यह तर्क दिया गया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री (7-एसीए) की वैश्विक कीमतों में जांच अवधि के दौरान भारी कमी आई है। इससे ही लागत में लगभग 15% की कमी आ जानी चाहिए। इस कच्ची सामग्री का हिसाब संबंध सामग्री की कुल लागत का लगभग 50% बनता है। 7एसीए की कीमत में किसी गिरावट का संबंध सामग्री की उत्पादन लागत पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ना चाहिए। आगे यह तर्क दिया गया है कि अरबिंदो ने यह दावा किया है कि उन्होंने बेच प्रक्रिया समय को कम कर विसंक्रमण यूनिट की उत्पादकता में सुधार करके क्षमता में वृद्धि की है। यदि यह सुधार वस्तुतः सही है तो इसकी परिणति परिवर्तन लागत के संबंध में विनिर्माण की लागत और कच्ची सामग्री की खपत में कमी के रूप में होनी चाहिए थी। परंतु, उत्पादन लागत के रुझानों से क्षति अवधि के दौरान लागत में किसी गिरावट का पता नहीं चलता है।

112. आगे यह तर्क दिया गया है कि जहां तक घरेलू बिक्री का संबंध है, यह घरेलू उद्योग के उत्पादन के अनुरूप रही है। इस बात का पता लगाया जाना चाहिए कि उत्पादन के कितने हिस्से का वितरण घरेलू बिक्री और संबंधित उत्पाद की निर्यात बिक्री के बीच किया जाता है। यह एक सुविख्यात तथ्य है कि संबंधित उत्पाद का उत्पादन करने वाली कंपनियों के पास घरेलू जरूरतों की पूर्ति की तुलना में उच्चतर निर्यात दायित्व होते हैं। ऐसा केवल इस कारण से होता है कि उक्त उत्पाद के प्रयोक्ताओं को अपनी जरूरतों की पूर्ति हेतु वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी होती है। इस प्रकार यह एक ऐसा कारण है जिससे संबंध देशों से बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है। अतः इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि क्षति के निर्णायक और महत्वपूर्ण मापदंडों के आधार पर याचिकाकर्ता को आरोपित पाटित आयातों के परिणामस्वरूप "वास्तविक क्षति" नहीं हुई है।

113. यह भी तर्क दिया गया है कि आरोपित पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित न होने के कारण जांच समाप्त किए जाने की जरूरत है। वर्तमान मामले के तथ्यात्मक आधार के भीतर घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन की अनदेखी नहीं की जा सकती। निर्यात बिक्री घरेलू बिक्री से काफी अधिक मात्रा में हुई है। यह जरूरी है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात की जांच करें कि संबंध वस्तु के निर्यात की वजह से संबंध वस्तु के प्रचालन में घाटा नहीं हुआ है। प्रकटन पश्चात अपने अनुरोधों में हितबद्ध पार्टियों ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के खिलाफ अपने तर्कों को दोहराया है। आगे यह तर्क दिया गया है कि आवेदक घरेलू उद्योग भारत और विदेशों में अर्जनकारी स्थिति में है और उसके पास ऐसी कोई सूचना नहीं है जिससे इन अर्जनों के लिए निधियों के स्रोत अथवा इस बात का पता चल सके कि संबंध वस्तु के संबंध में आवेदकों से इसके वितरण में कोई राजस्व प्राप्त नहीं हुआ था।

ज.2 क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच

114. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह व्यवस्था है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के घरेलू

बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव” की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत मिलता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को महत्वपूर्ण स्तर तक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती ।

115. पाटनरोधी शुल्क लागू करने के लिए मै. अरबिदो फार्मा लि., हैदराबाद द्वारा याचिका दायर की गई है जिनका भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन में प्रमुख हिस्सा बनता है । जैसा कि पूर्व में नोट किया गया है, नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार इस जांच के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त उत्पादों को घरेलू उद्योग माना गया है । तथापि, रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसरण में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात उत्पादकों से क्षति निर्धारण और घरेलू उद्योग के लिए समग्र रूप से क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उनकी लागत एवं क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है । तथापि इन उत्पादकों ने अभी तक कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । अतः क्षति जांच और क्षति रहित कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवेदक घरेलू उत्पादक, जो नियम 2(ख) में यथा परिभाषित रूप से घरेलू उद्योग है, की लागत एवं क्षति संबंधी सूचना की जांच की गई है ।

116. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, पर नियमावली के अनुबंध-II के अनुरूप विचार किया गया है । उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे उपर्युक्त दर्शाए गए सभी आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को प्रभावित करते हैं, की निम्नानुसार जांच की गई है :-

(क) पाटित आयातों की मात्रात्मक प्रभाव : आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

(क) आयात मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा :

117. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी से यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या आयातों में या तो निरपेक्ष रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़े समग्र आयात आंकड़ों को नहीं दर्शाते हैं और आयात मात्रा, डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में कथित मात्रा से अधिक हैं ।

118. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदा-वार आयात आंकड़ों और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए और बीआईएस आंकड़ों पर आधारित संबद्ध देश

और अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा की जांच की है। प्रतिवादी निर्यातक के निर्यात आंकड़ों को भी ध्यान में लिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार संबद्ध देश से निर्यात डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों में दिए गए आयातों की मात्रा से अधिक है। अतः क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, सहयोगी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यात मात्रा और/तदनुरूपी मूल्य के साथ आयात आंकड़ों पर विचार किया गया है।

मात्रा: किग्रा. में

अवधि		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
देश		मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
चीन जन.गण.		65	3449	35497	87,456
प्रवृत्ति		100	5306	54611	134548
अन्य		590	5515	507	1317
प्रवृत्ति		100	935	86	223
कुल		655	8964	36004	88773
प्रवृत्ति		100	1369	5497	13553
संबद्ध देश का हिस्सा		10%	38%	99%	99%
प्रवृत्ति		100	388	994	993

119. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती 12 माह की अवधि की तुलना में संबद्ध देश से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से पाटित आयातों का हिस्सा कुल आयातों में आधार वर्ष में 10% से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 99% हो गया है जिससे व्यवहारिक रूप से अन्य देशों से हुए आयात नगण्य हो गए हैं। आयातों की मात्रा में वास्तविक और संभावित वृद्धि पर्याप्त और वास्तविक रही है।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

120. संबद्ध देश से पाटित आयातों में वृद्धि के प्रभावों की जांच उत्पादों, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री पर वास्तविक और संभावित प्रभाव के संबंध में की गई है।

(मात्रा किग्रा. में)

उत्पादन, बिक्री और मांग		2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि (अक्टू.05- सितंबर,06)
घरेलू उद्योग की स्थापित क्षमता		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	119	142	167
उत्पादन (घरेलू उद्योग)		****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	105	132	139
क्षमता उपयोग घरेलू उद्योग (%)		99%	88%	93%	83%
प्रवृत्ति		100	88	93	84
घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री		****	****	****	****

प्रवृत्ति	100	102	119	128
आबद्ध खपत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	158	92	109
अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	116	125	139
आयात	655	8964	36004	88773
प्रवृत्ति	100	1369	5497	13553
कुल मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	117	152	210

121. विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता का निर्धारण विसंक्रमण इकाई की क्षमता के अनुसार किया जाता है। क्षति जांच अवधि के दौरान कंपनी ने बैच प्रसंस्करण समय को घटाकर और धीरे-धीरे बैचों की प्रति दिवस संख्या को बढ़ाकर विसंक्रमण इकाई की उत्पादकता में सतत सुधार किया है, जबकि इस उत्पाद के लिए एक अतिरिक्त ब्लॉक जोड़ा गया है। अतः हितबद्ध पार्टियों का यह तर्क उचित नहीं है कि निवेश एवं क्षमता में वृद्धि आपस में मेल नहीं खाते हैं।

122. ऊपर किए गए उल्लेख के अनुसार उत्पादकता में सुधार और बढ़ती हुई मांग के अनुरूप क्षमता में वृद्धि के कारण आधार वर्ष की तुलना में इस उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता में लगभग 67% की वृद्धि हुई है। तथापि, उत्पादन में केवल 37% की वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में घरेलू मांग में लगभग 110% की वृद्धि हुई है, तथापि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 28% की वृद्धि हुई है। यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में आयातों में कई गुना वृद्धि हुई है, तथापि इसमें से 99% वृद्धि संबद्ध देश से हुई है।

123. हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग का सीमित उत्पादन अमरीका और ई.यू. से लंबित लाइसेंसिंग अपेक्षा और आबद्ध खपत में गिरावट के कारण हुआ है। निम्नलिखित आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में कंपनी के निर्यातों में लगभग दोगुना वृद्धि हुई है और इनमें पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई। अतः इस अवधि में मात्रा के संबंध में निर्यात निष्पादन और आबद्ध खपत से हितबद्ध पार्टियों के इन तर्कों की पुष्टि नहीं होती है।

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	अक्टू. 05 से सितं., 06
निर्यात बिक्री	किग्रा	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	113	160	192
आबद्ध खपत	किग्रा	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	158	92	109

(ग) बाजार हिस्से पर वास्तविक संभावित प्रभाव

124. घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

मांग में हिस्सा	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टू. 05-सितंबर, 06)
संबद्ध देश	0.06%	2.59%	20.41%	36.50%
प्रवृत्ति	100	4553	35882	64165
अन्य देश	0.52%	4.14%	0.29%	0.55%
प्रवृत्ति	100	802	56	106
घरेलू उद्योग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	89	78	61
अन्य घरेलू उत्पादक	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	100	82	66

125. जहां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में केवल 110 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं घरेलू उद्योग की कुल मांग में हिस्सा आधार वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक कम हुआ; जबकि पाटित आयातों का हिस्सा नगण्य अंश से बढ़कर कुल मांग का लगभग 37 प्रतिशत हो गया जो यह दर्शाता है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा। अन्य घरेलू उत्पादकों ने भी पर्याप्त बाजार हिस्सा गंवाया

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव

126. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा अत्यधिक मात्रा में कीमतों में अवमूल्यन या कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी अधिक हुई होती, को रोकने के रूप में हुआ है।

(i) आयात कीमतों की प्रवृत्ति

127. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की सी आई एफ आयात कीमत का डीजीसीआईएंड एस आंकड़ों तथा सहयोगी निर्यातकों के निर्यात आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :-

सीआईएफ निर्यात कीमत	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
चीन जन.गण.	6818	5204	5585	4641
प्रवृत्ति	100	76	82	54

128. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की सीआईएफ आयात कीमत में क्षति अवधि के दौरान लगभग 30 प्रतिशत गिरावट आई ।

(ii) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

129. कीमत कटौती को समूची जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की इसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निबल बिक्री वसूली से तुलना करके निर्धारित किया गया है । इस प्रयोजनार्थ, आयातों के पहुंच मूल्य को संबद्ध देश से आयात कीमतों के डी जी सी आई एंड एस आंकड़े में प्रतिवेदित मूल्य में 1 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार और प्रयोज्य मूल सीमाशुल्क तथा सहयोगी निर्यातकों की सत्यापित निर्यात कीमत जोड़कर परिकलित किया गया है ।

130. घरेलू उद्योग की निबल बिक्री वसूली का निर्धारण करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित छूटों, बट्टों और कमीशनों एवं प्रदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को छोड़ दिया गया है ।

131. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमत की जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत से तुलना की गई है ।

रु./किग्रा.

विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
बिक्री लागत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	105	100	99
बिक्री कीमत-घरेलू	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	93	85	79
पहुंच मूल्य-चीन जन.गण.	10417	7239	6447	5323
प्रवृत्ति	100	69	62	51
कीमत कटौती	(****)	****	****	****
प्रवृत्ति	(100)	66	70	110
कीमत कटौती (%)				****%
रेंज				20-30%
एनआईपी				****
कम कीमत पर बिक्री				****
कम कीमत पर बिक्री %				****%
रेंज				65-75%

132. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री क्षति अवधि के दौरान कमोबेश एक समान रही है। कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत किए बिना हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि जांच अवधि के दौरान प्रमुख कच्ची सामग्री (7-एसीए) की वैश्विक कीमत में भारी कमी आई है और अकेली इस सामग्री से लागत में लगभग 15% की कमी आ जानी चाहिए थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि हितबद्ध पार्टियों के द्वारा दिए गए तर्कों के अनुसार 7-एसीए की कीमत में गिरावट आई है, तथापि इसी अवधि के दौरान कुछेक अन्य कच्ची सामग्रियों की लागत में वृद्धि हुई है। अतः जांच अवधि के दौरान निविष्टि की कुल लागत में मामूली गिरावट आई है, परंतु मूल्यहास एवं अन्य विनिर्माण व्यय सहित उत्पादन की कुल लागत कमोबेश एक समान रही है।

133. हालांकि, क्षति अवधि के दौरान लागत लगभग एक समान रही है, तथापि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में लगभग 21% की गिरावट आई है; क्योंकि संबद्ध देश से आयातों के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 49% और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में लगभग 11% की गिरावट आई है। पाटित आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से अत्यंत कम है और इससे घरेलू कीमत में कटौती हुई है। पहुंच मूल्य भी क्षति रहित कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग पर अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव पड़ा है।

(iii) पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण और हास संबंधी प्रभाव :

134. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण संबंधी प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की उत्पादन की लागत से तुलना की गई है।

रूपए/किग्रा.				
विवरण	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
उत्पादन की लागत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	102	98	99
बिक्री कीमत	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	93	85	79

135. आंकड़े दर्शाते हैं कि जबकि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत जांच अवधि के दौरान लगभग समान बनी रही वहीं घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली में भारी गिरावट आई। बिक्री कीमत उत्पादन की लागत से काफी कम है। अतः यह प्रतीत होता है कि जहां लागतें उसी स्तर पर बनी रहीं वहीं घरेलू उद्योग को पाटित आयातों की वजह से अपने गिरते बाजार हिस्से को कायम रखने के लिए अपनी कीमतों का अवमूल्यन करने हेतु बाध्य होना पड़ा। इस कीमत

न्यूनीकरण से घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा होता प्रतीत होता है क्योंकि घरेलू उद्योग बाजार में अपनी लागत वसूल करने में असमर्थ रहा है ।

136. उपर्युक्त विश्लेषण दर्शाता है कि निरपेक्ष रूप से और घरेलू बाजार में कीमतों का ह्रास करके, अपने बाजार हिस्से का क्षरण करते हुए दोनों स्थितियों में पाटित आयातों की मात्रात्मक वृद्धि के रूप में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रतिकूल मात्रात्मक और कीमत संबंधी प्रभाव पड़ा है ।

ज.3 अन्य क्षति संबंधी कारकों की जांच

137. पूर्ववर्ती खंड में कुछेक क्षति संबंधी कारकों अर्थात् बिक्री और बाजार हिस्से में वास्तविक और संभावित गिरावट, आयातों की मात्रा में वास्तविक और संभावित वृद्धि आदि की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी ने निम्नानुसार अन्य अनिवार्य क्षति संबंधी मानदंडों की जांच की है :

(क) लाभ/हानि और निवेशों पर आय

138. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निम्नानुसार है :-

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर, 06)
बिक्री की घरेलू लागत	रुपए/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	100	99
घरेलू बिक्री कीमत	रुपए/किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	85	79
लाभ/हानि	रुपए/किग्रा.	****	****	(****)	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	22	(4)	(42)
लगाई गई पूंजी (एनएफए)	रुपए/लाख	****	****	****	****
कर पूर्व लाभ	रुपए/लाख	****	****	(****)	(****)
ब्याज	रुपए/लाख	****	****	****	****
कर पूर्व ब्याज		****	****	****	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	28	(9)
लगाई गई पूंजी पर आय% (एनएफए आधार पर)	%	****	****	****	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	32	13	(4)

139. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष में प्रति इकाई सकारात्मक लाभ मार्जिन की तुलना में क्षति जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सतत गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में निवल घाटा हुआ है। घरेलू निवेशों पर आय में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी गिरावट आई और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु से नकारात्मक आय हुई थी।

(ख) रोजगार और मजदूरी

140. हितबद्ध पार्टियों ने रोजगार एवं मजदूरी से संबंधित आंकड़ों में कुछेक असंगतियों का उल्लेख किया है और उनका मिलान किया गया है। कंपनी के रिकॉर्ड के अनुसार संबंधित उत्पाद में कंपनी के रोजगार में क्षमता एवं उत्पादन में वृद्धि होने के कारण बढ़ोत्तरी हुई है और परिणामतः औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरी के स्तर के अनुरूप मजदूरी में भी वृद्धि हुई है।

		इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
रोजगार		संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीबद्ध	100	128	152	164
मजदूरी		लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीबद्ध	100	203	317	333
प्रति व्यक्ति औसत मजदूरी		रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		सूचीबद्ध	100	159	208	203

141. हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि चूंकि क्षमता में आंशिक वृद्धि विसंक्रमण इकाई की उत्पादकता में सुधार के कारण आई है, इसलिए रोजगार में वृद्धि आनुपातिक नहीं है। तथापि, कुल मजदूरी संघटक उत्पाद की कुल लागत की तुलना में काफी कम है और इसलिए रोजगार के स्तर को क्षतिकारी पाटन का कारण या उसका प्रभाव नहीं माना जा सकता।

(ग) माल सूची

142. औसत स्टॉक और बिक्री के प्रतिशत के रूप में स्टॉक के पहलू से घरेलू उद्योग की मालसूची धारिता में गिरावट प्रदर्शित होती है। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष की तुलना में अपने निर्यात में लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि की है जिसके परिणामस्वरूप स्टॉक की परिसमाप्ति हुई है।

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
रोजगार	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	152	164
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	203	317	333
प्रति व्यक्ति औसत मजदूरी	रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	159	208	203

(घ) नकद प्रवाह

143. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह निम्नानुसार रहा है :-

नकद	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर,06)
कर पूर्व कुल लाभ	लाख रुपए	****	****	(****)	(****)
प्रवृत्ति		100	22	(5)	(54)
घरेलू बिक्री पर मूल्यहास	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	126	132	163
उत्पाद हेतु नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	(****)
प्रवृत्ति		100	40	19	(16)
नकद लाभ: स्वदेशी बिक्री	लाख रुपए	****	****	****	(****)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	40	16	(12)

144. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह में क्षति अवधि के दौरा उल्लेखनीय क्षरण हुआ है जिसके परिणामस्वरूप जांच अवधि में नकद घाटा हुआ है ।

(ङ) उत्पादकता

145. उत्पादन प्रति दिवस और प्रति कर्मचारी के संदर्भ में घरेलू उद्योग की उत्पादकता की निम्नानुसार जांच की गई है :-

उत्पादकता	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि(अक्टूबर, 05-सितंबर, 06)
कुल उत्पादन	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	132	131
प्रति दिवस उत्पादन	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	132	137
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	152	164
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	87	80

146. आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की दैनिक उत्पादकता में सुधार हुआ है। तथापि, उपर्युक्तानुसार रोजगार के स्तर में अननुपातिक वृद्धि के कारण प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई है।

(च) वृद्धि

147. घरेलू उद्योग का निष्पादन दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्री में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। तथापि, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद प्रवाह और निवेशों पर आय जैसे मानदंड नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित करते हैं।

(छ.) नया निवेश जुटाने की क्षमता

148. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग और निर्यात मांग में अच्छी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग ने उत्पाद की मांग में हुई अत्यधिक वृद्धि को देखते हुए जांच अवधि के दौरान विस्तार के लिए स्पष्ट तौर पर नए पूंजी निवेश किए हैं।

(ज) पाटन की मात्रा

149. संबद्ध देश और आवेदनकर्ता निर्यातक के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से अधिक है।

(झ) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

150. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा तथा घरेलू कीमतों की प्रवृत्ति की जांच से यह संकेत मिलता है कि मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों के जरिए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं।

ज.4 समग्र मूल्यांकन

151. आर्थिक कारकों के उपर्युक्तानुसार किए गए विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयात की मात्रा में कई गुना वृद्धि हुई है। यद्यपि, भारत में मांग में अच्छी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग ने क्षमता बढ़ाई है तथा अपने उत्पादन और बिक्री में बढ़ोत्तरी की है। तथापि, इस अवधि के दौरान पाटित आयातों की कीमत में तेजी से गिरावट आई है, जिससे घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हुई है। परिणामतः घरेलू बाजार में बिक्री कीमत में अत्यधिक गिरावट आई है। अतः घरेले उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्री में सुधार होने के बावजूद घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से, निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ में गिरावट के कारण क्षति हुई है। बिक्री कीमत में गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है। हितबद्ध पार्टियों ने तर्क दिया है कि आवेदक घरेलू उत्पादक भारत और विदेशों में अर्जन की स्थिति में है और इसलिए यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि उद्योग को वास्तव में वास्तविक क्षति हुई है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किया गया है और न कि समग्र कंपनी के संबंध में जो अन्य उत्पादों में अच्छा निष्पादन कर सकती है, जिससे समग्र बेहतर निष्पादन का पता चल सकता है। अतः ये तर्क वैध नहीं हैं। उपर्युक्त जांच के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को हुई क्षति वास्तविक और काफी अधिक है।

झ. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

152. कीमत कटौती कम कीमत पर बिक्री और कीमत न्यूनीकरण तथा कीमत ह्रास के रूप में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के कारण हुई वास्तविक क्षति तथा मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय नियमावली व पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मानदंडों की जांच की गयी है ताकि यह पता चलगाया जा सके कि क्या पाटित आयातों के अतिरिक्त इनमें से किसी अन्य कारक की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है। तदनुसार निम्नलिखित मानदंडों की जांच की गई है :

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा व कीमतें

153. जांच किए गए आयात संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि अन्य देशों जो जांच के अधीन नहीं हैं, से संबद्ध वस्तु की अत्यंत अल्प मात्रा का आयात किया जा रहा है। संबद्ध देश

से आयातों की मात्रा कुल आयातों की लगभग 99% है। अतः अन्य स्रोतों से हुए आयात नगण्य हैं और इनका घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ii) मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

154. जैसा कि पूर्व में नोट किया गया है, समूची क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में अच्छी वृद्धि दिखाई देती है और इसीलिए मांग में संभावित कमी को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। खपत तथा मांग से संबंधित आंकड़ों में उत्पाद की खपत की पद्धति में किसी खास परिवर्तन का पता नहीं चलता है।

(iii) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार एवं उनके प्रति प्रतिस्पर्धा

155. वस्तु का आयात मुक्त रूप से किया जा सकता है। आवेदक संबद्ध वस्तु के प्रमुख उत्पादकों में से एक हैं तथा घरेलू उत्पादन एवं बिक्री में उसका प्रमुख हिस्सा है। अन्य घरेलू उत्पादक संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं या वे प्राथमिक रूप से निर्यातानुमुख हैं। किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा प्राधिकारी के समक्ष घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों का कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

(iv) प्रौद्योगिकी में विकास

156. घरेलू उत्पादकों और निर्यातक देश के उत्पादकों द्वारा एक समान मूलभूत प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है और प्रौद्योगिकी में पर्याप्त परिवर्तन या अंतर का ऐसा कोई आरोप नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण प्रौद्योगिकी से जुड़े मुद्दों को नहीं माना जा सकता।

(V) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

157. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री पर्याप्त है और उसमें सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है। घरेलू उद्योग के निर्यात बाजारों में कीमत प्राप्ति घरेलू बाजार में उसके द्वारा प्राप्त कीमत से अधिक है। तथापि, क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल घरेलू बिक्री पर ही विचार किया गया है और घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के कारण हुई क्षति, यदि कोई हो, का कारण पाटित आयातों को नहीं माना गया है।

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
निर्यात बिक्री	किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	160	192

(VI) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

158. कुल उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार आया है। तथापि, प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई है। हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि चूंकि क्षमता में वृद्धि आंशिक रूप से विसंक्रमण इकाई की उत्पादकता में वृद्धि के कारण आई है, तथापि रोजगार में वृद्धि आनुपातिक नहीं है। तथापि, पूर्व में किए गए नोट के अनुसार उत्पाद की कुल लागत की तुलना में कुल मजदूरी संघटक काफी कम है और इसलिए रोजगार के स्तर को ही क्षतिकारी मार्जिन का कारण या उसका प्रभाव नहीं माना जा सकता। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति इस क्षेत्र की वजह से नहीं हो सकती।

159. उपर्युक्त कारणोत्तर विश्लेषण से यह पता चलता है कि पाटित आयातों के अतिरिक्त किसी अन्य ज्ञात कारक से घरेलू उद्योग प्रभावित हुआ प्रतीत नहीं होता है।

अ.1 कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने वाले कारक

160. क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तविक ह्रास हुआ है। अतः पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की पुष्टि निम्नलिखित आधार पर की जाती है :

- क. क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश के पाटित आयात की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई और कीमत में काफी कमी आई है जिसके परिणामस्वरूप कीमत में भारी कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री हुई। इसका सीधा असर यह हुआ कि उसी अवधि में उत्पादन लागत लगभग समान रहने के बावजूद घरेलू उद्योग को कीमतें कम करनी पड़ीं।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा आयात की मात्रा में वृद्धि तथा बिक्री कीमतों में कमी के कारण कंपनी लाभ, नकदी प्रवाह तथा निवेश से प्राप्त व्यय आय पर विपरीत प्रभाव पड़ा।
- ग. अत्यधिक सकारात्मक कीमत कटौती के कारण संबद्ध देश से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने कुछ बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए आयात कीमतों में कमी के कारण अपनी कीमतें कम कीं और वित्तीय घाटा उठाया।

161. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंची है और यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभावों के कारण हुई है।

ट. क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

162. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के सत्यापित लागत संबंधी आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और विक्रीत संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध देश से

निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देश से निर्यातकों की भारत औसत पहुंच कीमत और उनका क्षति मार्जिन निम्नानुसार निकाला गया है :

उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		रु./किग्रा.	रु./किग्रा.	रु./किग्रा.	%
फ्यूजियन फुकांगा	फ्यूजियन फुकांगा	****	****	****	60-70%
सुजोऊ डावनरेज	सुजोऊ डावनरेज	****	****	****	60-70%
हेबेई झुंगरु	हेबेई झुंगरु	****	****	****	60-70%
जुहेई यूनाइटेड	जुहेई यूनाइटेड	****	****	****	65-75%
लिवर्जॉन सिंथफार्म	लिबू ट्रेडिंग	****	****	****	60-70%
अन्य सभी	अन्य सभी	****	****	****	100-110%

ठ. निष्कर्ष

163. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों, जो इस जांच परिणाम में दर्ज है, की जांच करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु ने निर्यातक देश के घरेलू बाजार में उसके सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश किया है;
- संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा न्यूनतम, से अधिक है।
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को यह क्षति संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत प्रभाव दोनों के द्वारा हुई है।

ड. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे

164. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को पहुंची क्षति को खत्म करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों के आयातों पर किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ठ. सिफारिशें

165. प्राधिकारी निर्धारित नियमों के अनुसार संबद्ध देश से पाटन, क्षति तथा पटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू की और उसे पूर्ण किया। संबद्ध देश के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि करने तथा यह निष्कर्ष निकालने के पश्चात कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का विचार है कि पाटन और घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को दूर करने के लिए निश्चयात्मक उपाय लागू करने की आवश्यकता है। तदनुसार प्राधिकारी निम्नलिखित रूप में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं।

166. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित अनंतिम शुल्क लगाए जाने की तिथि से इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में दी गई राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है। उपर्युक्त के अधीन 7 नवंबर, 2007 के प्रारंभिक परिणामों की एतद्द्वारा पुष्टि की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष या टैरिफ मद	वस्तु विवरण	निर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2941.9090 तथा 2942.0090	सेफ्ट्रिएक्जोन सोडियम स्टेरायल	कोई भी	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	फ्यूजियान फुकांगा	फ्यूजियान फुकांगा	56.77	किग्रा.	अम.डॉ.
2	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	सुझोऊ डावरनेज	सुझोऊ डावरनेज	55.61	किग्रा.	अम.डॉ.
3	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	हेबेई झुगरू	हेबेई झुगरू	55.76	किग्रा.	अम.डॉ.
4	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	झुहाई यूनाइटेड	झुहाई यूनाइटेड	55.98	किग्रा.	अम.डॉ.
5	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	लियजोन सिथफार्म	लियु ट्रेडिंग	55.64	किग्रा.	अम.डॉ.
6	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	उपर्युक्त के अलावा कोई अन्य संयोजन		77.35	किग्रा.	किग्रा.
7	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण. से भिन्न कोई	चीन जन.गण. से भिन्न कोई	कोई भी	कोई भी	77.35	किग्रा.	अम.डॉ.
8	-यथोक्त-	-यथोक्त-	-यथोक्त-	चीन जन.गण. से भिन्न कोई	चीन जन.गण. से भिन्न कोई	कोई भी	कोई भी	77.35	किग्रा.	अम.डॉ.

ग. आगे की प्रक्रिया

167. केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील, जो इस सिफारिश से उत्पन्न हो सकती है, अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

168. प्राधिकारी द्वारा अधिनियम के संगत उपबंधों और इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार इसमें संस्तुत निश्चयात्मक उपायों को जारी रखना, उनमें उपांतरण करने या उन्हें समाप्त करने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा की जा सकती है। ऐसी किसी समीक्षा के लिए कोई अनुरोध तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समयसीमा के अनुसार किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा दायर न किया गया हो।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 2008

FINAL FINDINGS

Sub: Anti-Dumping Investigation involving import of Ceftriaxone Sodium Sterile (also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile) from China PR.

F.NO. 14/18/2006-DGAD:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

1. WHEREAS M/s Aurobindo Pharma Ltd, Hyderabad, Andhra Pradesh, (herein after referred to as the applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of Ceftriaxone Sodium Sterile (also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile) (hereinafter referred to as the subject good), originating in or exported from the China PR (herein after also referred to as subject country) and requested for initiation of an investigation for levy of anti dumping duties on the subject goods.

2. AND WHEREAS, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicants, issued a public notice dated 4th April 2007, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject good, originating in or exported from the subject country, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

3. The Authority notified its preliminary findings vide Notification dated 7th November 2008 recommending imposition of provisional measure and the vide Notification No. 117/2007-Customs dated 30th November, 2007, the Central Government has imposed provisional antidumping duty on import of the subject goods from the subject country. On the request of the Designated

Authority the Central Government extended the time period for completion of this investigation till 3rd July 2008, in terms of Rule 17 of the Rules.

A. Procedure

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the Preliminary Findings by the Authority.

(i) The Designated Authority sent copies of preliminary finding dated 7th November 2007 to all interested parties to this investigation, including the Embassy of the subject country in India, cooperating exporters from the subject country, domestic industry and the importers participating in the investigation requesting them to make their views known in writing within 40 days of the notification of the preliminary findings.

ii) The comments of the interested parties in response to the preliminary findings have been taken on record and the Authority has examined the issues raised therein in this disclosure statement.

iii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

iv) For the sake brevity the comments of various interested parties and issues raised prior to the preliminary findings and addressed therein have not been repeated in this disclosure statement.

v) The Authority held a public hearing on 7th January 2008 to provide an opportunity to all interested parties to present their views. The oral submissions made by the parties during the public hearing reproduced in writing have been taken on record for the purpose of this investigation.

vi) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. *** in this disclosure represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;

vii) Investigation was carried out for the period starting from 1.10.2005 to 30.9.2006 i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 2002-03, 2003-04, 2004-05, 2005-06 and the POI.

viii) The Authority disclosed the essential facts of the case vide disclosure statements dated 19th June 2008. The following interested parties have filed their comments to the disclosure statements and the same has been taken on record and addressed, to the extent the same are substantiated by the parties concerned:

1. M/s. Fujian Fukanga Pharmaceutical Co., China
2. M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China
3. M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd., China
4. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd., China

B.1 Interested Parties to the Investigation

5. As per the records of the Authority, following parties have made themselves known as interested parties to this investigation:

a) Responding exporters from the subject country

6. The following producers and exporters from China PR have filed their Questionnaire Response and Market Economy Questionnaire Response in this matter:

5. M/s. Fujian Fukanga Pharmaceutical Co., China
6. M/s. Harbin Pharmaceutical Group Co. Ltd., China
7. M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China
8. M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd., China
9. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd., China
10. M/s. Livzon Syntpharm Co. Ltd. (Producer), China, with M/s. Lizhu Pharmaceutical Trading Co. Ltd. (exporter).

7. In addition to the above, another Producer/exporter combination i.e. M/s. Guanzhou Baiyunshan Pharmaceutical Co. Ltd., has filed questionnaire and market economy response after the due date of submission. However, these respondents have submitted that they have never exported the subject goods to any country including India in the past. They have recently obtained the export license for export of the subject goods and therefore, request the Authority to determine a separate margin for them. Since the above respondents have not exported the goods during the POI the Authority would not be able to determine their dumping margin. However, the respondents would be free to approach the Authority for a new shipper review as per the relevant provisions of the Rules at appropriate time.

b) Importers and other Interested Parties

8. M/s. Nectar Life Science Ltd and M/s. Prosper Channel Impex Ltd. submitted letters making them known as interested parties and for participating in the public hearing held on 7th January. However, these parties did not file any response or comments as interested parties during the course of the investigation.

9. No other interested party has filed any submission or information in respect of this investigation before the Authority.

C. Product under Consideration and Like Article

10. The product under consideration in this investigation is Ceftriaxone Sodium Sterile, also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile ($C_{18}H_{16}N_8Na_2O_7S_{33}1/2H_2O$). This is a third generation Parenteral Cephalosporin Antibiotic. Predominantly 'Ceftriaxone Sodium Sterile' is an Active Pharmaceutical Ingredient (API) used for the formulation of filling the injection for intravenous or intramuscular administration. The product is mainly used for the diseases like lower respiratory infection tract infection, skin & skin structure infection, pelvic inflammatory disease, intra abdominal infection, uncomplicated gonorrhea infection and surgical prophylaxis. Major raw material for production of Ceftriaxone Sodium Sterile is 7-ACA (7-Amino Cephalosporinic Acid), which is produced by fermentation of Cephalosporin-C.

11. No significant issue has been raised by any interested party regarding the scope of product under consideration and like article. Examination of the product and import data submitted by the applicant indicates that there is no difference between Ceftriaxone produced by the Domestic Industry and imported from China. Therefore, the Authority confirms the product under consideration as above.

12. This product is classified under Customs Heading 2941 & 2942 of the first schedule of the Customs Tariff Act, 1975. The relevant eight digit level classifications are 2941.9090 & 2942.0090. However, this classification is indicative only and is in no way binding on the scope of this investigation.

D. Domestic Industry and Standing

D.1 Views of Interested parties

13. The exporters from China in their separate submissions have disputed the status of the applicants as the domestic industry and their standing to file the application. The arguments of these interested parties have been summarized as follows:

D.1.1 M/s. Fujian Fukang Pharmaceutical Co. Ltd, China PR

14. The above exporter in its submission has argued that the Authority should examine the issue of standing in detail before deciding whether the applicants satisfy the standing requirements. It has been argued that as per the petition, out of 4 other domestic producers, one producer had imported the product concerned. It is not known on what grounds the other three were not considered to be part of the domestic industry. It is not known whether the

authority considered the production capacity, actual production quantities etc to determine the standing of the applicants to file the petition. It has also been submitted that merely because a producer is an EOU, one cannot say that he should be automatically excluded from the scope of the domestic industry.

D.1.2 Views of M/s Zhuhai United Laboratory

15. The above exporter in its submission has *inter alia* argued that the initial petition for imposition of duties was filed solely by Aurobindo Pharma, representing itself as a "substantial domestic producer". The domestic industry did not pursue the Authority for the inclusion, in its domain, other producers of the subject goods, or even name such interested parties. As there are other producers in the market for determination of injury as set out under Rule 11 of the AD Rules, 1995, domestic industry should '*be deemed to comprise two or more competitive markets*' under the parenthesis of Rule 2(b). However, as per the preliminary findings, it has been reported that only M/s Nectar Life Science and M/s Kopran Ltd. responded by email, disclosing their reported capacity of production and sales, while the authority examined information with respect to other producers as per the information available in the public domain. However, such information has not been made available to the exporter, or pointed out by the applicant in its own non-confidential petition. It has been argued by this exporter that it is a blatant violation of Rule 2(b), which provides that the domestic industry must comprise of domestic producers as a whole engaged in collective output of the said product.

16. Further, it has been argued that other producers have been excluded by the petitioner from the scope of "domestic industry" as they are importing the like product or the penultimate intermediate. It has been argued that a manufacturer would only be excluded if there is a direct or indirect relationship with the importer and there is reason for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers. However no such chance was afforded to the other producers who are alleged to be importers. It is a well known fact that most companies manufacturing the said product have export aspirations and are driven towards the same. In their process to achieve an export product, they may import the said product or its penultimate product. The information detailing why other domestic parties should be excluded has not been justified as per the requirement of the *Explanation clause of Rule 2(b)*. It has also been argued that the exporters as the opposing interested party have not been provided with clear data establishing direct or indirect link between the manufacturers and importers.

D.1.3 Views of M/s Livzon Synpharm Ltd.

17. This exporter in its submission has argued that there are three other producers of the subject material in the country as published by the Bulk Drug Manufacturers Association, other than the known producers as given in the

petition. It was also submitted that production information with regard to other manufacturers was not submitted by the applicant and the standing of the Domestic Industry was established based on estimates and not on actual numbers. Therefore, the initiation is flawed as the Domestic Industry has not provided complete information about the total production of the subject material in the country and has not even provided complete details of all the manufacturers of the subject material.

D.1.4 Views of M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Limited

18. The above exporter in its submissions has argued that the Petition has been filed by a single producer as the "domestic industry" and such claim is incorrect and the petition should not have been initiated in accordance with law and established practice. They have also objected to the exclusion of other four known producers of the subject goods in India on the grounds that one of them is an EOU and others are importing the subject material or the penultimate intermediate and accordingly, do not qualify to be part of the domestic industry as per Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules".

19. It has been argued that the Petitioners themselves are importers and this information has been suppressed by them in their petition though the application format requires them specifically to report such imports. It has been argued that the non-confidential version of import data during the period of investigation clearly shows that they themselves are importers of the penultimate intermediary in substantial quantities. While it may now be argued that this import made by the petitioners is immaterial and the Hon'ble Designated Authority in its discretion can condone these imports; clearly there can be no dispute of the fact that there should have been full disclosure of this fact by the petitioners since they have dismissed the other manufacturers of the subject merchandise on the basis that they were importing the penultimate raw materials.

20. It has also been argued by this party that the petitioners were required to disclose to the Hon'ble Designated Authority whether they were related to any importer or exporter. It has now come to light that the Petitioners are indeed related to a manufacturer M/s. Shanxi Weiqida Pharmaceutical Limited, which manufactures 7-ACA, as well as CSS. The Petitioners and M/s. Weiqida, also apparently share a common Chairman in the Petitioners' China subsidiary. It is an established fact that the petitioners have a China presence, through a wholly owned subsidiary called Aurobindo (Datong) Bio-Pharma Co. Ltd. which has been deliberately suppressed in the petition, though this information and their long term supply agreement has been disclosed to another regulatory authority, i.e., the US Government Department of Securities Exchange Commission ("SEC").

21. It has been further argued that the Authority received information from the other constituents of the domestic industry after initiation and has thus

wrongly initiated the matter. This exporter has reiterated most of its arguments in its post disclosure submissions.

D.1.5 Views of the domestic industry

22. The domestic industry, M/s Aurovindo Pharma, was asked to explain the factual position in respect of its imports and relationship with Chinese producers of the subject goods and its own subsidiary in China. The applicant has clarified that Aurovindo Pharma or any other company having any affiliation or relationship with them has not imported the product under consideration, Ceftriaxone Sodium Sterile. It was however, clarified that they had imported 9300 Kg of the raw material, Ceftriaxone Sodium (Non Sterile) during the POI. It has been argued by the domestic industry that what is relevant for determination of standing in terms of Rule 2(b) is whether the applicants or their affiliates have imported the alleged dumped product under investigation and not its raw materials. It has been further argued that disclosures in the petition were required to be made with regard to imports of the "product under consideration" and Imports of raw materials were not required to be disclosed.

23. It has been further clarified that Aurovindo Pharma or any other company having any affiliation or relationship with this company is not related to any manufacturer of the subject goods or any affiliate thereof in China who produces the subject goods or the penultimate product in China. Though they have two Chinese subsidiaries, these companies are not engaged in production of subject goods or the penultimate product or any of the intermediaries of the product under consideration. Neither have they entered into any long-term supply contract with any Chinese Company or with their own Chinese subsidiary with regard to product under consideration or any of its penultimate products. It has been clarified that one of their Chinese subsidiaries is engaged in production of 6 APA & Pen-G Sulfoxide. The other subsidiary is only a trading Company. Aurobindo is importing these products from these Chinese subsidiaries. However, these products are not used in production of Ceftriaxone Sodium Sterile.

D.1.6 Examination by the Authority

24. The application has been filed by M/s Aurobindo Pharma Ltd, Hyderabad, Andhra Pradesh, and the applicant is one of the major producers of the subject goods in India. The Authority notes that the applicants in their application indicated that there are 4 other producers of the subject goods in India i.e., M/s Orchid Chemicals, Chennai; M/s Lupin Lab, MP; M/s Nectar Life Science, Chandigarh and M/s Kopran Ltd. Mumbai. It was also brought to the notice of the Authority that M/s Orchid Chemicals is a 100% EOU and has imported the subject goods during the POI. It has also been argued by the domestic industry that other domestic producers M/s. Lupin, M/s. Nector Life

Sciences and M/s. Kopran Ltd. are importing the subject goods or the penultimate intermediate, and therefore, do not qualify to be considered as a domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Rules.

25. Before initiation of the investigation the Authority called for further information from the above known domestic producers in this regard for determination of the standing of the applicant domestic industry. However, none of the above domestic producers filed any information except M/s Nectar Life Science, which filed a reply by e-mail. In its reply M/s Nectar Life Science has reported capacity of 60 MT with approximately 50 MT of production and domestic sales of the subject goods during the POI. Subsequently M/s Kopran has also provided its production and sales data which shows production of about 14 MT of the subject goods during the POI.

26. Before initiation of the investigation the Authority also examined the information available in the public domain in respect of capacities and production of other known domestic producers of the subject goods in the domestic market. The web-site of Orchid Chemicals lists this product as an Active Pharmaceutical Ingredient (API) for the foreign markets. Therefore, they do not seem to have significant production for sale in the domestic market and therefore, do not qualify to be included as a part of the domestic industry.

27. Web sites of other known producers of this product were also checked for information on their capacities and production. It is noticed that this product has been listed as one of the large number of similar products of those companies and no information on the capacities and production of these products is available in the websites. Examination of transaction-wise import data of the subject goods indicates that M/s Lupin Lab has imported two consignments of the subject goods during the POI.

28. However, even after taking into account the reported capacity and production of Nectar Life Sciences and Kopran and estimated capacity and production of other known producers of the subject goods the Authority recorded in the preliminary findings that the applicant commands a major proportion of the domestic production of the subject good in the country. Therefore, the Authority held that for the purpose of this investigation, the applicant M/s Aurobindo Pharma Ltd. commands the standing in terms of Rule 5(3) and constitutes the domestic industry in terms of Rule 2(b).

29. The interested parties in their post preliminary finding submissions have raised the issue of standing of the applicants to file the application and their status as the domestic industry in terms of the above Rules.

30. As far as the arguments of the interested parties that there are three more producers of the subject goods in India as reported in the Bulk Drug Industry at a Glance 2006, published by Bulk Drug Manufacturers Association

(India), the Authority notes that first of all the above product classification is not for the product under consideration i.e., 'Ceftriaxone Sodium (Sterile)' which does not include non-sterile product. However, the product profile of all the three other producers named in the said report under the product 'Ceftriaxone Sodium' has been examined. But none of the above producers seem to be producing the sterile item which is the product under consideration. Therefore, the arguments of the interested parties in this respect are not correct.

31. As far as the issues of disqualification of other known producers are concerned, there has been a clear finding that M/s Orchid Chemicals, which is a 100% EOU, has listed this product as an Active Pharmaceutical Ingredient (API) for the foreign markets and had no significant production for sale in the domestic market. Therefore, this Company did not qualify to be included as a part of the domestic industry. Examination of transaction-wise import data of the subject goods indicated that M/s Lupin Lab had imported significant quantities of the subject goods during the POI and therefore, did not qualify for inclusion in the domain of the domestic industry.

32. There is no evidence of imports of the subject goods by the other two domestic producers i.e. M/s Nectar Life Science and M/s Kopran. The Authority has not taken into account the import of penultimate products by these producers as argued by the applicants for their exclusion. These two producers have provided their production data which has been taken into consideration for determination of standing of the applicants. After considering the production of the three qualifying units, i.e., M/s Aurobindo Pharma, M/s Nectar Life Sciences, and M/s Kopran the Authority noted that the applicant M/s Aurobindo Pharma commanded a major proportion of domestic production of the subject goods and therefore, had the standing to file the application before the Authority and the said Company constituted the domestic industry for the purpose of this investigation.

33. As far as the issue of imports by the applicants and their relationship with the producer of the subject goods in China with long term relationship and suppression of above facts are concerned, these new facts brought to the notice of the Authority through the post preliminary finding submissions have been examined. The applicants were also asked to explain these issues. The applicant, vide its letter dated 24th April 2008 has clarified that they have not imported the product under consideration. Information regarding its Chinese subsidiary has also been provided as recorded above.

34. Examination of the issues raised indicates that the applicant M/s Aurobindo Pharma did not import the product under consideration during the POI but certain quantities of the raw material, Ceftriaxone Sodium (Non Sterile) was imported by them during the POI. Ceftriaxone Sodium (Non Sterile) is the intermediate product which requires further processing and sterilization operation to be converted into Ceftriaxone Sodium (Sterile), which

is the product under consideration. Therefore, the arguments of the interested parties in this regard are also not valid. In their post disclosure submissions M/s Dawnrays has submitted certain additional information regarding the relationship between the petitioner company and their raw material suppliers in China and long term contracts for supply of 7-ACA by their Chinese subsidiaries. However, these information, submitted after disclosure of essential facts, can neither be verified, nor do have any material bearing on the standing of the applicants to file the application, as the entire issue is related to the supply of raw materials and not the finished product. If the applicant domestic industry has imported the main raw material from its subsidiary in China at a favorable, price it would only reduce its injury margin and therefore, not compromise the interests of the other parties. Therefore, the Authority confirms its findings on the standing of the applicants and domestic industry.

E. De Minimis Limits

35. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from the subject country, the imports of the subject goods from the subject country are above the de minimis level.

F. Other submissions and issues raised

36. The Authority notes that the producers of the subject goods in China have submitted their responses to the exporter's questionnaire. However, none of the consumers or importers in India has responded to the Designated Authority, nor has any party provided any information relevant to the present investigations.

F.1 Confidentiality

37. The interested parties have argued that the Non Confidential Petition filed by the Petitioner remains defective, and the evidence as to calculation of normal value in the Non Confidential version is incomplete and the Interested Parties are unable to comment upon the allegations of dumping of imports of the subject goods for the reason that methodology along with the evidence used for constructing the normal value for China PR. Adjustments taken into consideration for calculating the export price and costing data to be provided under Part VI of the Application Proforma have not been provided by the applicants. It has been argued that grant of confidentiality cannot be automatic and the Designated Authority must apply its mind to whether confidentiality is validly claimed. If the Applicants are not willing to disclose such information on which confidentiality could not have been claimed, then the data and all such information ought to be rejected.

38. The domestic industry, in its submissions, has argued that the exporters have claimed excessive confidentiality in their submissions. Even the name of related parties and suppliers of raw materials, organizational structures, business licenses etc. have been kept confidential.

39. The issues raised by the parties in respect of the confidentiality claims of others have been examined. The Authority notes that the confidentiality claims of the respective parties have been examined at the time of submission and the parties were asked to make adequate non-confidential disclosures for the other parties. On the basis of the submissions made, the information, which are by nature confidential, viz, cost and selling information and other information which are commercially sensitive and have been submitted in confidential manner by a party supplying such information, have been treated so. No information has been treated as confidential in an automatic manner or without application of mind as has been argued by the parties. The information submitted on non-confidential basis and indexed or summarized information of confidential information as submitted by the parties have been placed in the public folder.

G. Determination of Dumping Margin

G.1 Examination of Market Economy claims

40. In the preliminary findings the Authority treated China PR as a non-market economy country in terms of para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules. The Authority notes that responding producers and exporters of the subject goods from the subject country have rebutted the non-market economy presumption. However, pending detailed examination of the issues the responding exporters from the subject country were not granted market economy status in the preliminary findings. The comments of the exporters, as well as the domestic industry on the market economy claims have been examined as follows:

G.2 Views of the domestic industry

41. Commenting upon the market economy claims of the exporters in China, the domestic industry has submitted that that none of the Chinese companies, who have responded to the Designated Authority, can be considered as operating under market economy conditions for the following reasons:

- The responding Companies or their parent/holding companies have significant state ownership, or substantially owned and controlled by state-owned companies, or have been set up through acquisition of state-owned plant. Barring two companies (Suzhou Dawnrays and

Zhuhai United Laboratories) all other companies are owned or controlled directly or indirectly by the State.

- All the responding Companies have significant purchase of RM & utility from state-owned co., and/or sale through state-owned companies;
- It has been argued that the share of those companies who are state owned/controlled account for more than 75% of production in China. Therefore, the companies who are allegedly not having any state holdings cannot dictate the prices in the market. The prices in the market would be dictated by those companies who command majority production. Thus, prices in the Chinese market cannot be said to be free from State interference.
- It has been argued that major input required for production of the product under consideration is 7-ACA and most of the responding companies produce their own 7ACA or procure 7-ACA from other producers operating under non-market economy conditions. 7-ACA is processed to obtain Ceftriaxone Sodium Crude which is sterilized to obtain the subject goods. It has been argued that prices of inputs required for production of 7-ACA and the transfer price of 7-ACA or Ceftriaxone Sodium Crude is not representative of market values. Therefore, the responding exporters would not be entitled for market economy treatment.
- The utilities like Water and Power constitute about 25-35% in the cost of production of 7-ACA. Corn is the major raw material required for production of 7-ACA. The cost on account of these inputs constitute 70-85% of cost of production of 7-ACA. Prices of these inputs in the Chinese market do not substantially reflect market values.
- It has been argued that Corn, Coal and Power are subjected to state-control in China and are listed in the Accession Treaty of China as products subject to either Govt. pricing or export control (Corn).
- The domestic industry argues that all responding companies' plants were with Govt. of China some time back. Either these companies continue to be State owned/controlled, or these companies have acquired plants from other entities which were State owned/controlled. Such being the case, the value at which these plants have been acquired and the process of acquisition assumes great importance. Therefore, the responding companies should provide full information with regard to such plant acquisition and it must be established that these plants have been acquired at a fair market value.
- The product under consideration is highly capital-intensive industry. Therefore, special advantages received by the responding companies in terms of investment made by them, rate at which loans have been obtained would indicate that the financial situation of these companies are distorted because of former non-market economy system and the decisions of such firms with regard to investments are not made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard.

- Chinese Exchange Rate is controlled by Govt of China and is being pegged at artificial levels, which is undervalued by more than 30%. This enables the Chinese companies to export the product at lower price. Therefore, the responding Chinese companies are not entitled for market economy treatment.
- The domestic industry argues that the responding Chinese companies are not entitled to market economy treatment on account of the excessive VAT rebates being paid for a number of reasons. Not only that this VAT rebate constitutes a support to the Chinese exporters, this is leading to its own impact on the domestic selling prices.
- That all the companies are located in SEZ and are benefiting from certain benefits available in general to all companies located in SEZ, which include import of inputs and capital goods without import duties, and other tax benefits/ tax holidays/preferential tax rates.
- It has been argued that several accounting standards which are mandatory under International Accounting Standards are not being followed under Chinese GAAP. Therefore, accounting records of the responding Companies cannot be relied upon;
- The domestic industry further argues that U.S. DOC has conducted a comprehensive analysis with regard to China's status as a non market economy in response to a request for a review of Chinese Non Marketing Economy status. The review concluded that the fundamental requirements remain incomplete. It was found that market forces in China are not yet sufficiently developed to permit the use of cost and price in China for the purpose of dumping analysis. DOC accordingly concluded that China remain Non Marketing Economy for the purpose of dumping analysis.

G.3 Views of the responding exporters

42. The responding exporters from China have disputed the provisional non-market economy treatment granted to them by the Designated Authority in the preliminary finding and have made certain factual submissions in support of their claims. The information submitted by the responding exporters and their claim of market economy status have been examined by the Authority as follows:

a) M/s. Fujian Fukanga Pharmaceutical Co., China

43. M/s Fujian Fukanga Pharmaceutical Company (Fukanga) has filed a questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. The company has significant domestic sales of the product under consideration during the POI. In the preliminary findings, the authority held that Fujian purchased by cash the net property of Fuzhou Antibiotic Group Co Ltd under the reform of State shares in the said entity. Pending examination of the issues regarding ownership and control, its impact

on the cost and prices and the verification thereof, authority did not grant market economy status for the preliminary determination of normal value.

44. The exporter in its post preliminary finding comments has argued that the authority should have accepted the claims of the exporter pending verification and if found not suitable could have reversed the decision in the final findings. Such an approach will be in line with the spirit of cooperation. In any case, role of the State in a company should be examined from two perspectives i.e. State's role in the exercise of its sovereign functions and State's role as an investor. So long as the State's role is limited to that of an investor, that shall not amount to state interference. Only when the State's role is in the exercise of its sovereign functions, one should say that there is state interference in the company. Examples of state interference may be licensing, production controls, quotas controlling production quantity or sale quantity, administrative pricing methods across all enterprises whether state owned or not, etc.,. In this case, there is no such interference by the State into the affairs of the company or the industry manufacturing this product. In its post disclosure submissions Fukanga has reiterated that so long as the State's role is limited to that of an investor that shall not amount to state interference. Further Fukanga is not directly owned by the State. It is owned by CITIC which is a financial institution that invests not the government owned funds but funds it has raised from the market. Mere presumption that State has significant controlling influence of Fukanga through CITIC Trust, without any positive evidence, needs to be rejected and such a presumption is unwarranted.

45. The Authority notes that examination of the MET claim of the company shows that this Company was initially established in 1958 under the state-ownership in the name and style of Fuzhou Antibiotic Group Company. This Company was later reformed into M/s Fujian Fukang Pharmaceutical Company Ltd in 2002 under the approval of Fujian Province Economic Reforms Committee on 13th June 2002. The new Company was promoted by CITIC Trust & Investment Co. Ltd. with a holding of about ****% of total registered capital of RMB ***** alongwith other promoters. This company was set up in July 2002 and purchased, by cash, the net property of Fuzhou Antibiotic Group Co. held by the local government, under the reform of state shares in the said entity. CITIC Trust and Investment Co is 100% state owned investment institution. However, as per an agreement between the erstwhile employees of the Company and CITIC Trust, CITIC represents the collective investment of 1105 employees of the Company. 9 out of 15 members of the board of the Company are from CITIC and all of them are the employees of the Company.

46. As per the transfer document and asset valuation reports the net assets of the state-owned Fuzhou Antibiotic Group Company was valued at ***** RMB and net liability stood at ***** RMB. Therefore, the net transfer

value was only ***** RMB, which was paid to the Government to acquire the assets of the Company.

47. The above examination indicates that though major shares of the Company is stated to be held by the employees as a collective enterprise, the State has a significant controlling influence on the Company through CITIC Trust. The arguments of the exporter that the role of the state in exercise of its sovereign functions through licensing, production controls, quotas controlling production quantity or sale quantity, administrative pricing methods should be distinguished and separated from the role of the state as an investor does not hold good. In the instant case the State has facilitated the investments and transferred assets from one State organ to another. The value of net assets and liabilities of the Company at the time of transfer and net price paid for acquiring the Company indicates significant carryover of distortions from the erstwhile entity held by the local government. Therefore, it cannot be concluded that the entity is operating under market driven principles and its commercial decisions are not significantly affected by State intervention. In its post disclosure submissions the exporter has only reiterated its arguments that the State's sovereign role should be distinguished from its role as an investor in any determination of Market Economy status. This issue has already been addressed in the foregoing paragraphs. Therefore, the Authority is of the view that this exporter cannot be granted market economy status for the purpose of determination of its normal value in terms of the Rules.

b) M/s. Harbin Pharmaceutical Group Co. Ltd., China

48. M/s. Harbin Pharmaceutical Group Co. Ltd., China, has filed a questionnaire response along with MET response as the exporter of the subject goods manufactured by M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China, who has also filed a separate questionnaire response. This company is also a manufacturer of several pharmaceutical products in China. However, the company has submitted that they had not sold the subject goods in the domestic market during the POI. On the basis of preliminary examination of the questionnaire response and the MET claims of this exporter preliminary determinations were made in respect of this exporter. After the preliminary findings were issued, this exporter, vide e-mail dated 24th April 2008 communicated that Harbin is only an agent of Dawnrays and has decided not accept the investigation in their premises. They have also conveyed that Harbin was prepared to undertake any liabilities caused by this decision.

49. The Authority notes that Rule 6.8 of the Rules provide that in a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances.

50. During the verification of the information submitted by M/s Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., it was noticed that Dawnrays have made significant quantities of domestic sales to Harbin during the POI. However, it was confirmed by Dawnrays that they have not issued any mandatory document, as the manufacturer of the subject goods, as required for exports. Therefore, such goods cannot be exported by Harbin as goods manufactured by Dawnrays. The Authority also notes that the sample export documents filed by Harbin declares the goods as manufactured by Harbin though subsequently they have clarified that that declaration on the export document was wrong and the goods are actually manufactured by Dawnrays. In view of contradictory information filed by this exporter and Harbin's refusal for on-spot investigation, the Authority is of the view that this exporter is non-cooperative and has filed misleading information. Therefore, the information submitted by this party cannot be relied upon. Accordingly, this exporter has been declared non-cooperative and submissions made by them have been rejected.

c) M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China

51. M/s Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China PR (Dawnrays) has filed a questionnaire response and MET claim response as a producer and exporter of the subject goods to India. On the basis of preliminary examination of the questionnaire response and the MET claims of this exporter and subsequent submissions made by them the Authority provisionally treated them as operating under non-market economy condition for the purpose of preliminary determinations. However, in its post preliminary submissions the exporter has disputed the above determination.

52. It has been argued that the Authority has drawn an adverse inference against the exporter since the Company shares the name with the provincial administration assuming that it must be owned by the provincial administration, while it had been clarified that Suzhou Sixth Pharmaceutical Plant SSPP has transferred all its shares held in M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Limited in the year 2001. As regards preferential tax benefits to the company as a foreign invested and technology intensive company it has been argued that the tax benefits were strictly in accordance with the law, as applicable to all Chinese Companies. This certainly does not make companies availing of such benefits non market economy companies.

53. It has been submitted that Dawnrays was established in 1995 as a Sino-foreign equity joint venture with investments from Suzhou Sixth Pharmaceutical Plant (SSPP) (USD *****) and Xinli Pharmaceutical I & E Co. Ltd., Hong Kong (USD *****). The original name of Dawnrays was Suzhou Far East Pharmaceutical Co. Ltd. This name was changed to Suzhou Dongrui Pharmaceutical Co. Ltd on Oct 21, 1996 upon the approval of Suzhou Foreign Economic and Trade Commission. On Apr 28, 1997, the English name of Dawrays was changed into Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd.

54. It has been argued that SSPP is a collective enterprise established on March 4, 1994. The business scope of SSPP was to manufacture and sell bulk drug, tablet drug, powder for injection and capsule drug. SSPP made its capital contribution in the JV by cash and no state-owned assets were involved in such capital contribution of SSPP.

55. From 1995 to 1998, Dawnrays has increased its registered capital three times but the capital contribution of SSPP remained unchanged. However, the capital contribution of Xinli increased from USD ***** to USD *****. On Nov 19, 1999, the capital contribution of SSPP accounted for only *** % of total registered capital (USD *****). On Sep 26, 2001, SSPP transferred all its shares (USD ****) to Xinli and Dawnrays became a wholly Foreign-owned Enterprise invested by Xinli. From then on, SSPP did not have any rights and obligations relating to Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co., Ltd.

56. It has been argued that according to Chapter 4 of Articles of Association of Dawnrays (1995), the board of directors is the supreme organ of power and responsible for deciding all material matters of the company. In the board of Dawnrays, only one director Xia Jianping is appointed by SSPP. Therefore, SSPP was actually unable to make considerable control over the operation and management of Dawrays.

57. As per the submissions of the Company, Xinli Pharmaceutical I & E Co. Ltd is a private company established in Hong Kong on Feb 28, 1986. The shareholders of Xinli are two natural persons. As the major equity partner of Dawnrays, Xinli had made its capital contribution-USD *****, accounting for *****% of total registered capital (USD ****). Four directors of the board, including the chairman of the board, were appointed by Xinli. Therefore, Xinli was the actual controller of Dawnrays. It has considerable control over the operation and management of Dawrays and decides all material matters of the company.

58. The above issues and market economy claims of the Company has been examined by the Authority. As per the information filed by Dawnrays, Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co., Ltd (Dawnrays) was established on Dec 8, 1995 as a Sino-foreign equity joint venture in the name and style of Shuzhou Far East Pharmaceutical Co. Ltd. The parties to the Joint Venture were Suzhou Sixth Pharmaceutical Plant (SSRP) and M/s Xinli Pharmaceutical I & E Co. Ltd., Hong Kong. SSPP was a collectively owned enterprise in the the Suzhou Province engaged in production and sale of pharmaceutical products. This entity was to contribute ***** USD towards its equity in the JV against the total registered capital of USD*****. M/s Xinli (Sing Lee) Pharmaceutical Import & Export Co Ltd, Hong Kong was the second party to the JV and this Company was a trading company registered in Hong Kong in 1986 for importing raw materials to China. Xinli is stated to have been

set up in Hong Kong by two natural persons of Chinese origin. SSPP made its contribution to the registered capital by cash. The name and registered capital of the company has been changed several times though contribution of SSPP has remained unchanged.

59. In 2001 SSPP transferred its total shares in Dawnrays to Xinli and Dawnrays became a fully foreign owned enterprise invested by Xinli. Subsequently in October 2001, the shares held by Xinli were transferred to M/s Dawnrays International Company Ltd, a company registered in British Virgin Islands in June 2001. The Directors/owners of Xinli and Dawnrays International are the same and there is only a share transfer agreement between them.

60. However, subsequently another Company in the name of M/s Dawnrays Pharmaceutical (Holding) Co was established in 2002 and was registered in Cayman Island, as the holding Company for the Dawnrays group and this holding Co has been listed in Hong Kong Stock exchange in 2003. As per the IPO offer documents ultimately this Company controls all the group companies and holds ****% shares of the responding exporter.

61. Therefore, this Company does not have any state holding though initially a collectively owned enterprise in China made certain capital contribution for establishing this Company as a Sino-foreign Joint Venture, apparently to avail certain tax benefits. However, the exporter has argued that such tax benefits are available to all Sino-foreign joint ventures and not specific to this Company. The Company has obtained land from the State on long term lease basis on payment of lease rent and the buildings and other facilities have been built up by this Company subsequently.

62. The Authority notes that the parent Company of this Company has two other subsidiaries who process 7-ACA to Ceftriaxone Sodium Crude under a processing agreement with the responding exporter. Significant quantities of 7-ACA is being procured by Dawnrays from other major producers of 7-ACA in China, who are also subject to this investigation and have not been granted market economy treatment. The Authority notes that 7-ACA constitutes a very significant proportion of the cost of production of the subject goods and therefore, any distortion in this price affects the cost and price structure of the responding exporter, which does not reflect the true market condition. Since the price of major raw materials which are produced in non-market oriented conditions and sold in the domestic market, the import price into the same market may not reflect the correct price trend. Therefore, the arguments of the exporter that the Authority could have adopted the import price to China as a reliable bench mark do not appear to be tenable. The Authority also notes that utilities, such as power, are a major input in terms of its share in the cost of this product. Such utilities are supplied by the State utility providers. As per the accession agreement the utility prices are still under state guidance price system and therefore, price of such utilities does not appear to reflect the

market price for these inputs, though pricing mechanism could be uniform for all industries in the locality.

63. The Authority is of the view that market economy assessment is an overall assessment of the entity involved, covering several aspects and not an isolated examination of single parameter, which could give a decisive indication of the status of the entity. The foregoing assessment indicates that cost and prices of the subject goods in China are distorted due to existence of non-market situations in the areas of raw materials and utilities used by the responding exporter for producing and selling the goods in its domestic as well as export market. Therefore, the Authority is of the view that cost and prices of the above exporter in its domestic market cannot be relied upon for determination of the normal value in China.

d) M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd., China

64. M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd., China has filed a questionnaire response and MET claim response as a producer and exporter of the subject goods to India. On the basis of preliminary examination of the questionnaire response and the MET claims of this exporter and subsequent submissions made by them the Authority provisionally treated them as operating under non-market economy condition for the purpose of preliminary determinations. However, this responding exporter has not made any significant comment on the preliminary findings.

65. As per the submissions made by this exporter M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co. Ltd. is a joint venture company established in Nov 2002 as a joint venture between 1) M/s Shijiazhuang Pharmaceutical Group Co., Ltd. (****% held by Shijiazhuang State-owned Assets Administration Commission); 2) M/s China Pharmaceutical Group Company Ltd; (****% of the shares of this Company are held by Shijiazhuang Pharmaceutical Group Co., Ltd); 3) M/s Tianlun Investment Company Ltd. (****% held by M/s China Pharmaceutical Group Company Ltd.).

66. Therefore, Shijiazhuang Pharmaceutical Group Co., Ltd, which is a state-owned enterprise (under the control of Shijiazhuang State-owned Assets Administration Commission), controls all the three shareholders of the responding company through its cross holdings in these companies, though the other two shareholders are incorporated in Hong Kong. It appears that the parent Company has opened investment Companies in Hong Kong to establish Sino-Foreign Joint Ventures in China, in order to take the benefits available to Foreign Joint Ventures under the tax laws of China.

67. As per the Annual Report of the Company, this Company has absorbed several state-owned enterprises under the directions of the Hebei Provincial

Govt. and Ministry of Commerce. Method of absorption and valuation of the assets and liabilities of these state-owned entities absorbed by this Company are also not available. The plants and machineries of the Company are almost fully depreciated, indicating taking over of old plants from erstwhile state-owned entities. The Company also procures one of the major raw materials, and the utilities from other state-owned entities.

68. The above examination indicates that there is considerable state-holding and state control over the responding company and the cost and prices of the exporter are affected by such state control on the activities of the exporter. The exporter has not contested this issue in its post disclosure submissions. Therefore, the Authority is of the view that this Company cannot be granted market economy status for the purpose of determination of its normal value based on its domestic sales.

e) Zhuhai United Laboratories Co. Ltd., China

69. M/s. Zhuhai United Laboratories Co. Ltd., China has filed a questionnaire response and MET claim response as a producer and exporter of the subject goods to India. On the basis of preliminary examination of the questionnaire response and the MET claims of this exporter and subsequent submissions made by them the Authority provisionally treated them as operating under non-market economy condition for the purpose of preliminary determinations. However, in its post preliminary submissions the exporter has disputed the above determination.

70. It has been argued by this Company that they are a foreign JV and there are sufficient instances of grant of MET by the Hon'ble Authority in certain AD investigations and by the EU to foreign JVs as foreign JVs will be managed and operating as per international MET norms. It has been argued that significant distortions, if any, to the cost and prices are to be assessed in case of carry over of distortions from erstwhile non-market economy conditions and in this connection the EC do not consider the impact of transfers more than 5 years prior to have any 'Significantly' distorting impact on prices of concerned Subject Goods. In its post preliminary submissions the Company has argued that neither the issues regarding original ownership of the Company, nor the method of transformation shall constitute an obstacle to the grant of Market Economy Status to this Company. The exporter has reiterated these arguments in its post disclosure submissions and has further argued that management control and majority ownership of the Company has ultimately vested at all stages with a family trust established by a person borne and raised in Thailand and the group has been managed out of Hong Kong for decades, where the holding company is listed in the Hong Kong stock exchange. Some changes within the holding structure and family have been there but ultimately it has vested with this group and family trust at all times, though the intermediate holding structure has varied a little from time to time. The Company has consistently made profits and paid dividends

including as verified during the POI. The local state company was only a minority shareholder and this ended many years ago. Thus majority shares and control have always been directly or indirectly with a particular group or family then the 'valuations' issue for any changes from time to time years ago for holding structures is not material.

71. The market economy claims of this Company have been examined. It appears that an entity in the name and style of M/s Zhuhai United Pharmaceutical Factory Co. Ltd, (which is the predecessor of the responding Company i.e., United Laboratories Co. Ltd.) was incorporated as a limited liability Co. in 1993 with two shareholders i.e. 1) M/s Zhuhai Medicine Company (****%) and M/s Hong Kong United Laboratories (****%) with a total registered capital of **** Million RMB. M/s Hong Kong United Laboratories was established sometime in 1964 in Hong Kong as Hong Kong United Pharmaceutical Factory and owned by an individual. M/s Zhuhai Medicine Company was a State-owned entity under Zhuhai Provincial Government. However, as per the capital verification report of 1996 Zhuhai Medicine Company contributed its share capital only in 1996. The registered capital of the Company was raised to **** Million without increasing the capital contribution of M/s Zhuhai Medicine Company.

72. In 1996 the shares of M/s Hong Kong United Laboratories were transferred to M/s Hong Kong Bear World Limited. It appears that in 1999 the nature of the Company was changed from Sino-foreign equity joint venture to Sino-foreign cooperative joint venture as the capital contribution of the Chinese partner had been significantly diluted due to increase in registered capital of the Company. As per the Memorandum of Agreement submitted by the Company indicates that in 2001 the Company transformed itself into a joint stock company through an initiators agreement and the initiators have taken over this company alongwith the debts and other liabilities. Subsequent submissions of the Company shows that the in May 2001, for the purpose of improving the internal corporate governance and introducing new partners the Company decided to change the nature of the Company from Sino-foreign cooperative joint venture to Sino-foreign equity joint venture and four new partners joined the company. As a result of this re-organisation, the share of Bear World fell from ****% to ****% and M/s Kangzhile Medicine Ltd acquired ****% of the shares. However, M/s Bear World holds ****% of all the three other share holders. However, at different stages of transfer of shares no valuation of the shares of the company appears to have been carried out.

73. Hong Kong Bear World Limited is a company promoted by United Laboratories (Hong Kong) Group which is held ****% by a holding Company registered British Virgin Islands, which is in turn controlled by another Company i.e., M/s United Laboratories International (Holding) Ltd., registered in Caymen Island. As per the Report of United Laboratories International Holding Ltd. ultimately all the investments are traced to a family trust of the promoter.

74. Examination of the initiators' memorandum of 2001 indicates that there were *** original share holders of M/s Zhuhai United Pharmaceutical Factory Co. Ltd, and this unit was transformed into Zhuhai United Laboratories Co. Ltd in June 2001 through the Initiators agreement referred above. As per the agreement the initiators have taken over the debts of the earlier company. However, no evaluation of the assets and liabilities and debts of the erstwhile Company or valuation of the shares of the Company, before it was taken over by the new Company through the initiators agreement, has been carried out. It has been argued by the Company that there was no substantial transfer of assets and liabilities and share held by each of the shareholders has not changed which contradicts the initiators agreement.

75. The Company does not sale the subject goods in the domestic market. The sales in the domestic market are done by its related Company, M/s Zhuhai Lebang United Laboratories, which also produces the subject goods and sales only in the domestic market. But the production facilities for the domestic sales have been rented out from Zhuhai United Laboratories. However, the Company has processing arrangements with two other domestic companies i.e., Shanghai Huakang Medicine Ltd. and Kangtian (Zhongshan) Medicine Ltd., for the subject goods. As per these arrangements these two parties supply the raw materials to United for processing at a fixed recovery ratio and processing fee. It is however, not clear how and from which stage the recovery ratio has been arrived at and how the processing fee has been fixed. It also appears that part of the product processed by its related Company M/s Zhuhai Lebang United Laboratories has also been supplied to these two companies under the above processing agreement. Therefore, the domestic operations and arrangements of this Company are not very clear to justify a fully market oriented operation.

76. The responding company procures 7-ACA from its associated Company M/s United Lab (Chendu) Ltd. and M/s Shijazhuang Pharma Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co. Ltd. The utilities are obtained from the state utilities suppliers. The Authority notes that M/s Shijazhuang Pharma Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co. Ltd is a state-owned entity and has not been granted market economy status in this case. The other supplier of the major raw material is a closely related party and the pricing mechanism between them is also affected by relationship.

77. In its post disclosure submissions this exporter has reiterated its earlier arguments on this issue. In view of the above the Authority is of the view that the cost and prices of the responding Company are significantly distorted due to non-market economy conditions in procurement and processing of the raw materials and utilities and therefore, cannot be relied upon for the purpose of determination of its normal value.

f) M/s.Livzon Synthpharm Co. Ltd. China (Producer), and M/s. Lizhu Pharmaceutical Trading Co. Ltd. China (Exporter)

78. M/s.Livzon Syntpharm Co. Ltd. China (Livzon) has filed a questionnaire response and market economy questionnaire response as the producer of the subject goods in China. M/s. Lizhu Pharmaceutical Trading Co. Ltd. China, (Lizhu) which is a related trading company of Livzon has also filed a separate questionnaire response and market economy questionnaire response supplementing the response of Livzon. On the basis of preliminary examination of the questionnaire response and the MET claims of this exporter and subsequent submissions made by them the Authority provisionally treated them as operating under non-market economy condition for the purpose of preliminary determinations. However, in its post preliminary submissions the exporter has disputed the above determination.

79. In its post preliminary finding submissions this exporter has argued that while considering the four criteria set out in the Rules the designated authority must consider whether there is "significant State interference", "substantially reflect" the market values, and "significant distortions" carried over from the erstwhile non-market oriented system. It has been argued that these terms have significant importance in the overall examination and therefore, just a threshold of these elements cannot be used to treat a company as non-market economy.

80. It has been argued by the Company that information already made available to the Designated Authority would indicate that among the ten largest shareholders of the Livzon Group, who hold ****% of the total shares in the responding Company, the shares held by the state-owned shareholder merely accounts for ****%, which is below the negligible level in the context of WTO rules, and less than "significant state interference" or "significant distortions" (if any), within the meaning of Annexure I, Article 8(3) of the Domestic Rules. Further it is evident from the Articles of Association that the shareholders are privately owned companies and in no way interfering in day to day working of the company. Any inference that there are significant issues regarding the ownership and control, method of transformation and valuation of assets and liabilities that may tantamount to Company not operating under MES, is contrary to the facts of the case. On the other hand all business decisions of the company are made by the Board of Directors, who are appointed by the shareholders. There is no state ownership in the Company. Land and buildings have been acquired/ purchased from the open market at prevailing market prices. Therefore, it has been argued that Livzon should be accorded Market Economy status by the Designated Authority.

81. The claims and arguments of this exporter have been examined. The responding producing company M/s Livzon Synthpharm Pharmaceutical Factory was established as a Sino-foreign Joint Venture Company Zhuhai in 1993 as an affiliate of M/s Livzon Pharmaceutical Group Inc.

82. The parent Company, M/s Livzon Pharmaceutical Group Inc, was established in Jan 1985 as a Sino-Joint Venture under the new enterprise law by investment from four enterprises namely M/s United Pharmaceutical Co (****%); M/s Guangdong Medicine Manufacturing Co (***%); M/s Zhuhai Trust and Consulting Corporation (***%); and M/s Maccau Southern Canton Trading Co (***%). First three Companies were State-owned. In 1993 the group became a public limited Co. with four state promoters and three private/foreign promoters.

83. Thereafter, the composition of the share holding of the Group, as well as the responding Company, has changed several times and certain subsidiaries of Livzon Group have taken significant shares in this entity gradually reducing direct share holding by the Group in this Company. In 2003, Livzon Synthpharm Pharmaceutical Factory became Livzon Syntpharm Co. Ltd (Zhuhai FTZ) with revised share holding of Lizhu (Hong Kong), which is a subsidiary of the Group (****%), Ando, which is also a subsidiary of the Group (****%); and Livzon Group (****%). Therefore, practically the Company continues to be a wholly owned subsidiary of the Group through separate cross holdings.

84. The examination of the ownership status of the Group Company indicates that upto 1998 four state-owned or collective enterprises held significant (about **%) of the shares in the Company, with China Everbright Group and China Everbright Pharmaceutical Co. (state-owned) holding ***% and ***% of the shares respectively. By 2002 state-ownership in the group was reduced to ***% and subsequently the state shares were transferred to a trust in 2002. Another major portion (****%) of the shares is held by M/s Join Care Pharmaceutical Group Industry Co. status of which is not clear. It appears that the state holdings in the Company through the Everbright group and its different subsidiaries have been transferred to the Join Care Group and significant state holding in the Company continues through these cross holdings.

85. The trading Company M/s Lizhu Pharmaceutical Trading Co., Ltd shares the same shareholder with the producing Company i.e., Livzon Pharmaceutical Group Inc and Livzon (Group) Pharmaceutical Factory, and in fact for all practical purposes act as an internal department of the producing Company responsible for export documentation. The export proceeds and VAT refunds are realized by the trading Company and transferred to the producer. There is no formal arrangement between the Companies which share the same staff and the companies are closely linked.

86. Livzon produces the subject goods from 7 ACA stage and procures the same, from three different producers, one of which, is being investigated in this investigation which is apparently operating under non-market economy conditions. The status of other suppliers could not be verified. The Authority notes that 7-ACA constitutes a very significant proportion of the cost of

production of the subject goods and therefore, any distortion in this price affects the cost and price structure of the responding exporter, which does not reflect the true market condition. The Authority also notes that utilities, such as power, are a major input in terms of its share in the cost of this product. Such utilities are supplied by the State utility providers. As per the accession agreement the utility prices are still under state guidance price system and therefore, price of such utilities does not appear to reflect the market price for these inputs.

87. From the above examination it is apparent that the manufacturing Company was established as a joint venture with majority state holding and gradually the state's share has been divested through a maze of crossholdings. However, there is still significant state holding in the responding Company through the Group Company. The divestment process of state holdings in the Company does not seem to be transparent and followed any bidding process, or valuation of assets and liabilities at the time of such divestment significantly impacting the asset values and corresponding manufacturing cost. Because of complex cross holdings of various Companies, including state-owned companies, it cannot be concluded that there is no significant state interference in the decision making process of the commercial activities of the Company. The prices of the main raw material 7-ACA and utilities are also affected by involvement of the State-ownership in the major manufacturer and suppliers of these raw materials and utilities. This exporter has not filed any comments on the disclosure statement issued by the Authority. Therefore, on the basis of the above analysis the Authority is of the view that the cost and prices of this producer/exporter cannot be relied upon for determination of the normal value.

G.2 Determination of normal value

88. As recorded in the previous section cost and prices of the responding exporters from China PR are significantly affected by non-market economy situation and therefore, the normal value cannot be determined in terms of Para 6 of Annexure-I to the Rules. Therefore, the Authority refers to Para 7 of the said Annexure for determination of normal value in China PR for the subject goods.

89. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner,

1 keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

90. The Authority recorded in the preliminary findings that in the absence of any reliable data in respect of cost and prices of the subject goods in an appropriate third country, normal value was determined on the basis of the third option available in the Rules, which provides for adoption of any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the normal value was constructed based on (a) international prices of all the major inputs from the basic raw material starting from the production of Cyclo Acid (Thiotriazinone) to the extent international prices of such raw materials were available; (b) consumption norms, conversion cost and SGA expenses of the domestic industry; and (c) a reasonable profit margin.

91. None of the interested parties have objected to the adoption of the third option for determination of normal value in the given situation. However, it has been argued by the interested parties that the domestic industry has imported significant quantities of pen-ultimate product and the rice of such product should have been considered by the Authority. It has also been argued that the Authority should have disclosed the sources of the international prices of raw materials adopted and should have accepted the consumption norms of the cooperating exporters as consumption norms do not have any relationship with the market economy or non-market economy status of the countries in which the companies are located. It has also been argued that disclosure of the method in which conversion costs and SGA expenses have been adopted by the authority would help the exporters defend their interests adequately.

92. In this connection the Authority notes that except one exporter all the cooperating exporters are producing the subject goods from the stage of 7-ACA and Ceftriaxone Crude (Non-sterile) is produced as the intermediate product which goes into the production of the subject goods. It has also been brought to the notice of the Authority that the domestic industry has also imported some quantity of Ceftriaxone Crude (Non-sterile) for further processing, in addition to its own production of non-sterile material from the basic stage. Therefore, international price of Ceftriaxone Crude (Non-sterile) was also examined. However, the imports are from China only, which is affected by the distortion of cost and prices as examined earlier. Therefore, the methodology adopted in the preliminary findings for construction of

Normal Value is proposed to be confirmed. For the purpose of this construction weighted average import price of 7-ACA as reported in DGCIS data has been adopted after reviewing the database. Average consumption norms of the cooperating exporters in the subject country has been adopted for the above purpose alongwith the conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of **%, constructed normal value works out as under:

Cost of raw materials per Kg:	Rs*****
Conversion Cost & Packing per Kg:	Rs*****
SGA Expenses and Finance cost per Kg:	Rs*****
Cost to make and sale	Rs*****
Profit margin per Kg @ **%:	Rs*****
Constructed Normal Value Per Kg:	Rs*****
@ Exchange Rate Rs45.41	US\$*****

93. The Authority notes that neither the domestic industry, nor the exporters have raised any significant issue regarding the above determination. Therefore, the Authority confirms the above determination. However, certain clerical error in reporting of the normal value and therefore, the dumping margins, in the disclosure statement has been noticed. Accordingly, the margins of dumping, has been corrected in the relevant sections of this finding.

G.3 Export Price

94. In their post preliminary submissions the exporters from China have argued that the adjustments made towards certain elements of expenses were not warranted as they are included in the consolidated transport expenses. It has also been argued by one exporter that the VAT adjustment of 4% was not warranted as the exporters are entitled to a VAT Refund at the applicable rate on the FOB value of export price, while VAT is paid on the value of the input. Unless there is a shortfall in the actual amount of refund granted compared to the amount of VAT paid on the purchase of inputs that went into the production of the export product, no case is made out for making an adjustment towards difference in the VAT refund rates.

95. It has been further argued by Fukanga that when the exports are made to an unrelated trading company in China, the producer raises a domestic sale invoice on which it charges the applicable VAT. Under the Chinese law, a trader who purchases in the domestic market and exports the product out of China will get a VAT refund at the applicable rates on the purchase value of the goods. If there is a difference between the VAT rate applicable on purchase and VAT Refund rate applicable on exports, the same would amount to an SGA expense of the trader. However, it shall not affect the ex-

factory export price of the unrelated supplier. Fukanga has reiterated its arguments in its post disclosure submissions also.

96. However, the Authority notes that the VAT statements of the exporters verified during the investigation clearly shows the VAT paid @17% and refund obtained @13% of the FOB values and all the exporters except one have filed their export details adjusting the export prices by 4% VAT. Therefore, this argument of the exporter has not been found to be tenable. As far as the other adjustments are concerned, the direct selling expenses in respect of export sales to India have been verified from the records of the Company and actual verified data has been used for final determination of the export prices of the cooperating exporters as follows:

a) M/s. Fujian Fukanga Pharmaceutical Co., China

97. This exporter had initially reported export of *** MT of the subject goods to India during the POI out of which *** MT was exported directly and rest was reported as sales to a trading Company in China for exports to India. However, during the verification it was confirmed by the exporter that these goods have not been exported to India by the trader concerned and the producer has not issued them the required documents for exports. Therefore, these goods are actually domestic sales of the exporter. The sales to Indian customers are in CIF term. The direct selling expenses towards inland freight, air freight and insurance to India, form charges, credit expenses, customs brokerage charges, bank charges have been deducted to arrive at ex-factory export price. The Company has an exclusive marketing arrangement with M/s Span Gen Ltd, Hong Kong for sale of its goods in India with a commission of 2.5% on invoice value. However, since the business was new during the POI, for the transactions during POI no commission was actually paid. Therefore, no adjustment towards this element has been made.

98. The export prices in packed conditions are being compared with the constructed normal value of the product in packed condition. Therefore, the packing cost has not been deducted from the export price. The exporter has paid VAT @17% and obtained refund @13% of the FOB value. Therefore, an adjustment @4% of FOB value has been made from the CIF value to arrive at net ex-factory export price of this exporter as follows:

Producer/ Exporter	Qty Kg	Net Invoice Value USD	Total Direct Selling Expenses USD	VAT Adjustments USD	Net Value realized USD	Net EP USD/Kg
Fujian Fukanga	****	****	****	****	****	****

b) M/s. Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Ltd., China

99. The data submitted by this exporter was verified in accordance with the Rules. This producer exporter has exported **** MTs of the subject goods to India during the POI. The exporter's domestic sales showed significant quantity sold to M/s Harbin Pharma who has reported certain exports to India. Therefore, the exporter was asked to provide the details of such exports to India through Harbin Pharma. However, the exporter clarified that their sales to Harbin are domestic sales and they have never issued any mandatory documents of the manufacturer, which is required for export of the subject goods, to Harbin. Harbin could not have exported the goods manufactured by Dawnrays to India without those documents. Therefore, the goods exported by Harbin are not the product manufactured by Dawnrays to the best of their knowledge and they do not take any responsibility for such exports. The Authority notes that Harbin has withdrawn from this investigation. Harbin had declared the goods as its own product in the export documents and subsequently claimed that the goods were manufactured by Dawnrays and exported by them. In fact Harbin appears to have domestically sourced the goods from several producers as per the responses of other exporters. Therefore, the explanation of Dawnrays in this respect appears to be convincing.

100. The sales to Indian customers are in CIF term. Direct selling expenses and other adjustments towards overseas freight and insurance, credit expenses, and bank charges were also verified from the records of the Company. Transport cost bill includes all miscellaneous expenses i.e. document fee; customs brokerage fee; airport service fee; fuel additional fee, air transport charge; security fee, inland transport cost etc. The exporter has incorporated an adjustment towards VAT paid and refund obtained. Accordingly, VAT differential of 4% on the FOB price has been adjusted from the invoice price to arrive at net export price at ex-factory level. No commission has been paid for the exports made during the POI and therefore, no separate adjustment is required on this account. Accordingly, the Authority has determined the net export price of the above exporter as follows:

Producer/ Exporter	Qty in Kgs	Net Invoice Value USD	Total Direct selling expenses USD	VAT Adjustments USD	Net Value realized USD	Net EP USD/Kg
Suzhou Dawnrays	****	****	****	****	****	****

c) M/s. Shijiazhuang Pharm Group Hebei Zhongrun Pharmaceutical Co., Ltd., China

101. This exporter has made only two shipments (** Kgs) of the subject goods to India during the POI. Though there is a general decline in prices, the price difference between the two transactions of this exporter made in April

and September 2006 are significant. The first transaction made to a distributor is at a considerably higher price and no commission has been shown, whereas the second transaction to an end user is at a much lower price with a commission @USD *** per Kg. Therefore, an adjustment towards commission @USD *** per Kg has also been made to the first transaction also for fair comparison. In its post disclosure submissions the exporter has argued that such adjustment from the first transaction is not called for as no commission has been paid on this transaction. However, the Authority notes that the exporter has made only two transactions and the price difference between them is significant. No price trend of this company could be derived for a fair comparison. The first transaction has been made to a distributor at high price without showing any discount or commission whereas the second transaction is to an end user at a lower price and also involves a commission. Therefore, for the purpose of fair price comparability the adjustment of commission made against on first transaction on the basis of second transaction is justified.

102. Direct selling expenses towards inland transportation, handling expenses, overseas transportation and insurance expenses, credit costs, and bank charges have been adjusted from the CIF export price. An adjustment towards differential VAT paid @4% of FOB value has also been made. Other miscellaneous expenses are included in the transportation charges and hence not deducted separately. Since the comparison is being made in packed condition no adjustment towards packing expenses is required. Accordingly, the Authority has determined the net export price of the above exporter as follows:

Producer/ Exporter	Qty in KG	Net Invoice Value USD	Total Direct selling expenses USD	VAT Adjustments USD	Net Value realized USD	Net EP USD/Kg
Hebei Zhongrun	****	****	****	****	****	****

d) **Zhuhai United Laboratories Co. Ltd., China**

103. Export data of this exporter was verified and it was noticed that this producer exporter has exported **** MTs of the subject goods to India during the POI. Most of the export transactions are in CIF term, except few transactions on FOB terms. The exports are to direct end users and distributors. The exporter has not paid any commission on these sales during the POI. Direct selling expenses towards overseas freight and insurance, credit expenses, and bank charges were verified from the records of the Company. Inland freight and all miscellaneous expenses, such as handling charges and customs brokerage etc., are included in the overseas freight bill and hence not adjusted separately. Adjustment towards differential VAT paid @ 4% on the FOB value of exports has also been made to arrive at the net ex-works export price as follows:

Producer/ Exporter	Qty Kg	Net Invoice Value USD	Total Direct selling expenses USD	VAT Adjustments USD	Net Value realized USD	Net EP USD/K g
Zhuhai United	****	****	****	****	****	****

e) M/s. Livzon Synthpharm Co. Ltd. China (Producer), and M/s. Lizhu Pharmaceutical Trading Co. Ltd. China (Exporter)

104. M/s Livzon Synthpharm Co. Ltd, is the manufacturer of the subject goods and the goods are invoiced to India through its related trading company M/s Lizhu Trading Company Ltd. Lizhu Trading carries out all documentation works and for all practical purposes functions as the trading department of Livzon. The VAT invoice raised by Livzon on Lizhu including VAT amount and Lizhu in turn raises invoices on Indian customers and obtains the VAT refund.

105. The data submitted by this producer-exporter was verified. This exporter has exported **** MTs of the subject goods to India during the POI. The exports are in CIF term. Direct selling expenses towards ocean freight, insurance and bank charges have been adjusted. The exporter has claimed that the transportation charges from the factory to Hong Kong port, from which the goods have been transported, and handling expenses are also included in the transport bill. However, examination of the freight bills shows that most of the freight bills show only air freight from the port of loading to port of discharge in India. Therefore, a reasonable adjustment towards transportation from the factory to port of export has been made based on one sample transport bill examined which shows separate freight from plant to port and another freight bill which shows miscellaneous sundry expenses/handling expenses. Accordingly, an adjustment of USD*** per Kg towards inland transportation and USD*** per Kg towards handling expenses has been made from the export price.

106. As far as credit expense is concerned, the exporter has claimed that their internal interest rate for intra-group transactions is ***%. However, as per bank rate for the period average bank rate of ***%, as adopted for all other exporters, has been adopted for this exporter also, and credit expenses have been deducted to arrive at ex-factory export price. The exporter has provided the amount of VAT paid and refund obtained on the exports and gross invoice value excluding VAT of 4%. Therefore, ex-factory level has been determined after adjusting for the VAT differential. Accordingly, ex-works export price works out as follows:

Producer/ Exporter	Qty Kg	Net Invoice Value USD	Total Direct selling expenses USD	VAT Adjustments USD	Net Value realized USD	Net EP USD/Kg
Livzon Synthpharm/	****	****	****	****	****	****

Lizhu Trading						
---------------	--	--	--	--	--	--

g) All other exporters from China

107. Export price of all other non-cooperating exporters from China PR has been determined on the basis of the data submitted by the cooperating exporters and lowest transaction price of the cooperating exporters, duly adjusted for the direct selling expenses as per facts available has been determined as the ex-works export price. Accordingly, ex-works export price of all non-cooperating exporters has been determined as USD **** per Kg.

G.4 Dumping Margins

108. The ex-works normal value as constructed above and export prices so determined at ex-works levels have been compared at the same level of trade. After rectifying the clerical error in reporting the normal value and consequent error in the dumping margin, the dumping margins for the exporters from the subject country has been worked out as follows:

Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	DM %
		USD/Kg	USD/Kg	USD/Kg	
Fujian Fukanga	Fujian Fukanga	****	****	****	59.52%
Suzhou Dawnrays	Suzhou Dawnrays	****	****	****	57.62%
Hebei Zhungrun	Hebei Zhungrun	****	****	****	57.86%
Zhuhai United	Zhuhai United	****	****	****	61.59%
Livzon Synthpharm	Lizhu Trading	****	****	****	57.67%
All Others	All Others	****	****	****	103.45%

H. INJURY DETERMINATION

H.1 Views of the Interested Parties

109. The Authority notes that the responding exporters, in their post preliminary findings submissions, have raised certain issues regarding the injury claims of the domestic industry. The arguments of the interested parties have been summarized as follows:

110. The interested parties have argued that there is no material injury faced by the Domestic Industry due to dumping as alleged. Installed Capacity has been constantly increasing every year starting from the base year i.e. 2003-04 resulting in an overall increase of 67% up to the Period of Investigation. The overall production shows an increasing trend. The decline in the capacity utilization is due to the increase in the overall installed

capacity. One of the reasons for the controlled production may be due to the pending licenses the Domestic Industry was to receive from the US and other European markets. It has also been argued that the Authority should use consistent data figures while doing both the volume and price analysis.

111. As regards the cost of sales of the Domestic Industry is concerned, the Authority has to also consider whether the raw material inputs such as 7-ACA which the Domestic Industry imports is at market price, since one of the subsidiaries of the Domestic Industry manufactures the product in China PR. Also, the issue as regards the imports of penultimate intermediate made by the Domestic Industry needs to be examined. It has been argued that globally prices of main raw material (7ACA) have reduced drastically during the POI. This alone must have reduced the cost by about 15%. This raw material accounts for about 50% of the total cost of the subject material. Any decrease in the price of 7ACA should have direct bearing on the cost of production of the subject material. It has been further argued that Aurobindo has claimed that they have increased the capacity by improving the productivity of the sterilization unit by reducing the batch process time. This improvement, if factually correct, would have resulted in lowering the cost of manufacturing in terms of conversion cost as well as raw material consumption. But the trends of cost of production do not show any decline in the cost during the injury period.

112. It has been further argued that as regards the domestic sales are concerned, the same is in line with the production of the Domestic Industry. It should be ascertained as to how much share of the production is distributed between the domestic sales and the export sales of the product concerned. It is a well known fact that the companies producing the product concerned have a higher export commitment as compared to the fulfilling the domestic needs. It is only for this reason that the users of the said product had to look for alternative sources for fulfilling their requirements. Thus, this is one of the reasons that the volumes of sales from the subject countries increased. Therefore, there is sufficient proof that on the crucial and critical parameters of injury, the Petitioner has not suffered "material injury" as a result of the alleged dumped imports.

113. It has also been argued that the investigation needs to be terminated on account of a break in the causal link between the allegedly dumped imports and the injury. Within the factual matrix of the case at hand the export performance of the Domestic Industry cannot be ignored. The export sales are significantly higher than the domestic sales. It is imperative that the Hon'ble Designated Authority examines that the exports of the subject goods are not the reason for the losses in the operation of the subject goods. In their post disclosure submissions the interested parties have reiterated their arguments against the injury claims of the domestic industry. It has been further argued that the applicant domestic industry is in an acquisitions spree in India and abroad and there has been no information to indicate the source

of funds for these acquisitions or that there was no contribution to these from the Applicants revenues in respect of the Subject Goods.

H.2 Examination of Injury and Causal Link:

114. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

115. The application for imposition of antidumping duty has been filed by M/s Arobindo Pharma Ltd. Hyderabad, who commands a major proportion of total production of the subject goods in India. As noted earlier, in terms of Rule 2(b) of the Rules the above producers has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. However, in the spirit of Supreme Court Judgment in Reliance Industries Vs Designated Authority matter, all the known producers of the subject goods have been requested to file their cost and injury information for the purpose of injury determination and determination of non-injurious price for the domestic industry as a whole. However, these producers have not filed any information. Therefore, the cost and injury information of the applicant domestic producer, constituting the domestic industry as defined in Rule 2(b), has been examined for injury examination and determination of Non-injurious price.

116. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under: -

A) Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import volumes and share of subject countries:

117. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped

imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The domestic industry has argued that the DGCI&S data does not reflect the complete import data and the import volume is higher than that has been reported in the DGCI&S data.

118. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S and IBIS data provided by the domestic industry. The export data of the responding exporters from China have also been taken into consideration. The Authority notes that the export from the subject country as reported by the responding exporters is higher than the import volume reported in the DGCI&S data. Therefore, for the purpose of injury analysis the export volume reported by the cooperating exporters and the import statistics has been considered alongwith the corresponding values.

Quantity in Kgs

Period	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Country	Quantity	Quantity	Quantity	Quantity
CHINA P RP	65	3449	35497	87,456
Trend	100	5306	54611	134548
Others	590	5515	507	1317
Trend	100	935	86	223
Total	655	8964	36004	88773
Trend	100	1369	5497	13553
Share of subject country	10%	38%	99%	99%
Trend	100	388	994	993

119. The above data indicates that there is a quantum jump of dumped imports from the subject country compared to the base year as well as the previous 12 month period. The share of dumped imports from the subject country has increased from 10% in the base year to about 99% of the total imports during the POI, practically crowding out the imports from other countries. Actual and potential increase in volume of imports is significant and material.

b) Actual and potential effect on production and capacity utilization:

120. The impact of increase in dumped imports from the subject country has been examined in terms of its actual and potential effects on production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry.

Quantity in KG

Production, Sales and Demand	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Installed Capacity of DI	****	****	****	****
Trend	100	119	142	167
Production (DI)	****	****	****	****
Trend	100	105	132	139

Capacity Utilization DI (%)	99%	88%	93%	83%
Trend	100	88	93	84
Domestic Sales of DI	****	****	****	****
Trend	100	102	119	128
Captive consumption	****	****	****	****
Trend	100	158	92	109
Sale of other Producers	****	****	****	****
Trend	100	116	125	139
Imports	655	8964	36004	88773
Trend	100	1369	5497	13553
Total Demand	****	****	****	****
Trend	100	117	152	210

121. The capacity of the domestic industry for the product under consideration is determined by the capacity of the sterilization unit. During the injury investigation the company has constantly improved the productivity of the sterilization unit by reducing the batch process time and increasing per day number of batches gradually, while an additional block has been added for this product. Therefore, the contention of the interested parties that the investment and capacity addition does not corroborate does not hold good.

122. The capacity of the domestic industry for this product has increased by about 67% compared to the base year due to improvement in productivity and addition of capacity keeping in pace with the growing demand as indicated above. However, the production has increased by only 37% resulting in significant decline in capacity utilization. While domestic demand has increased by about 110% compared to the base year, the sale of the domestic industry during the corresponding period increased by only 28%. Whereas there is a quantum jump in imports by several folds, compared to the base year, 99% of this is contributed by the subject country.

123. The interested parties have argued that controlled production of the domestic industry could be due to pending licensing requirement from US and EU and decline in captive consumption. The data below indicates that the exports of the Company has almost doubled compared to the base year and increased significantly compared to the previous year. Therefore, the export performance and captive consumption in terms of volume in this period does not support these arguments of the interested parties.

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	Oct 05 to Sep 06
Exports Sales	Kg	****	****	****	****
Trend		100	113	160	192
Captive Consumption	Kg	****	****	****	****
Trend		100	158	92	109

c) Actual and potential effect on market share:

124. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Share in Demand	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Subject countries	0.06%	2.59%	20.41%	36.50%
Trend	100	4553	35882	64165
Other countries	0.52%	4.14%	0.29%	0.55%
Trend	100	802	56	106
Domestic Industry	****	****	****	****
Trend	100	89	78	61
Other domestic producers	****	****	****	****
Trend	100	100	82	66

125. While the demand of the subject goods in the domestic market has increased by about 110%, the share of the domestic industry in the total demand has declined by over 20% compared to the base year; whereas the share of the dumped imports has increased from a negligible share to about 37% of the total demand, indicating that the dumped imports have significantly impacted the domestic industry's sales volumes and market shares. Other domestic producers have also lost considerable market share.

B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

126. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

i) Trend of import prices

127. CIF import price of the subject goods from the subject country has been analysed based on the DGCI&S data as well as verified export data of the cooperating exporters as under: -

CIF Export Price	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
China PR	6818	5204	5585	4641
Trend	100	76	82	54

128. The above data indicates that the CIF import price of the subject goods from the subject country has declined by about 30% over the injury period.

ii) Price undercutting and underselling effects

129. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject country and the verified export price of the cooperating exporters.

130. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

131. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed price of imports from subject country has been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI.

				Rs/Kg
Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Cost of sales	****	****	****	****
Trend	100	105	100	99
Selling Price - Domestic	****	****	****	****
Trend	100	93	85	79
Landed Value - China PR	10417	7239	6447	5323
Trend	100	69	62	51
Price Undercutting	(****)	****	****	****
Trend	(100)	66	70	110
Price Undercutting (%)				****%
Range				20-30%
NIP				****
Price Underselling				****
Price Underselling %				****%
Range				65-75%

132. The above data shows that cost of production and sales of the domestic industry has remained more or less same over the injury investigation period. Without producing any verifiable evidence the interested parties have argued that globally prices of main raw material (7ACA) have reduced drastically during the POI and this alone should have reduced the cost by about 15%. The Authority notes that though the price of 7 ACA has declined as argued by the interested parties, cost of some of the other

raw materials have increased during the same period. Therefore, the total input cost has marginally declined during the POI but total cost of production, including depreciation and other manufacturing expenses has remained more or less same.

133. While the cost has remained almost same over the injury period, net sales realization of the domestic industry has declined by about 21% over the injury period; as the landed value of imports from the subject country declined by about 49% compared to the base year and about 11%, compared to the previous year. The landed value of the dumped imports is significantly below the net sales realization of the domestic industry and undercuts the domestic prices. The landed value is also significantly below the non-injurious price resulting in significant price underselling effect on the domestic industry.

iii) **Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

134. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production.

Rs/Kg				
Particulars	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Cost of Production	****	****	****	****
Trend	100	102	98	99
Selling Price	****	****	****	****
Trend	100	93	85	79

135. The data indicates that while the cost of production of the domestic industry has remained almost same during the POI, the sales realization of the domestic industry has significantly declined. The selling price is significantly below the cost of production. It therefore, appears that while the costs have remained at the same level, the domestic industry has been forced to suppress its prices, in order to retain its falling market share due to dumped imports. This price depression appears to have caused financial loss to the domestic industry as the industry is unable to realize its cost in the domestic market.

136. The above analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effects on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms, and by depressing the prices of the domestic market while eroding its market share.

H.3 Examination of other injury factors

137. After examining some of the injury factors i.e. actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of

imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

a) Profits/Loss and Return on Investments

138. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows: -

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Domestic Cost of Sales	Rs./kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	105	100	99
Domestic selling price	Rs./kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	93	85	79
Profit / Loss	Rs./kg	****	****	(****)	(****)
Trend	Indexed	100	22	(4)	(42)
Capital Employed (NFA)	Rs./Lacs	****	****	****	****
Profit before tax	Rs./Lacs	****	****	(****)	(****)
Interest	Rs./Lacs	****	****	****	****
Profit before Interest		****	****	****	(****)
Trend	Indexed	100	42	28	(9)
Return on Capital Employed % (NFA Basis)	%	****	****	****	(****)
Trend	Indexed	100	32	13	(4)

139. The above data shows that from positive profit margin per unit in the base year, profitability of the domestic industry has declined continuously over the injury investigation period and resulted in net loss, in domestic sales, in the POI. The return on the domestic investments, of the domestic industry, has declined significantly during the POI as compared to the base year and during the POI the domestic industry had a negative return from the subject goods.

b) Employment and Wages

140. The interested parties have pointed out certain inconsistencies in the data on employment and wages and the same has been reconciled. As per the records of the Company, employment of the Company in the product concerned has increased due to increase in capacity and production and consequently the wages have also increased keeping in line with the wage level in the industrial sector.

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Employment	Nos.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	128	152	164
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	203	317	333
Average wages per person	Rs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	159	208	203

141. The interested parties have argued that since the capacity increase is partially due to improvement in productivity of the sterilization unit the increase in employment is disproportionate. However, total wage component is much less compared to the total cost of the product and therefore, employment level cannot in itself be treated as a cause or effect of injurious dumping.

c) Inventories

142. Inventory holding of the domestic industry in terms of average stock and stock as a percentage of sales shows decline. However, the Authority also notes that the domestic industry has also increased its exports by about 100% compared to the base year resulting in liquidation of the stock.

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Employment	Nos.	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	128	152	164
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	203	317	333
Average wages per person	Rs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	159	208	203

d) Cash Profit

143. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under: -

Cash Profit	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Total profit before tax	Rs. Lacs	****	****	(****)	(****)
Trend		100	22	(5)	(54)
Depreciation on	Rs. Lacs	****	****	****	****

Domestic Sales					
Trend		100	126	132	163
Cash profit for product	Rs. Lacs	****	****	****	(****)
Trend		100	40	19	(16)
Cash Profit: Indigenous Sales	Rs./Kg	****	****	****	(****)
Trend	Indexed	100	40	16	(12)

144. It is seen that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period resulting in cash losses in the POI.

e) Productivity

145. The productivity of the domestic industry has been examined with reference to production per day and per employee as follows:

Productivity	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI(Oct'05-Sep'06)
Total Production	Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	105	132	131
Production Per day	Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	105	132	137
No of Employees	Nos	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	128	152	164
Productivity per employee	Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	83	87	80

146. The data shows that daily productivity of the domestic industry has improved. However, per employee productivity has declined due to disproportionate increase in employment level as recorded above.

f) Growth

147. Performance of the domestic industry shows that capacity, production, and sales of the domestic industry show positive growth. However, parameters such as market share, profit, cash flow, and return on investments shows negative growth.

g) Ability to raise fresh Investment

148. The Authority notes that there is a healthy growth in domestic demand as well as export demand for the subject goods and the domestic industry has

made fresh capital investments for expansion during the investigation period, apparently keeping in view significant growth in demand for the product.

h) Magnitude of Dumping

149. The dumping margin determined for the subject country and the applicant exporter is above de minimis level.

i) Factors affecting prices

150. Examination of trend in the volume of dumped imports and prices from the subject country and the domestic prices indicate that the dumped imports, through volume and price effects, have affected the prices of the domestic industry.

H.4 Overall assessment

151. Analysis of the economic factors as above indicate that volume of dumped import from the subject country has increased many fold though there is a healthy growth in demand in India and the domestic industry has added capacity and increased its production and sales. However, the prices of dumped imports have sharply declined during this period, thereby significantly undercutting the prices of the domestic industry, resulting in significant decline in selling price in the domestic market. Therefore, in spite of the improvement in capacity, production, and sales, the domestic industry suffered injury on account of decline in market share, net sales realization, profitability, return on investment and cash profits. Decline in the selling price has resulted in significant financial losses to the domestic industry. The interested parties have argued that the applicant domestic producer is in an acquisition spree in India and abroad and therefore, it cannot be concluded that the industry actually suffers material injury. In this regard the Authority notes that the injury examination is in respect of the product under consideration and not the Company as a whole which might be doing well in other products to show a better overall performance. Therefore, these arguments are not valid. On the basis of the above examination the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury during the period under investigation and the injury suffered by the domestic industry is material and significant.

I. Causal link and other factors

152. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to

the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

i) Volume and prices of imports from other sources

153. The import data examined shows that very small volume of the subject goods is being imported from other countries not under investigation. The volume of imports from the subject country is about 99% of total imports. Therefore, imports from other sources are insignificant and do not affect the prices in the domestic market;

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

154. As noted earlier the demand for the subject goods shows a healthy growth during the entire injury investigation period and therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry. The data on consumption and demand does not show any significant change in the pattern of consumption of the product.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

155. The goods are freely importable. The applicant is one of the major producers of the subject goods in India and account for major domestic production and sales. Other domestic producers are either importing significant volumes of the subject goods or are primarily export oriented. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices between the domestic producers has been brought to the knowledge of the Authority by any interested party.

iv) Development in technology: -

156. The domestic producers and producers in exporting country are employing the same basic technology and there is no allegation of significant changes or differences in technology which could have caused injury to the domestic industry. Therefore, injury suffered by the domestic industry cannot be attributed to technology related issues.

v) Export performance of the domestic Industry: -

157. The Authority notes that the export sale of the domestic industry is significant and shows positive growth. The price realization of the domestic industry in its export markets is higher than the price realized by it in the home market. However, for the purpose of injury analysis the domestic sales only has been considered and injury, if any, caused due to the export performance of the domestic industry has not been attributed to the dumped imports.

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Export Sale	KG	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	113	160	192

vi) **Productivity of the Domestic Industry**

158. Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output. However, there is a decline in per employee productivity. The interested parties have argued that since the capacity increase is partially due to improvement in productivity of the sterilization unit, the increase in employment is disproportionate. However, as noted earlier, total wage component is much less compared to the total cost of the product and therefore, employment level cannot in itself be treated as a cause or effect of injurious dumping. Therefore, the injury to the domestic industry cannot be attributed to this factor.

159. The above non-attribution analysis shows that no other known factors, other than the dumped imports, appear to have affected the domestic industry.

1.1 Factors establishing causal link

160. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject country. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a. The volume of dumped import from the subject country has sharply increased and the price has significantly declined during the injury investigation period, resulting in significant price undercutting and underselling. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices though the cost of production remains more or less same over the same period.
- b. Increase in import volumes and reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
- c. Significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject country and market share of the domestic industry has declined. The domestic industry appears to have responded to decline in import prices by depressing its prices in order to retain some market share and as a result suffered financial losses.

161. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused by the volume and price effects of dumped imports from the subject country.

J. Magnitude of Injury and injury margin

162. The Authority has determined the non-injurious price of the subject goods manufactured and sold by the domestic industry based on the verified cost data of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exporters from the subject country and their injury margins have been worked out as follows:

Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin
		Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	%
Fujian Fukanga	Fujian Fukanga	****	****	****	60-70%
Suzhou Dawnrays	Suzhou Dawnrays	****	****	****	60-70%
Hebei Zhungrun	Hebei Zhungrun	****	****	****	60-70%
Zhuhai United	Zhuhai United	****	****	****	65-75%
Livzon Synthpharm	Lizhu Trading	****	****	****	60-70%
All Others	All Others	****	****	****	100-110%

K. Conclusions

163. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the authority concludes that:

- The subject goods have entered the Indian market from the subject country at prices less than their normal values in the domestic market of the exporting country;
- The dumping margins of the subject goods imported from the subject country are substantial and above de minimis;
- The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

L. Indian industry's interest & other issues

164. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair

competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of provisional anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

M. Recommendations

165. The Authority initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping from the subject country and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down. Having established positive dumping margins against the subject country, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that definitive measure is required to be imposed to offset dumping and injury being caused to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty in the form and manner prescribed below.

166. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed from the date of imposition of the provisional duty notified by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country. Subject to the above the preliminary findings dated 7th November 2007 is hereby confirmed.

Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2941.9090 & 2942.0090	Ceftriaxone Sodium Sterile	Any	China PR	China PR	Fujian Fukang a	Fujian Fukang a	56.77	KG	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Suzhou Dawnrays	Suzhou Dawnrays	55.61	KG	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Hebei Zhungrun	Hebei Zhungrun	55.76	KG	US\$
4	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Zhuhai United	Zhuhai United	57.98	KG	US\$
5	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Livzon Synthp harm	Lizhu Trading	55.64	KG	US\$
6	-Do-	-Do-	-Do-	China	China PR	Any combination		77.35	KG	US\$

				PR		other than the above				
7	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any other than China PR	Any	Any	77.35	KG	US\$
8	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than China PR	China PR	Any	Any	77.35	KG	US\$

P. Further Procedures

167. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

168. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

R. GOPALAN, Designated Authority